दैनिक नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
ईद मिलाद-उन-नबी
ओणम की बधाई

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ | 2 | छत्तीसगढ़ | 4 | अभिव्यक्ति | 9 | कारोबार/खेल

रायपुर, बुधवार, 26 अगस्त 2026 शुक्ल पक्ष-चतुर्थदशी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 अंक- 197 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

हेमाबंद में पशु क्रूरता पर प्रशासन की सख्ती, आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार, पंचायत सचिव सस्पेंड

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा जिले की दाढ़ी तहसील अंतर्गत ग्राम हेमाबंद में आवारा एवं घुमंतू पशुओं को अनाधिकृत रूप से बंधक बनाकर रखने के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल पशु चिकित्सक को मौके पर भेजकर जांच कराई। प्रथमदृष्टया शिकायत सही पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी दिलीप राय के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में एफआईआर ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हेमाबंद में 100 से ज्यादा गायों की मौत, भूख-प्यास से तड़प रहे गोवंश
बेमेतरा में गोवंश मौत पर फूटा आक्रोश कलेक्टोरेट के बाहर प्रदर्शन और हंगामा

खबर का असर

■ **126 पशुओं को दूसरे गौशालाओं में सुरक्षित शिफ्ट किया गया**

मृत पशुओं की मौत की भी होगी जांच: जांच के दौरान गांव की सरहद में कुछ मृत पशु भी पाए गए हैं। इन पशुओं की मृत्यु किन परिस्थितियों और किन कारणों से हुई, इसका पता लगाने के लिए तीन पशु चिकित्सकों की टीम गठित की गई है। टीम द्वारा आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण एवं जांच की जा रही है।

पंचायत सचिव निलंबित: मामले में पंचायत स्तर पर कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही को भी प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। ग्राम पंचायत हेमाबंद के सचवि प्रकाश कोशले को अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

अवैध गोशाला को जेसीबी से ढहाया, ट्रैक्टर भी जब्त

जिला प्रशासन ने मामले में केवल एफआईआर तक कार्रवाई सीमित नहीं रखी। आरोपी द्वारा कब्जा की गई शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई 25 अगस्त को पूर्ण कर ली गई है। साथ ही आरोपी द्वारा उपयोग किए गए जब्त ट्रैक्टर के संबंध में राजसात की कार्रवाई भी पुलिस द्वारा प्रारंभ कर दी गई है।

नव प्रदेश की खबर पर शासन-प्रशासन का एक्शन

दैनिक नवप्रदेश को जानकारी मिलने के बाद पड़ताल की गई। वहां जो तस्वीर सामने आई, उसने ग्रामीणों के आरोपों को और गंभीर बना दिया। खुले स्थान पर मृत गोवंश के शव और कंकाल दिखाई दिए, जबकि आसपास जीवित गायें भी बेहद दयनीय हालत में नजर आईं। ग्रामीणों का दावा है कि पशुओं की मौत कोई एक-दो दिन की घटना नहीं थी। उनका आरोप है कि रोजाना 15 से 20 तक गायें चारा-पानी और उपचार के अभाव में मर रही थीं। हड्डी और खाल से मुनाफा कमाने गोवंश के साथ क्रूरता की गई। इस मामले को लेकर गौभक्तों और ग्रामीणों ने बेमेतरा कलेक्टोरेट के सामने प्रदर्शन किया था।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: जिला प्रशासन

जिला प्रशासन ने कहा कि पशुओं के प्रति क्रूरता, शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे अथवा अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही के मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा। हेमाबंद मामले में भी दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन का कहना है कि ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

126 पशुओं को गौशालाओं में पहुंचाया

मौके पर मिले 126 पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। इसके बाद सभी पशुओं को वहां से हटाकर जिले की अन्य गौशालाओं में सुरक्षित रूप से व्यवस्थापित किया गया है। पशुओं के स्वास्थ्य एवं उपचार की निगरानी के लिए संबंधित गौशालाओं में विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आज बेबाक

मीठी शक्कर थोड़ी कड़वी क्या हो गई भाई लोगों ने सिर पर आसमान ही उठा लिया। ऐसे लोग जो खुद मधुमेह रोग से ग्रसित हैं और जिनके लिए शक्कर जहर के समान है वे भी चीख पुकार मचा रहे हैं। शूगर पेसेंट घुंघरू सेठ चीनी के दाम बढ़ने से सबसे ज्यादा हायतौबा मचा रहे हैं। सीधी सी बात है। शक्कर का कम इस्तेमाल करो और मधुमेह रोग की चपेट में आने से बचो। समझ में नहीं आता कि कैसे शक्करहराम लोग हैं जो उनकी सेहत का ख्याल रखने वाली सरकार का शुक्रगुज़ार होने की जगह उल्टे उसे गरिया रहे हैं।

चंदा चोरी: चंपत राय के खिलाफ संतों की बैठक पुलिस ने रोकी

अयोध्या/ए.। अयोध्या में कारसेवकपुरम के पास मंगलवार को ओम आश्रम में राम मंदिर चढ़ावा चोरी और चंपत राय के खिलाफ चल रही संतों की बैठक को पुलिस ने रोक दिया। संतों का आरोप है कि बैठक के बीच पुलिस पहुंची और संतों को बाहर निकालकर आश्रम में ताला लगा दिया। इससे गुस्साए संतों ने 'चंदा चोरों, अयोध्या छोड़ो' के नारे लगाए। हालांकि, पुलिस का कहना है कि रोकने से पहले ही संत खुद आश्रम से बाहर निकल गए और नारेबाजी करने लगे। संतों का कहना है- चंदा चोरी के छोटे आरोपियों पर कार्रवाई की गई।

स्कूली बच्चों में आक्रोश: दुर्ग जिले के पेंड्रावन के बच्चों ने सड़क किया जाम, 4 दिन में दूसरी बार प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ में जेन अल्फा की दस्तक

■ **स्कूल में 400 बच्चे, पढ़ाने के लिए सिर्फ 4 टीचर, विद्यार्थियों ने कहा- कलेक्टर-मंत्री से करेंगे बात**

धमधा/दुर्ग/नवप्रदेश। दुर्ग जिले में 5 दिन के अंदर दूसरी बार स्कूली बच्चों ने अपनी मांगों को लेकर चक्काजाम कर दिया। पेंड्रावन के आत्मानंद स्कूल में 9वीं से 12वीं तक क्लास लगती हैं, यहां करीब 400 छात्र-छात्राएं हैं। स्कूल में सिर्फ 3 टीचर और 1 प्रिंसिपल है। बच्चों का आरोप है कि उनका कोर्स पूरा नहीं हो पाता। यहां कम से कम 17 टीचर होने चाहिए।

टीचरों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर बच्चों ने 21 अगस्त को प्रदर्शन किया था। मांग पूरी नहीं होने पर दोबारा खैरागढ़-धमधा मेन रोड जाम कर दिया। ये रास्ता बेमेतरा और धमधा को जोड़ता है, चक्काजाम करने से लंबा जाम लग गया। स्कूली छात्राओं ने साफ कहा कि वे कलेक्टर और शिक्षा मंत्री के अलावा किसी और से बात नहीं करेंगे। विद्यार्थियों का कहना है कि 21 अगस्त के प्रदर्शन के बाद प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनी थीं। इसके बाद उन्हें उम्मीद थी कि स्कूल ■ शेष पृष्ठ 8 पर

शिक्षकों की कमी से नाराज छात्रों ने स्कूल में जड़ा

अभनपुर/नवप्रदेश। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल तमासिवनी में गणित विषय के शिक्षक की कमी को लेकर छात्रों ने मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को छात्रों ने स्कूल के मुख्य द्वार पर तालाबंदी करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया है। छात्रों का कहना है कि शिक्षक की कमी के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है और लंबे समय से इस समस्या का समाधान नहीं किया गया है। छात्रों के आंदोलन की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू भी मौके पर पहुंचे और छात्रों के साथ स्कूल के सामने धरने पर बैठ गए। उन्होंने छात्रों की मांग का समर्थन करते हुए स्कूल में पर्याप्त शिक्षकों की व्यवस्था किए जाने की मांग की। जिला पंचायत सदस्य यशवंत साहू ने बताया कि स्कूल में गणित विषय के लिए एक शिक्षक की पोस्टिंग की गई थी, लेकिन संबंधित शिक्षक को रायपुर जिला पंचायत में अटैच कर दिया गया है। उनका कहना है कि शिक्षक के दूसरे स्थान पर अटैच होने के बावजूद उनका वेतन स्कूल से ही जारी किया जा रहा है। ऐसे में स्कूल में शिक्षक की कमी बनी हुई है और इसका सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है।

शिकायत करने पर प्रिंसिपल डांटते हैं, हटाने की मांग

कोरबा के छुरी स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के बच्चे 2 बार प्रदर्शन कर चुके हैं। 13 अगस्त को पढ़ाई छोड़कर छुरी पंचायत के सामने कोरबा-कटघोरा मेन रोड पर बैठ गए और चक्काजाम कर दिया। इस दौरान गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई थी। उनकी मांग है कि प्रिंसिपल डॉ. अरसद अहमद अली और छात्रावास अधीक्षक को हटाया जाए। आरोप है कि शिकायत करने पर प्रिंसिपल डांटते हैं, वहीं हॉस्टल में मिलने वाले खाने की क्वालिटी भी खराब है। मूलभूत सुविधाओं की कमी है।

बच्चों ने डीईओ-बीईओ गो बैक के नारे लगाए

धमतरी जिले के बारना गांव स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में टीचर की कमी को लेकर बच्चों और पेरेंट्स का गुस्सा फूट पड़ा। 17 अगस्त को स्कूल में ताला लगाकर बच्चे धरने पर बैठ गए थे। स्कूल गेट के सामने बारिश के बीच छाता और रेनकोट लेकर 5 घंटे तक प्रदर्शन करते रहे। उन्होंने डीईओ, बीईओ गो बैक के नारे लगाए। बताया जा रहा है कि स्कूल में कक्षा 9वीं से 12वीं तक 175 बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन उनके लिए केवल पांच टीचर उपलब्ध हैं।

छात्रों पर लाठीचार्ज, दौड़ाकर पीटा पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल

■ **वाटर कैनन चली, सीआरपीएफ से झड़प, टीआरई-4 एग्जाम में बदलाव की मांग**

पटना/नवप्रदेश। बीपीएससी टीआरई -4 में पीटी-मेन, नेगेटिव मार्किंग हटाने और 100% डोमिसाइल की मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में छात्रों का आंदोलन जारी है। मंगलवार को ऑल बिहार स्टूडेंट यूनियन (एबीएसयू) के छात्र सीएम हाउस का घेराव करने निकले।

छात्रों को रोकने के लिए जेपी गोलंबर पर पुलिस के साथ-साथ सीआरपीएफ जवानों को भी तैनात किया गया, लेकिन छात्र बैरिकेडिंग तोड़ते हुए डाकबंगला पहुंच गए। इस दौरान छात्रों की सीआरपीएफ जवानों के साथ धक्का-मुक्की हुई। प्रदर्शन के दौरान एक छात्र का सिर फट गया, जबकि एक छात्रा बेहोश हो गई। पुलिस ने छात्रों को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। पानी की बौछार के बीच प्रदर्शन कर रहे छात्र शैंपू लगाकर नहाते भी दिखे।

पुलिस कर्मियों पर पथराव, डीएसपी घायल

कुछ छात्रों ने पुलिस की ओर पत्थरबाजी भी की, जिसमें टाउन डीएसपी कामाख्या नारायण सिंह घायल हो गए। कई पुलिसकर्मियों को भी चोट लगी है। हालात बिगड़ता देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। कुछ छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया।

18 अगस्त से धरने पर बैठे हैं छात्र

पुलिस ने कुछ छात्रों को हिरासत में भी लिया है। छात्रों के प्रदर्शन के बीच बख्तरबंद गाड़ी भी बुलाई गई। इस गाड़ी का इस्तेमाल आमतौर पर नक्सल प्रभावित इलाकों में किया जाता है। पटना के गर्दनीबाग में छात्र 18 अगस्त से धरने पर बैठे हैं।

देवेंद्र यादव की एसएलपी खारिज हाईकोर्ट में जारी रहेगी सुनवाई

■ **सुप्रीम कोर्ट से प्रेम प्रकाश पांडेय को बड़ी राहत**

रायपुर/नवप्रदेश। भिलाई नगर विधानसभा चुनाव से जुड़े निर्वाचन विवाद में भाजपा नेता और पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडेय को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) खारिज कर दी है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 30 जून 2026 के आदेश में हस्तक्षेप करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया। इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने की।

यह विवाद पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय की ओर से दायर निर्वाचन याचिका क्रमांक 9/2024 से जुड़ा है। पांडेय ने 65-भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र से देवेंद्र यादव के निर्वाचन को चुनौती दी है। निर्वाचन याचिका में आरोप लगाया गया है कि नामांकन के दौरान दाखिल शपथ-पत्र में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गरमा-गरम

स्कूल में हिजाब पहनने की इजाजत नहीं : हाईकोर्ट

■ **सेक्युलरिज्म के लिए यूनिफॉर्म जरूरी, नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज**

प्रयागराज/ए.। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्कूलों में हिजाब पहनने की इजाजत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने सोमवार को कहा स्कूल में यूनिफॉर्म के नियम का पालन करना जरूरी है। इससे बच्चों में बराबरी की भावना रहती है। स्कूल की अपनी पहचान भी बनती है।

हाईकोर्ट ने कहा, यूनिफॉर्म की बदौलत बिना किसी धार्मिक भेदभाव वाला माहौल बना रहता है। इसलिए कोई भी छात्र या छात्रा स्कूल के तय किए गए ड्रेस कोड को बदलने की जिद नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा- स्कूल में व्यक्तिगत आधार पर हिजाब पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह यूनिफॉर्म के विचार के खिलाफ होगा। इससे स्कूल के अनुशासन को तय करने का अधिकार संस्थान के बजाय अलग-अलग छात्रों के हाथ में चला जाएगा। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की डिविजन बेंच ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जाति जनगणना के सवालों पर बवाल राहुल-खरगे ने पीएम को लिखी चिट्ठी

■ **कहा- पिछड़ा वर्ग शब्द नहीं, बिहार-तेलंगाना जैसी प्रक्रिया अपनाने की मांग**

नई दिल्ली/ए.। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जाति जनगणना में जातियों के नाम दर्ज करने और डेटा जुटाने के तरीके का विरोध किया है। उन्होंने पीएम मोदी को लेटर लिखकर जनगणना में पूछे जाने वाले सवाल बदलने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इसे बनाने से पहले राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से सलाह ली जानी चाहिए। जनगणना के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

गलत आंकड़ों का असर नीतियों पर पड़ेगा

- जाति का नाम पूछने के लिए सवाल रखने से एक ही जाति अलग-अलग नामों या उपजातियों के नाम से दर्ज हो सकती है। इससे जातियों की सही संख्या पता करना और आंकड़ों की तुलना करना मुश्किल होगा।
- अगर एक ही जाति कई नामों से दर्ज हुई तो उसकी आबादी का आंकड़ा गलत हो सकता है। इसका असर पिछड़े, अति पिछड़े और अन्य वंचित समुदायों के लिए बनाई जाने वाली योजनाओं पर पड़ेगा।
- जातियों की पहचान और संख्या दर्ज करने की प्रक्रिया एक जैसी होनी चाहिए, ताकि देश में सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सही आंकड़ा मिल सके। जातियों के नाम दर्ज करने के लिए तय सूची या ड्रॉप-डाउन विकल्प देने की मांग की है।
- इसमें सरकारी जाति सूचियों और भारतीय मानवशास्त्र सर्वेक्षण के आधार पर नाम शामिल किए जा सकते हैं। तेलंगाना और बिहार के जाति सर्वेक्षणों में भी ऐसी सूचियों का इस्तेमाल किया गया था।

कम तेल, पूरा दाम का खेल खत्म! 1 सितंबर से मिलेगा पूरा एक लीटर पाउच

तेल में हो रहा खेल: जीएसटी की दरों में कमी जिले के बाजारों में बेअसर

खबर का असर

31 अगस्त तक पुराना स्टॉक खपाने की मोहलत

मुंगेली/नवप्रदेश। खाद्य तेल और रिफाइंड ऑयल के पाउच में मात्रा कम कर उपभोक्ताओं से मनमाने दाम वसूलने के कथित खेल पर अब विराम लगने जा रहा है। दैनिक नवप्रदेश द्वारा हाल ही में इस मामले को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद केंद्र सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया है।

अब खाद्य तेल कंपनियों को निर्धारित मानक के अनुरूप पैकेजिंग और बिक्री करने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, बाजार में लंबे समय से एक लीटर के नाम पर 650, 750 और 800 एमएल तक के खाद्य तेल के पाउच बेचे जाने की शिकायत सामने आ रही थी। कम मात्रा वाले इन पाउच पर उपभोक्ताओं को कई बार कीमत के स्तर पर भी अपेक्षित राहत नहीं मिल रही थी। इससे ग्राहक वास्तविक मात्रा और कीमत के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

रक्षाबंधन : बहनों ने बांधी स्नेह की डोर, 'विष्णु भैया' ने दिया सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

बहनों के स्नेह से सजी 'विष्णु भैया' की कलाई

रायपुर/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले राजधानी रायपुर में आज भाई-बहन के स्नेह और राष्ट्ररक्षा के संकल्प का भावपूर्ण संगम देखने को मिला। बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'स्नेह की डोर' कार्यक्रम में केंद्रीय सुरक्षा बलों, सेना और पुलिस के जवानों की कलाइयों पर जब स्कूली बेटियों, दिव्यांग बेटियों और महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने रक्षा सूत्र बांधे तो पूरा वातावरण आत्मीयता, सम्मान और कृतज्ञता के भाव से भर उठा। कार्यक्रम ■ शेष पृष्ठ 8 पर

बहनों को मिला सुरक्षा-विश्वास का बड़ा उपहार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि देश और छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के आतंक से मुक्त कराने के लिए हमारे सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस का परिचय दिया है और अनेक जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ हमारी बहनों के लिए सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार है। अब वह समय आ रहा है जब नक्सल हिंसा के कारण किसी बहन का सुहाग नहीं उजड़ेगा, किसी मां को अपना बेटा नहीं खोना पड़ेगा और किसी बहन को अपने भाई के सकुशल घर लौटने की चिंता नहीं सताएगी।

■ **बहनों के 'विष्णु भैया' बने मुख्यमंत्री साय, राखी के साथ मिला स्नेह और विश्वास**

जवानों की कलाइयों पर सजी बहनों की राखी

'स्नेह की डोर' कार्यक्रम में सीआईएसएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, सेना और पुलिस के लगभग 800 जवान शामिल हुए। स्कूली छात्राओं, दिव्यांग बेटियों, स्वच्छता दीदियों, ड्रोन दीदियों, लखपति दीदियों और महिला स्व-सहायता समूहों की बहनों ने जवानों की कलाइयों पर राखी बांधी और राष्ट्र तथा समाज की सुरक्षा में उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया।

रक्षाबंधन से पहले 68 लाख बहनों को 631 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के आर्थिक स्वावलंबन और आत्मसम्मान का मजबूत आधार बनी है। रक्षाबंधन के पावन पर्व को ध्यान में रखते हुए महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में लगभग 68 लाख बहनों के बैंक खातों में करीब 631 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रदेश की माताएं-बहनें आर्थिक रूप से मजबूत बनें, अपने छोटे-बड़े निर्णय स्वयं ले सकें और अपने त्योहार पूरे उत्साह एवं सम्मान के साथ मना सकें।

कमजोर हाथों से मजबूत संदेश: श्वेता ने 'नशामुक्ति' की तस्वीर बनाकर जीता तृतीय पुरस्कार

धमतरी/ नवप्रदेश। हाथों में मजबूत ग्रिप नहीं, शरीर चुनौतियों से जूझ रहा है, लेकिन हौसलों में कोई कमी नहीं। अपनी अद्भुत इच्छाशक्ति और कला प्रतिभा के दम पर सार्थक स्कूल की 65 प्रतिशत दिव्यांग विशेष बच्ची श्वेता मसीह ने जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल कर मिसाल कायम की है। बसंत फाउंडेशन, कुरूद द्वारा मराठा मंगल भवन, धमतरी में आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में श्वेता ने दिव्यांग श्रेणी में हिस्सा लिया। इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी एवं सेरेब्रल पाल्सी के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना कर रही श्वेता ने हाथों में मजबूत पकड़ नहीं होने के बावजूद पूरे आत्मविश्वास, लगन और उत्साह के साथ 'नशामुक्ति' विषय पर प्रभावशाली एवं संदेशपूर्ण पेंटिंग बनाई। श्वेता की पेंटिंग में उसकी कल्पनाशीलता, कलात्मक कौशल और सामाजिक विषय के प्रति संवेदनशीलता साफ नजर आई। उसने रंगों के माध्यम से अपनी सोच को कागज पर उतारकर यह साबित कर दिया

हाथों में ग्रिप कमजोर, हौसले बुलंद! श्वेता ने रंगों से रची मिसाल, चित्रकला में हासिल किया तृतीय स्थान

कि प्रतिभा के सामने शारीरिक चुनौतियां भी छोटी पड़ जाती हैं। नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर श्री रामू रोहरा ने श्वेता को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह एवं 1500 रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने श्वेता की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी एवं सेरेब्रल पाल्सी जैसी चुनौतियों के बावजूद जिस आत्मविश्वास और लगन से श्वेता ने अपनी प्रतिभा को चित्र के माध्यम से अभिव्यक्त किया, वह बेहद प्रेरणादायक है। बसंत फाउंडेशन के संस्थापक एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त चित्रकार श्री बसंत साहू ने भी श्वेता की कला प्रतिभा और उसके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सच्ची प्रतिभा किसी शारीरिक चुनौती की मोहताज नहीं होती। श्वेता की पेंटिंग में उसकी संवेदनशीलता, सोच और कला के प्रति समर्पण स्पष्ट दिखाई देता है। इस अवसर पर आमदी नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष श्री मनोज साहू ने भी श्वेता की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे 500 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली बेटियों को प्रोत्साहित करना समाज की जिम्मेदारी है और श्वेता जैसे विशेष बच्चे अपनी उपलब्धियों से समाज को नई प्रेरणा देते हैं। सम्मान और प्रोत्साहन से अभिभूत श्वेता ने अपनी सहज मुस्कान के साथ सभी का ÷थैंक्यू÷ कहकर आभार व्यक्त किया। उसकी मासूम खुशी और आत्मविश्वास का यह क्षण वहां मौजूद लोगों के लिए भावुक और प्रेरणादायक बन गया। श्वेता की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि यदि प्रतिभा को अवसर, सम्मान और प्रोत्साहन मिले तो परिस्थितियां सफलता की राह नहीं रोक सकतीं। कार्यक्रम में श्वेता के माता-पिता श्रीमती सीमा मसीह एवं श्री राजकुमार मसीह, सुलेखा जोशी, राधिका जोशी, संध्या घोड़े, मिनेश कुमार अग्रवाल (प्राचार्य), चन्द्र भूषण साहू, ज्योतिष कुमार साहू (शिक्षक), व्यासनारायण निषाद (पूर्व पार्षद), सार्थक की अध्यक्ष डॉ. सरिता दोशी तथा प्रशिक्षक कौशल्या यादव उपस्थित रहीं और श्वेता का उत्साहवर्धन किया।

संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर भव्य कलश यात्रा

नगरी/नवप्रदेश। -संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर कुकरेल मंडल के गट्टासिल्ली से दुगली,

केरेगांव, कुकरेल एवं सलोनी तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान प्रत्येक ग्राम में ग्रामवासियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ कलश यात्रा का भव्य स्वागत एवं पूजा-अर्चना की गई। संत रविदास जी महाराज का जीवन हमें *समानता, सामाजिक समरसता, मानवता और भक्ति* का संदेश देता है। उनकी अमर वाणी और विचार आज भी समाज को एकता, भाईचारे एवं सद्भाव की प्रेरणा प्रदान करते हैं। इस पावन अवसर पर प्रमुख रूप से सिहावा विधानसभा प्रभारी शालिनी राजपूत, जनपद अध्यक्ष महेश गोटा जिला पंचायत धमतरी के सभापति अजय ध्रुव, जनपद सदस्य चंद्रकला साहू, महामंत्रीगण, जनपद सदस्यगण एवं देवतुल्य भाजपा कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।संत रविदास जी महाराज के आदर्शों को आत्मसात कर सामाजिक समरसता एवं सद्भाव से परिपूर्ण समाज के निर्माण का संकल्प लें।

सेजस पिपरिया भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा वृक्षारोपण किया गया

कबीरधाम जिला/नवप्रदेश। भारत स्काउट गाइड संघ छत्तीसगढ़ के तत्वाधान मे एक पेड़ माँ के नाम अभियान मे जुड़कर पीएम श्री सेजेस पिपरिया के इकाई के छात्र -छात्राओं एवं स्काउट मास्टर श्री हंसराज चंद्राकर के सहयोग से नगर पंचायत पिपरिया अध्यक्ष श्री घुरुवा राम साहू जी,उपाध्यक्ष श्री शिवचरण पटेल जी शाला विकास समिती अध्यक्ष मनोज नाविक जी,कमल कांत नाविक जी व सभी सदस्य गण की उपस्थिति मे शाला नायक उत्तम निर्मलकर,उपशाला नायक - रेखा साहू, आराध्य शर्मा, छबी यादव,लक्समण साहू, मोनिका साहू, रामेश्वर साहू, निशा साहू, तारण निषाद, चार्वी चंद्राकर, व 12 वी विज्ञान संकाय सहित पुरे विद्यालय परिवार के द्वारा जामुन,अमरुद,आम, पारिजात, कनेर,करंच, बादाम, नीम आदि जैसे फलदार और सजावटी पौधे गुलाब, गेंदा,जैसे पौधों का वृक्षारोपण विद्यालय के मैदान मे रोपित किया गया. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री विनोद चंद्रवंशी जी नें आये अतिथियों का पुष्प गुच्छो से स्वागत करते हुए आभार ब्यक्त किया जिसमे विद्यालय के पूर्व प्राचार्य नन्द शर्मा, ब्याख्याता श्री के. एल. सिंगरौल सर सहित समस्त स्टॉफ की उपस्थिति रही. अतिथियों के द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन को सुधार करने के लिए इस अभियान की भूरी भूरी तारीफकरते हुवे विद्यालय परिवार को प्रेरित किये.

डिप्टी सीएम के दौरे के पहले बनी सड़क कुछ दिन में ही उखड़ी

बेमेतरा/नवप्रदेश। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के बेमेतरा टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम को लेकर लोक निर्माण विभाग द्वारा दुर्ग रोड की मरम्मत कराई गई थी। लेकिन मरम्मत के कुछ ही दिनों बाद सड़क उखड़ने लगी है।

70 किमी लंबे सिमगा-आरंग मार्ग को फोरलेन बनाने गडकरी को सौंपा ज्ञापन

तिल्दा-नेवरा को मिल सकती है बड़ी सौगात, सौंपा ज्ञापन

धरसीवा/नवप्रदेश। क्षेत्र में बढ़ते यातायात के दबाव और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य मार्ग क्रमांक-20 (सिमगाङ्कतिल्दा-नेवराङ्कखरोराङ्कआरंग) को फोरलेन बनाने की मांग तेज हो गई है। भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ रायपुर जिला ग्रामीण के संयोजक दीपक शर्मा ने नागपुर में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर इस संबंध में विस्तृत चर्चा की और मांग पत्र सौंपा।

सीआएफ के तहत निर्माण की रखी मांग

मुलाकात के दौरान मांग की गई कि इस महत्वपूर्ण मार्ग को केंद्रीय सड़क एवं इंफ्रास्ट्रक्चर निधि सीआएफ के माध्यम से फोरलेन के रूप में विकसित किया जाए। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को बुलाकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई गति

यदि इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिलती है, तो तिल्दा-नेवरा सहित आसपास के ग्रामीण व व्यापारिक क्षेत्रों के आवागमन को बड़ी राहत मिलेगी और क्षेत्र का आर्थिक विकास तेज होगा। इस अवसर पर भाजपा तिल्दा-नेवरा शहर उपाध्यक्ष सौरभ जैन भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को छत्तीसगढ़ का राजकीय गमछा व प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया, जिसकी मंत्री ने सराहना की।

5 राष्ट्रीय राजमार्गों को जोड़ता है यह मार्ग

दीपक शर्मा ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि लगभग 70 किलोमीटर लंबा यह मार्ग क्षेत्र का प्रमुख कनेक्टिंग रूट है, जो 5 राष्ट्रीय राजमार्गों को आपस में जोड़ता है। यातायात डायवर्जन और रूट बदलने की स्थिति में भी इसी मार्ग का सर्वाधिक उपयोग होता है। व्यापारिक और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी के चलते यहां लंबे समय से मार्ग के चौड़ीकरण की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

बेमेतरा कलेक्टर की सख्त हिदायत आवश्यक सेवा वाले अधिकारी बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ें

बेमेतरा/नवप्रदेश 7 कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, जनहित से जुड़े कार्यों और लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक सेवाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि आवश्यक सेवा से जुड़े कोई भी अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। यदि किसी अधिकारी को किसी कारणवश मुख्यालय से बाहर जाना आवश्यक हो तो नियमानुसार पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति मुख्यालय से अनुपस्थित पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई

की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं एवं जनहित से जुड़े कार्य संचालित हैं। ऐसे में अधिकारियों की मुख्यालय में उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। विशेषकर स्वास्थ्य, राजस्व, पंचायत, खाद्य, शिक्षा, विद्युत एवं जल प्रदाय जैसे आवश्यक सेवा वाले विभागों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण आम नागरिकों को परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

सड़क दुर्घटना के क्षतिपूर्ति प्रकरणों का शीघ्र निराकरण

बैठक में कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं में मृत एवं घायल व्यक्तियों को मिलने वाली क्षतिपूर्ति एवं राहत राशि के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है। इसलिए ऐसे सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर राहत उपलब्ध कराई जाए।

नगरी क्षेत्र की समस्याओं को लेकर दिल्ली पहुंचे अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव से मुलाकात कर जाना कुशलक्षेम

नगरी/नवप्रदेश। नगर पंचायत नगरी के अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा अपने चार दिवसीय दिल्ली प्रवास के दौरान नगरी क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को राज्य और केंद्र सरकार तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत रहे। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से नगरी नगर पंचायत के बड़े झाड़ के जंगल क्षेत्र में निवासरत लोगों की आवास एवं भूमि संबंधी समस्याओं

को प्रमुखता से उठाया।

अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव के बंगले पहुंचकर उनके ओएसडी प्रशांत कुमार से मुलाकात की। उन्होंने बड़े झाड़ के जंगल क्षेत्र में निवासरत लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने तथा पात्र परिवारों को भूमि का पट्टा प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन सौंपा। साथ ही क्षेत्रवासियों की समस्याओं के उचित समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया।

दिल्ली प्रवास के दौरान छाबड़ा द्वारका सेक्टर-13 स्थित छत्तीसगढ़ सदन भी पहुंचे, जहां स्वास्थ्य लाभ ले रहे छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव से आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। दुर्घटना में घायल होने के बाद उपचार के उपरांत श्री देव छत्तीसगढ़ सदन में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

नवा रायपुर को देश की अग्रणी ग्रीनफील्ड सिटी के रूप में विकसित करने पर जोर

■ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मंत्री चौधरी ने लगाया पीपल का पौधा

रायपुर/नवप्रदेश। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने आज नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-12 फेस-2 में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की 119.89 करोड़ रुपए की आवासीय परियोजना का भूमिपूजन किया। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर में आवासीय सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि परियोजना के अंतर्गत HIG एवं MIG श्रेणी के कुल 348 भवनों का निर्माण किया जाएगा। आवासों की बढ़ती मांग को देखते हुए इसी सेक्टर में आगामी चरण में 704 नए फ्लैट का निर्माण भी शीघ्र किया जाएगा।

मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को नई दिशा देने के लिए कई महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि एक समय कर्ज से जूझ रहे मंडल को लगभग 700 करोड़ रुपए का ऋण चुकाकर कर्जमुक्त किया गया। इसके बाद मंडल की कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए यह नीति निर्धारित की गई कि बिना मांग के किसी स्थान पर आवासीय परियोजना शुरू नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसी परियोजना में 60 प्रतिशत बुकिंग होने अथवा प्रथम तीन माह में 30 प्रतिशत बुकिंग होने के बाद ही टेंडर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

आरडब्ल्यूए को मजबूत कर समय पर कॉलोनियां हैंडओवर करने पर जोर

आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री चौधरी ने हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनियों में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को मजबूत करने और कॉलोनियों का समय पर हैंडओवर सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कॉलोनी के विकास एवं रखरखाव की जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ रहवासियों की भी है। दोनों पक्षों को अपनी-अपनी जिम्मेदारियां निभानी होंगी। उन्होंने सेक्टर-12 के रहवासियों से आरडब्ल्यूए का गठन कर कॉलोनी के रखरखाव में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

गुणवत्ता के नए मानदंड स्थापित करे हाउसिंग बोर्ड

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि एक प्रोफेशनल ऑर्गेनाइजेशन के रूप में अपनी पहचान मजबूत करनी है। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल सरकारी स्ह्नक्रके आधार पर कार्य करने के बजाय आवश्यकतानुसार उससे बेहतर गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिए। भवनों में गुणवत्तापूर्ण टाइल्स, फिटिंग्स और आकर्षक एवं आधुनिक रंगों का उपयोग किया जाए, ताकि हाउसिंग बोर्ड की कॉलोनियां सरकारी परियोजनाओं की पारंपरिक छवि से अलग दिखाई दें। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता में सुधार के लिए यदि परियोजना की लागत में 5 से 10 प्रतिशत तक वृद्धि भी होती है, तो इसे उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। आने वाले समय में हाउसिंग बोर्ड की परियोजनाओं में गुणवत्ता का नया मानदंड स्थापित किया जाना चाहिए।

नवा रायपुर में शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी क्षेत्र में तेजी से हो रहा विस्तार

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर देश की प्रमुख ग्रीनफील्ड सिटी के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि नवा रायपुर के लगभग एक-तिहाई हिस्से को रिक्रिएशनल क्षेत्र के रूप में विकसित किया गया है, जबकि 28 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में हरियाली है। नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, श्री श्री रविशंकर का केंद्र, ब्रह्मकुमारी परिसर, एआई डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर यूनिट जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी नवा रायपुर के विकास को नई गति दे रही हैं।

मंत्री ने की समीक्षाः निरीक्षण में अफसर देखेंगे शैक्षणिक कैलेंडर के अनुरुप पढ़ाई हो रही या नहीं

सिर्फ ऑनलाइन अटेंडेंस के लिए स्कूल न आएं शिक्षक, नहीं पढ़ाया तो होगी कार्रवाई

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के दीनदयाल ऑडिटोरियम में मंगलवार को स्कूल शिक्षा विभाग की एक दिवसीय राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर के जिला शिक्षा अधिकारी , विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विभागीय अधिकारी और सचिव शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने की। इस दौरान मंत्री ने अधिकारियों को स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारने, शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने और शैक्षणिक व्यवस्था की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए।

बैठक के बाद मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है। यह संकेत है कि अभिभावकों का रुझान सरकारी स्कूलों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रदेश की स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाना है।शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूलों में शिक्षक केवल ऑनलाइन अटेंडेंस दर्ज कराने के लिए न आएं, बल्कि बच्चों की पढ़ाई पर पूरा ध्यान दें। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षक स्कूल पहुंचकर बच्चों को नहीं पढ़ा रहे हैं तो इसे गंभीरता से लिया जाए।

मंत्री ने अधीनस्थ अधिकारियों को स्कूलों का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह भी देखा जाएगा कि शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार स्कूलों में पढ़ाई हो रही है या नहीं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्कूलों की व्यवस्था और पढ़ाई पर लगातार नजर रखी जाए तथा नियमों का पालन नहीं होने पर कार्रवाई की जाए।उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए हर महीने रायपुर में बैठक आयोजित की जाएगी। महीने के तीसरे सप्ताह में होने वाली इन बैठकों में स्कूलों की स्थिति और पढ़ाई की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

स्मार्ट क्लास से शिक्षक की अनुपस्थिति में भी जारी रहेगी पढ़ाईः स्कूल शिक्षा व्यवस्था में तकनीक के इस्तेमाल पर भी बैठक में जोर दिया गया।

छात्राओं को अनिवार्य होगा कराते प्रशिक्षण

मंत्री ने बताया कि छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए स्कूलों में कराते प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाएगा। इसके लिए मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे, जो विद्यार्थियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देंगे। वहीं एनएसएस के दलों के लिए मार्च पास्ट सहित अन्य गतिविधियों को भी व्यवस्थित और अनिवार्य किए जाने की तैयारी है।स्कूलों में छात्राओं की सुविधाओं को लेकर मंत्री ने बताया कि प्रदेश में आने वाले समय में 8 हजार से अधिक शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा जर्जर और खराब स्थिति वाले स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए राज्य शासन की ओर से फंड जारी किया जाएगा।जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि ब्लॉक से लेकर संकुल स्तर तक नियमित बैठकें आयोजित की जाएं। जिन स्कूल भवनों की स्थिति बेहद खराब है, वहां नए भवन निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा जाए। साथ ही जारी किए गए सरकारी फंड का सही और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

मंत्रोच्चारण का उद्देश्य बच्चों में संस्कार विकसित करना

स्कूलों में मंत्रोच्चारण को लेकर शिक्षा मंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य किसी तरह की टीआरपी बढ़ाना नहीं है, बल्कि बच्चों में संस्कार विकसित करना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को संस्कारवान बनाने के उद्देश्य से स्कूलों में मंत्रोच्चारण को अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलकूद और अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने की तैयारी की जा रही है। सरकार स्थानीय और पारंपरिक खेलों को भी स्कूलों में बढ़ावा देने पर जोर दे रही है।

स्कूलों में बेवजह यूट्यूबरों के प्रवेश पर रोक

मंत्री ने अधिकारियों को स्कूलों में अनावश्यक रूप से यूट्यूबरों के प्रवेश को रोकने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन करते हुए ही स्कूलों में बाहरी लोगों की गतिविधियां हों। नियमों का उल्लंघन होने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।शिक्षक संघ की पांच सूत्रीय मांगों को लेकर चल रहे प्रदर्शन के संबंध में भी शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने अपनी बात रखी। अश्वअ में पास करने की मांग को लेकर उन्होंने कहा कि यदि मध्य प्रदेश में संबंधित विभाग इस व्यवस्था को लागू करता है, तो उसके अनुसार छत्तीसगढ़ में भी इसे आगे लागू करने पर विचार किया जाएगा। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिक्षा विभाग का पूरा फोकस स्कूलों, बच्चों की पढ़ाई और शैक्षणिक गुणवत्ता पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समीक्षा केवल जिला स्तर तक सीमित न रहे, बल्कि ब्लॉक और संकुल स्तर तक व्यवस्था की लगातार निगरानी की जाए, ताकि शिक्षा व्यवस्था में सुधार का असर जमीनी स्तर पर दिखाई दे।

छत्तीसगढ़ में होगी देश की पहली राज्य स्तरीय हॉकी लीग

■ छह टीमें लेंगी हिस्सा, राज्य के खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा मंच

■ उप मुख्यमंत्री ने लोगो, टैगलाइन और शुभंकर का किया अनावरण

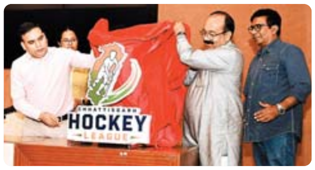

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में हॉकी की नई तस्वीर गढ़ने की तैयारी है। राज्य के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा हॉकी इंडिया से मान्यता प्राप्त छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन का आयोजन किया जा रहा है।

राजधानी रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में होने वाली यह लीग देश के किसी भी राज्य में आयोजित होने वाली पहली राज्य-स्तरीय हॉकी लीग होगी, जिसे हॉकी इंडिया लीग की तर्ज पर पूरी तरह प्रोफेशनल और व्यावसायिक स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। आयोजन की संभावित तिथियों 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक लीग के मुकाबले खेले जाएंगे। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने आज राजधानी रायपुर के नवीन विश्राम भवन में लीग के लोगो, टैगलाइन और शुभंकर का अनावरण किया। उन्होंने लॉन्चिंग कार्यक्रम में लीग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लीग का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ की युवा हॉकी प्रतिभाओं को बड़ा मंच उपलब्ध कराना और उन्हें देश के श्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने तथा उनसे सीखने का अवसर देना है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, संचालक सुश्री आकांक्षा शिक्षा खलखो, संयुक्त संचालक श्री प्रभाकर पाण्डेय और छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के अध्यक्ष श्री फिरोज अंसारी सहित अनेक विभागीय अधिकारी भी लीग के लॉन्चिंग कार्यक्रम में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हॉकी की समृद्ध परंपरा रही है और राज्य में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देगी और प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के अनुभव तथा प्रतिस्पर्धी वातावरण से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।श्री साव ने बताया कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें मैदान में उतरेंगी। इनमें राजधानी रॉयल्स, चित्रकूट चैलेंजर्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स शामिल हैं। ये टीमें प्रदेश की अलग-अलग क्षेत्रीय पहचान और खेल प्रतिभा को एक मंच पर लेकर आएंगी।

सभी छह टीमें लीग मुकाबले खेलेंगी

प्रतियोगिता में सभी छह टीमें लीग मुकाबले खेलेंगी। इन मुकाबलों के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल के बाद विजेता टीम का फैसला फाइनल मुकाबले में होगा। मैचों के दौरान सभी अंपायर और तकनीकी अधिकारी हॉकी इंडिया द्वारा नियुक्त किए जाएंगे, जिससे प्रतियोगिता में तकनीकी गुणवत्ता और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी।छत्तीसगढ़ हॉकी लीग केवल खेल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रहेगी। टूर्नामेंट के दौरान प्रतिदिन विशेष मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इससे दर्शकों को रोमांचक हॉकी मुकाबलों के साथ मनोरंजन का भी अनुभव मिलेगा। खास बात यह है कि लीग के सभी मुकाबलों में दर्शकों के लिए प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा। इससे बड़ी संख्या में खेलप्रेमियों और युवाओं के स्टेडियम पहुंचने की उम्मीद है।

श्रीबालाजी दिशा कॉलेज के विद्यार्थियों ने विधानसभा का किया शैक्षणिक भ्रमण

रायपुर/नवप्रदेश। श्रीबालाजी दिशा कॉलेज के स्किल डेवलपमेंट सेल द्वारा डिपार्टमेंट ऑफ आर्ट्स के सहयोग से विद्यार्थियों के लिए छत्तीसगढ़ विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक व्यवस्था, विधायी प्रक्रिया, विधानसभा की कार्यप्रणाली तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर का अवलोकन किया तथा विधानसभा की संरचना, सदन की कार्यवाही, प्रश्नकाल, विधेयक निर्माण एवं विभिन्न संसदीय प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि राज्य के विकास एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विधानसभा में किस प्रकार चर्चा एवं निर्णय लिए जाते हैं।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विधायी कार्यप्रणाली से संबंधित विभिन्न पहलुओं को समझते हुए अपने प्रश्न भी पूछे। शैक्षणिक भ्रमण ने विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक चेतना, नागरिक जिम्मेदारी एवं नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण जानकारी ली।डॉ ए के तिवारी कॉलेज प्राचार्य दिशा कॉलेज ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को कक्षा-कक्ष की शिक्षा से आगे बढ़कर वास्तविक संस्थागत एवं सामाजिक परिवेश को समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

नगरीय निकायों के पेंशनरों को महंगाई राहत

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगरीय निकायों के पेंशनरों के महंगाई राहत में वृद्धि की है। सातवें वेतनमान के पेंशनरों को अब 58 प्रतिशत और छटवें वेतनमान के पेंशनरों को 257 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत दिया जाएगा। पेंशनरों और परिवार पेंशनधारियों को 1 जनवरी 2026 से इसका लाभ मिलेगा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक को महंगाई राहत में बढ़ोतरी का पत्र जारी किया है। नगरीय प्रशासन विभाग ने 1 सितम्बर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक की अवधि के लिए भी महंगाई राहत में वृद्धि की है।

एलिवेटेड रोड का 500 मीटर अतिरिक्त विस्तार होगा

■ सांसद बृजमोहन के आग्रह पर नितिन गड़करी ने दी स्वीकृति

नई दिल्ली/ रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, जनसुविधाओं के विस्तार और क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय स्वरूप देने के लिए सदैव संकल्पित रायपुर के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की।

लगभग एक घंटे तक चली इस बैठक में सांसद श्री अग्रवाल ने राजधानी रायपुर के साथ-साथ पूरे प्रदेश की यातायात प्रणाली को सुगम, सुरक्षित और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने के लिए तीन प्रमुख मांग पत्र सौंपे।

राजधानी में एनएचएआई द्वारा प्रस्तावित तेलीबांधा से जोरा एलिवेटेड रोड को और अधिक उपयोगी बनाने के उद्देश्य से सांसद श्री अग्रवाल ने आग्रह किया कि वीआईपी चौक पर बनने वाले टी-जंक्शन के भारी ट्रैफिक दबाव को समाप्त करने के लिए एलिवेटेड रोड को एयरपोर्ट रोड की दिशा में 300 से 500 मीटर अतिरिक्त फ्लाईओवर के माध्यम से जोड़ा जाए। इस दूरगामी निर्णय से स्वामी विवेकानंद विमानतल आवागमन अत्यंत सुगम होगा तथा एनएच-53 पर यातायात का भार काफी कम होगा। सांसद बृजमोहन के आग्रह को स्वीकार करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसकी तत्काल स्वीकृति भी प्रदान की।

रायपुर -बलौदाबाजार से सारंगढ़ खंड को भी फोरलेन में जोड़ा जाएगा

सांसद श्री अग्रवाल ने ध्यानाकर्षण कराया कि वर्तमान में केवल रायपुर से बलौदाबाजार एनएच-130बी4 लेन की डीपीआर तैयार की जा रही है। उन्होंने क्षेत्र के व्यापक जनहित और वाणिज्यिक जरूरतों को देखते हुए बलौदाबाजार से सारंगढ़ तक के शेष खंड को भी तत्काल इस परियोजना में शामिल कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने तथा स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। क्षेत्र के विकास को देखते हुए इस व्यावहारिक विस्तार को केंद्रीय सड़क मंत्री ने तत्काल स्वीकार करते हुए 130बी के सारंगढ़ तक 4 लेन निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी है।

सुविचार

ऐसा नहीं है कि मैं बहुत चतुर हूं; सच्चाई यह है कि मैं समस्याओं का सामना अधिक समय तक करता हूं। - अल्बर्ट आईंस्टीन

जेन-जी को साधने की कवायद

इन दिनों देशभर में जेन-जी को सरकार के खिलाफ भड़काने का सुनियोजित अभियान चल रहा है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और नई दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तो खुलेआम जेन-जी से सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ने का आव्हान किया था। लगभग ऐसी ही बात लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी कह चुके हैं। इसके बाद ही नीट पेपरलीक मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी ने नई दिल्ली के जंतर मंतर पर लगभग एक माह तक प्रदर्शन किया था और फिर संसद मार्च निकाला था। जिसे रोकने पुलिस को लाठीचार्ज करने पर बाध्य होना पड़ा था। बहरहाल कॉकरोच जनता पार्टी की मांग के आगे सरकार झुकने के लिए मजबूर हुई और केन्द्रीय शिक्षामंत्री के पद से धर्मेन्द्र प्रधान को त्यागपत्र देना पड़ा। इसे अपनी बड़ी जीत के रूप में कॉकरोच जनता पार्टी ने प्रचारित किया और अब कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने देशभर में स्कूल सुधार अभियान शुरू कर दिया है। भले ही इस दौरान उनके साथ मारपीट भी हो रही है लेकिन इससे कॉकरोचों का हौसला कम नहीं हो रहा है। अब तो कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने 5 सितंबर शिक्षक दिवस से और बड़े आंदोलन की घोषणा कर दी है। कुल मिलाकर जेन-जी जिसमें ज्यादातर मासूम छात्र शामिल हैं। उन्हें सरकार के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश हो रही है। ऐसे में भाजपा को आखिरकार जेन जी को अपने साथ जोड़े रखने का निर्णय लेना पड़ा है। अब इसी के तहत भाजपा ने सितंबर माह से देशव्यापी जेन जी जोड़ो अभियान शुरू करने का एलान किया है। इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है जिसमें भाजपा के युवा नेताओं को शामिल किया गया है। इस अभियान की निगरानी खुद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन करेंगे और जेन-जी से सतत संपर्क बनाये रखने के लिए पूरे देश में भाजपा नेताओं को प्रेरित करेंगे। इसका जमीन पर असर भी दिखने लगा है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से लेकर छत्तीसगढ़ के शिक्षामंत्री गजेन्द्र यादव तक अनेक मंत्रियों ने स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण शुरू कर दिया है और छात्र छात्राओं से मुलाकात करके उनकी समस्याएं भी सुननी शुरू कर दी हैं। निश्चित रूप से भाजपा ने यह सही निर्णय लिया है क्योंकि देश के युवा पिछले चुनाव में भाजपा के पक्ष में ही मतदान करते रहे हैं। यदि यह वोट बैंक बहकावे में आकर भाजपा से दूर हो गया तो उसे इसका खामियाजा आगामी चुनावों में भुगतना पड़ सकता है। कुछ माह बाद भी देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं और यदि वहां के जेन-जी को नहीं साधा गया तो इसका दुष्परिणाम भाजपा को भुगतना पड़ सकता है। इस खतरे को भांप कर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी यूपी के जेन-जी से सीधे शुरूआत कर दी है। वैसे जेन-जी में उभरते असंतोष का शमन करना कोई आसान काम नहीं है। खासतौर पर तब जबकि आम आदमी पार्टी और कॉकरोच जनता पार्टी सहित अन्य विपक्षी पार्टियां देश के जेन-जी को बरगलाने में एड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं। ये लोग तो भाजपा को चुनाव में हरा ही नहीं पा रहे हैं वे चाहते हैं कि किसी बहाने भारत में भी नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश की तरह अराजकता फैले और हिंसा भड़के ताकि उस हिंसा की आग में वे अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक सकें। किन्तु ये यह भूल गये हैं कि भारत का जेन-जी राष्ट्रभक्त है। वह यह भी जानता है कि उनकी समस्याओं का समाधान सत्तारूढ़ सरकार ही कर पाएगी। कॉकरोच जनता पार्टी या अन्य कोई विपक्षी पार्टी सिर्फ इसके नाम पर अपनी राजनीति ही चमकाएगी। ऐसे में विपक्षी पार्टियां जेन-जी के कंधे पे बंदूक रखकर निशाना शायद ही साध पायें लेकिन वे जेन जी को बरगला कर माहौल को खराब कर ही सकती हैं। इसलिए भाजपा ने जेन जी को साधने की जो कवायद शुरू की है वह सही दिशा में सही समय पर उठाया गया सही कदम है। भाजपा को चाहिए कि जेन-जी जोड़ो अभियान से वह देश के प्रतिभाशाली जेन-जी को भी सक्रिय रूप से जोड़ने के लिए उनका भी अलग प्रकोष्ठ गठित करें ताकि वे इस अभियान को और ज्यादा गति दे सकें और भाजपा की उच्च स्तरीय समिति के साथ सीधा संवाद करके जेनजी की पीड़ा को सही ढंग से अभीव्यक्त कर सकें। इसके साथ ही भाजपा को अपनी समिति में शिक्षाविदों और मनोवैज्ञानिकों को भी रखना चाहिए ताकि जेन-जी की मौजूदा मनः स्थिति को यह समिति बेहतर ढंग से समझ सके और उसके अनुरूप जेनजी के मन में उपजते असंतोष को दूर कर सके। तभी जेन-जी को भाजपा के साथ जोड़ने का यह अभियान सफल हो पाएगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व जेन-जी का विश्वास अर्जित करने के लिए गंभीर प्रयास करेगा। साथ ही सरकार को यह भी चाहिए कि जेन-जी को बतौर हथियार इस्तेमाल करके देश में अराजकता की स्थिति पैदा करने के लिए जो लोग लगे हुए हैं उनकी कोशिशों को भी नाकाम करने कड़े कदम उठाएं तभी यह बेल मुंडेर चढ़ पाएगी।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1303: अलाउद्दीन खिलजी ने लंबे संघर्ष के बाद चित्तौड़गढ़ पर कब्जा किया था।1910- नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित मदर टेरेसा का युगोस्लाविया में जन्म। 1914- बंगाल के क्रांतिकारियों ने कलकत्ता में ब्रिटिश बेड़े पर हमला कर 50 माउजर और 46 हजार राउंड गोलियां लूटीं। 1920 - अमेरिका में महिलाओं को मताधिकार मिला। 1955 - पहली बार टेनिस मैच का कलर ब्रॉडकास्ट।1977 - जर्मनी के म्यूनिख शहर में 20वें ओलंपिक खेलों की शुरूआत। 1978 - जॉन पॉल रोमन कैथोलिक चर्च के पोप बने। 1982- नासा ने टेलीसैट-एफ का प्रक्षेपण किया।1988 - म्यांमार अहिंसावादी नेता आंग सान सू ची मोर्चा लेकर रंगून पहुंचीं। 1999 - माइकल जॉनसन ने 400 मीटर दौड़ में विश्व रिकार्ड बनाया। 2001 - बांग्लादेश के पूर्व प्रधानमंत्री जेल भेजे गए। 2002 - दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग शहर में दस दिवसीय पृथ्वी सम्मेलन शुरू। 2008- तेलगु फिल्मों के सुपर स्टार चिरंजीवी ने अपनी नई पार्टी प्रजा राज्यम का उद्घाटन किया। 2013 - फिलीपींस में विकास सहायता कोष घोटाले को लेकर विरोध प्रदर्शन। 2015 - अमेरिका के वर्जीनिया में दो पत्रकारों की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

ईद मिलादुन्नबी : भाईचारे का जश्न

डॉ. शाहिद अली

पैगंबर साहब ने उम्मत को तौहीद (एकेश्वरवाद), इंसाफऔर भाईचारे का पैगाम दिया। आप बहुत दयालु थे, जिन्होंने कहा: "मैं रहमत बनकर भेजा गया हूँ।" उन्होंने हमेशा विनम्रता और इंसानियत को प्राथमिकता दी। हज़रत मुहम्मद साहब का जीवन हमें सिखाता है कि सादगी, विनम्रता, इंसाफ और रहमत ही असली इंसानियत है। उनकी जीवन शैली मार्गदर्शक है और आज भी दुनिया को शांति और भाईचारे का पैगाम देती है। ईद मिलादुन्नबी सिर्फ चरागां और जुलूस का नाम नहीं है, इसका असली पैगाम है, इंसानियत से मुहब्बत और इंसाफ कायम करना।

पैगंबर-ए-इस्लाम हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की विलादत की याद में मनाया जाने वाला पर्व ईद मिलादुन्नबी इस्लामी कैलेंडर का सबसे नूरानी दिन है। इसे ईद-ए-मिलाद, मौलिदुन्नबी और बरावफात के नाम से भी जाना जाता है। यह सिर्फ एक जश्न नहीं, बल्कि एक अहद है कि हम पैगंबर साहब की सीरत को अपनी जिंदगी में उतारेंगे।

ऐतिहासिक तौर पर हज़रत मुहम्मद की पैदाइश अरब के मक्का शहर में 570 ईस्वी में, जिसे आमुल-फ़ील (हाथी वाला साल) कहा जाता है, पीर के दिन हुई। आप कुरैश कबीले के बनू हाशिम खानदान से ताल्लुक रखते थे। आपके वालिद का नाम हज़रत अब्दुल्लाह और वालिदा का नाम हज़रत आमना था। पैदाइश से पहले ही वालिद का इंतकाल हो गया था। इस्लामी तारीख में तारीख को लेकर दो रिवायतें मशहूर हैं, पहली 12 रबीउल अव्वल: अक्सर सुन्नी मुसलमान इस तारीख को यौम-ए-विलादत मानते हैं और दूसरी है 17 रबीउल अव्वल। शिया समुदाय इस तारीख को मानता है। इसी वजह से ईरान में 12 से 17 रबीउल अव्वल तक के हफ्ते को हफ्ता-ए-वहदत यानी एकता सप्ताह के तौर पर मनाया जाता है। उस दौर में अरब समाज अंधकार, बुतपरस्ती और कबाइली जंगों में डूबा था। आपने तौहीद (एक अल्लाह की इबादत), इंसाफ इल्म और इंसानियत का पैगाम देकर पूरी दुनिया को एक नई रोशनी दी। ईद मिलादुन्नबी की अहमियत धार्मिक और रूहानी महत्व के तहत

कुरान शरीफ में अल्लाह फरमाता है: ÷और हमने आपको तमाम जहानों के लिए रहमत बनाकर भेजा है।÷ [सूरह अंबिया: 107]। इसीलिए आपको रहमतुल-लिल-आलमीन कहा जाता है। इस दिन मुसलमान नफ़्ल नमाज़ें पढ़ते हैं, कुरान की तिलावत करते हैं, दुरूद-ओ-सलाम और नातख्वानी की महफ़िलें सजाते हैं। सामाजिक पहलू के बतौर

यह दिन भाईचारे, एकता और खिदमत का दिन है। इस दिन गरीबों, यतीमों और ज़रूरतमंदों को सदका-ओ-खैरात दिया जाता है, भूखों को खाना खिलाया जाता है और कैदियों को रिहा करने जैसे नेक काम किए जाते हैं।

इस मौके पर चरित्र निर्माण का संकल्प भी अहद है।

आपको अल-अमीन (भरोसेमंद) और अस-सादिक (सच्चा) के लकब से जाना जाता था। आपका किरदार ही कुरान का अमली नमूना था। मिलादुन्नबी हमें याद दिलाता है कि हम झूठ, धोखा, तकब्बुर और नफरत छोड़कर सच्चाई, अमानतदारी और माफी को अपनाएं। पैगंबर साहब की सादगी भरी जीवन शैली - हमारे लिए आदर्श है। वास्तव में आपका जीवन आज के दौर के लिए सबसे बड़ा मार्गदर्शन है। जैसे सादगी देखें, आप मोटे कपड़े पहनते, जमीन पर बैठते, खजूर और जौ की रोटी खाते। कई बार घर में चूल्हा दिनों तक नहीं जलता था, फिर भी आपने कभी शिकायत नहीं की। वक्त की तकसीम कुछ इस तरह से रही, आपने अपनी जिंदगी को तीन हिस्सों में बांटा था - एक हिस्सा अल्लाह की इबादत के लिए, दूसरा परिवार और सहाबा के हुकूक के लिए, और तीसरा अपनी जात के आराम और गौर-ओ-फिक्र के लिए। अहल-ए-खाना से मुहब्बत की मिसाल बने, आप घर के कामों में हज़रत आयशा (र.अ.) की मदद करते, अपने कपड़ों में खुद पैबंद लगाते, अपने जूतों को खुद गांठते और बकरियों का दूध खुद निकालते थे। रहमत और माफी की मिसाल भी देखिए, मक्का फतह के दिन, जब आप उन लोगों को सजा दे सकते थे जिन्होंने आप पर जुल्म किया था, आपने आम माफी का ऐलान कर दिया और फरमाया - ÷आज तुम पर कोई पकड़ नहीं, जाओ तुम सब आज़ाद हो।÷

जश्न-ए-मिलाद को मनाने के लिए लोग सुबह जुलूस-ए-मुहम्मदी निकालते हैं, जिसमें हज़ारों आशिक-ए-रसूल नात पढ़ते हुए शामिल होते हैं। मस्जिदों, घरों और गलियों को हरे झंडों और रोशनियों से सजाया जाता है। बड़े पैमाने पर जलसे और लंगर का एहतमाम होता है।

ईद मिलादुन्नबी सिर्फ चरागां और जुलूस का नाम नहीं है। इसका असली पैगाम है, इंसानियत से मुहब्बत, बराबरी और इंसाफ कायम करना, इल्म को आम करना, औरतों, यतीमों और कमजोरों के हुकूक की हिफाज़त करना।

अगर हम आज की दुनिया में नफरत, जंग और लालच को देखकर पैगंबर की एक ही हदीस पर अमल कर लें यानी ÷तुम में से बेहतरीन वह है जो लोगों के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद हो÷ - तो समाज जन्नत बन सकता है। ईद मिलादुन्नबी हमें यही दावत देती है कि हम अपनी जिंदगी को पैगंबर साहब की सुन्नत के मुताबिक ढालें और दुनिया में अमन, रहमत और भाईचारे का पैगाम आम करें।

अर्थव्यवस्था मजबूत या आम आदमी कमजोर?

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

किसी देश की अर्थव्यवस्था को समझने के लिए केवल शेयर बाजार की चमक, GDP के आंकड़े या विदेशी निवेश की खबरें देखना पर्याप्त नहीं है। अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति का सबसे सीधा असर आम आदमी की रसोई, जेब और बचत पर दिखाई देता है। आज यही सवाल हमारे सामने खड़ा है, अगर देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है तो आम आदमी की थाली और घर का बजट लगातार महंगा क्यों महसूस हो रहा है?पिछले कुछ समय में चीनी, प्याज, खाद्य तेल जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं के दामों में उतार-चढ़ाव और कई उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती लागत ने परिवारों के बजट पर दबाव बढ़ाया है। यह भी सही है कि हर वस्तु की कीमत बढ़ना केवल महंगाई का संकेत नहीं होता। उत्पादन, मौसम, वैश्विक कीमतें, आयात लागत, कर, परिवहन और मांग-सप्लाई जैसे अनेक कारण कीमतों को प्रभावित करते हैं लेकिन जब कई क्षेत्रों में कीमतों का दबाव एक साथ दिखाई देने लगे तो सवाल पूछना जरूरी हो जाता है।

भारत की अर्थव्यवस्था में फिलहाल मंदी की तस्वीर नहीं दिख रही। RBI ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वास्तविक GDP वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत रखा है। इसका अर्थ है कि आर्थिक गतिविधियों में पर्याप्त मजबूती की उम्मीद बनी हुई है।बलेकिन दूसरी तरफजुलाई 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.45 प्रतिशत हो गई और खाद्य महंगाई 5.52 प्रतिशत तक पहुंच गई। RBI की 4 प्रतिशत की मध्यम अवधि की लक्ष्य दर से यह ऊपर है, हालांकि यह अभी भी 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सहनशीलता सीमा के भीतर है।

इसका मतलब साफहै, अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन कीमतों का दबाव भी वापस उभर रहा है। यही वह बिंदु है जिसे केवल "अर्थव्यवस्था मजबूत है"कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

GDP बढ़ने का अर्थ यह नहीं कि हर परिवार की आय उसी अनुपात में बढ़ रही है। देश का उत्पादन बढ़ सकता है, उद्योग बढ़ सकते हैं, सेवाओं का विस्तार हो सकता है और निवेश बढ़ सकता है, लेकिन यदि किसी परिवार की आय 6-7 प्रतिशत की दर से नहीं बढ़ती और उसके रोजमर्रा के खर्च उससे तेज बढ़ जाते हैं, तो उसके लिए अर्थव्यवस्था की मजबूती कागज पर दिखाई देगी, जेब में नहीं।

यही कारण है कि मैक्रो इकोनॉमी और घरेलू अर्थव्यवस्था के बीच का अंतर आज महत्वपूर्ण हो गया है। एक तरफGDP का आंकड़ा उत्साह देता है, दूसरी तरफ रसोई का बिल चिंता। एक तरफ शेयर बाजार निवेशक की संपत्ति बढ़ा सकता है, दूसरी तरफ महंगा भोजन परिवार की वास्तविक क्रय शक्ति घटा सकता है। इसलिए किसी भी अर्थव्यवस्था की सफलता का अंतिम पैमाना यह भी होना चाहिए कि आम परिवार कितनी आसानी से अपना घर चला पा रहा है। RBI ने अगस्त में अपनी FY27 महंगाई का अनुमान लगभग 5 प्रतिशत रखा है और साथ ही यह संकेत दिया है कि यदि खाद्य, ईंधन और लागत संबंधी दबाव व्यापक होते हैं तो मौद्रिक नीति को सख्त करना पड़ सकता है। अगस्त की बैठक में रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखी गई, लेकिन आगे दर बढ़ाने की संभावना को पूरा तरह खारिज नहीं किया गया। इसके पीछे सबसे बड़ा बाहरी जोखिम कच्चे तेल का है।

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर काफी निर्भर है। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लंबे समय तक ऊंची रहती है तो उसका असर परिवहन, उत्पादन, लॉजिस्टिक्स और अंततः अनेक वस्तुओं की कीमतों पर पड़ सकता है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया के तनाव और ऊंचे तेल दामों के कारण रुपये पर भी दबाव देखा गया है।

इसलिए अगले कुछ महीनों में महंगाई की दिशा केवल प्याज या चीनी तय नहीं करेंगे। तेल, मानसून, रुपये की विनिमय दर, वैश्विक कमोडिटी कीमतें और खाद्य आपूर्ति मिलकर तस्वीर बनाएंगे।

लेकिन यहां पर थोक बाजार का संकेत भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जुलाई 2026 में भारत की थोक महंगाई लगभग 9.8 प्रतिशत रही। यह आंकड़ा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि थोक स्तर की कीमतों में तेज बढ़ोतरी आगे चलकर उत्पादकों और कारोबारियों की लागत पर दबाव डाल सकती है और उसका कुछ हिस्सा बाद में उपभोक्ता तक पहुंच सकता है। हालांकि थोक और खुदरा महंगाई एक जैसी नहीं होतीं और इनके बीच सीधा संबंध भी हर समय नहीं रहता। फिर भी दोनों में लगातार दबाव दिखाई दे तो नीति-निर्माताओं के लिए यह चेतावनी जरूर है।

तो क्या यह मजबूत अर्थव्यवस्था का संकेत है? इसका उत्तर न तो पूरी तरह हां है और न पूरी तरह ना।मजबूत मांग के कारण कुछ वस्तुओं की कीमत बढ़ना आर्थिक गतिविधि का हिस्सा हो सकता है। लेकिन यदि कीमतें आय और उत्पादकता से कहीं तेज बढ़ने लगें, तो वही महंगाई आम आदमी की क्रय शक्ति को कमजोर करने लगती है। यानी महंगाई अपने आप में मजबूत अर्थव्यवस्था का प्रमाण नहीं है।

मजबूत अर्थव्यवस्था वह है जिसमें उत्पादन बढ़े, रोजगार बढ़े, लोगों की आय बढ़े, निवेश बढ़े और साथ ही कीमतें पर भी नियंत्रण रहे। और आम आदमी? यहीं सबसे गंभीर सवाल है।

आज सार्वजनिक जीवन में राष्ट्र, संस्कृति, राजनीति और विभिन्न मुद्दों पर बहस लगातार चल रही है। ÷वंदे मातरम÷ हो या कोई दूसरा राष्ट्रीय-सांस्कृतिक विमर्शइनका अपना महत्व है। लेकिन नागरिक विमर्श इतना भावनात्मक नहीं होना चाहिए कि उसके बीच रसोई के बजट, रोजगार, आय और महंगाई के सवाल दब जाएं। राष्ट्रभक्ति और आर्थिक सवाल एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। देश से प्रेम करने वाला नागरिक यह भी पूछ सकता है, मेरी आय कितनी बढ़ी?, मेरी बचत क्यों घट रही है?, रसोई का खर्च कितना बढ़ा?, बच्चों की शिक्षा कितनी महंगी हुई?, स्वास्थ्य और आवास का खर्च कितना बढ़ा? और आने वाले छह महीनों में परिवार का बजट कैसे संभलेगा?

इन सवालों को पूछना देश-विरोध नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिकता है। आम आदमी को किसी मुद्दे में व्यस्त रखकर उसकी आर्थिक चिंता को छोटा नहीं किया जाना चाहिए। इसी तरह महंगाई को केवल राजनीतिक हथियार बनाना भी उचित नहीं है। जरूरत है कि आंकड़ों को भावनाओं से ऊपर रखकर देखा जाए। आने वाले महीनों में भारत के सामने दोहरी चुनौती होगी, विकास की गति बनाए रखना और महंगाई को काबू में रखना। यदि GDP की वृद्धि 6-7 प्रतिशत के आसपास बनी रहती है, निवेश और घरेलू मांग मजबूत रहती है और खाद्य आपूर्ति बेहतर होती है, तो अर्थव्यवस्था के लिए तस्वीर सकारात्मक रह सकती है। लेकिन यदि कच्चा तेल महंगा रहता है, रुपया कमजोर होता है, खाद्य कीमतों का दबाव व्यापक होता है और महंगाई लगातार बढ़ती है, तो RBI को ब्याज दरों को लेकर अधिक सख्त रुख अपनाना पड़ सकता है। इससे कर्ज महंगा होने और उपभोग तथा निवेश पर दबाव आने की संभावना बन सकती है। RBI की हालिया टिप्पणियां भी इसी जोखिम की ओर संकेत करती हैं। इसलिए आने वाला समय न तो घबराने का है और न आंकड़ों की चमक में वास्तविक समस्याओं को छिपाने का। अर्थव्यवस्था की असली मजबूती कहां दिखाई देगी? जब किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य मिले, लेकिन उपभोक्ता को भी भोजन महंगा न पड़े। जब उद्योग बढ़ें, लेकिन रोजगार भी बढ़े। जब GDP बढ़े, लेकिन परिवार की बचत भी बढ़े। जब बाजार में बिक्री बढ़े, लेकिन महंगाई आय को निगल न जाए और जब आम आदमी महीने के अंत में अपनी जेब देखकर यह कह सके कि ÷देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है और उसका लाभ मेरे घर तक भी पहुंच रहा है।÷ यही आर्थिक मजबूती की सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

आज भारत की अर्थव्यवस्था में विकास की क्षमता मजबूत दिखाई देती है, लेकिन महंगाई और वैश्विक जोखिमों को लेकर सावधानी जरूरी है। इसलिए आने वाले महीनों को न मंदी की निश्चित घोषणा की तरह देखना चाहिए और न ही हर बढ़ती कीमत को विकास की निशानी मानना चाहिए।

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज का दिन भी कार्यों में सफलता दिलाने वाला रहेगा फिर भी अतिआवश्यक कार्यों को आज ही पूर्ण करने का प्रयास करें बाद में स्थिति प्रतिकूल बनने वाली है। दिन का आरंभ किसी शुभ समाचार की प्राप्ति से होगा।

वृष: आज का दिन भी आपकी कीर्ति में वृद्धि करने वाला रहेगा। दिन के आरंभ में पुराने कार्य निपटाने में व्यस्त रहेंगे शीघ्र ही अन्य अनुबंध मिलने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

मिथुन: आज का दिन अधिक थकान वाला रहेगा आप आज आवश्यक कार्यों को प्रातः काल में ही पूर्ण करने का प्रयास करेंगे लेकिन कुछ कार्य फिर भी अधूरे रह सकते है। दैनिक कार्य आज अस्त-व्यस्त रहेंगे।

कर्क: आज का दिन आशा से कुछ कम लाभ देगा फिर भी आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से कर लेंगे। संध्या का समय थकान वाला रहेगा फिर भी सुख से बिताएंगे।

सिंह: आज आपकी समस्त दिनचर्या अस्त-व्यस्त रहेगी। जिस भी कार्य में हाथ डालेंगे उसमे असफलता मिलेगी अथवा विलंब होगा।

कन्या: आज आप प्रातः काल से ही अच्छे कार्यो को पूर्ण करने में जुट जाएंगे लेकिन फिर भी अपने किये कार्यो से पूरी तरह आश्वस्त नही होंगे अधिक बेहतर करने मनोवृति कार्यो में विलंब करेगी।

तुला: आज के दिन कार्य क्षेत्र एवं गृहस्थ में उत्पादक वाली स्थिति रहेगी। व्यवसायी वर्ग भी एक साथ कई काम हाथ में लेने पर उलझन की स्थिति से गुजरेंगे। महिलाओं का व्यवहार अटपटा रहेगा।

वृश्चिक: आज के दिन धन लाभ आपके व्यवहार के ऊपर काफी हद तक निर्भर रहेगा स्वभाव में चंचलता ना आने दें लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहें आशा से अधिक लाभ हो सकता है। संभव हो तो टालें वरना उचित लाभ से वंचित रह सकते है।

धनु: आपके लिए आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। आज आपके लगभग सभी कार्य अंत में जाकर आर्थिक अथवा किसी अन्य कारण से अटक सकते है। बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें।

मकर: आज के दिन आप अतिआत्मविश्वास की भावना से ग्रसित रहेंगे यह घरेलू कलह एवं व्यवसाय में हानि का कारण बन सकती है। घर में मन कम ही लगेगा।

कुंभ: आज का दिन भी सावधानी से व्यतीत करें। कार्य क्षेत्र पर प्रतिस्पर्धी आपको क्षति पहुचाने के लिए कुछ भी कर सकते है। महिलायें किसी ना किसी कारण से नाराज रहेंगी।

मीन: आज का दिन आपको यश दिलाएगा। शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी तंदुरुस्त रहेंगे। कार्य व्यवसाय में कई महत्वपूर्ण फैसले निकट भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे।

QUIZ TIME

1) इंटरनेट का जनक कौन है?
2) अलाउद्दीन खिलजी ने बाजार नियंत्रण नीति किसके सुझाव पर लागू की?
3) मच्छीवाड़ा का युद्ध कब लड़ा गया था?
4) विश्व मच्छर दिवस हर वर्ष कब मनाया जाता है?
5) एशियाई खेल 2026 का आधिकारिक शुभंकर कौन सा है?

उत्तरमाला- (1) विंटन सेर्फ और रॉबर्ट कान (2) जियाउद्दीन बर्नी (3) 1555 (4) 20 अगस्त (5) होनोहेन

RamaQuiz

कार्टून

डोंगरगढ़ में सावन के आखिरी सोमवार को जटाशंकर मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

■ **18 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचे कांवड़ियों का शिवभक्तों ने किया भव्य स्वागत**

डोंगरगढ़ / नवपदेश। सावन के पावन महीने के आखिरी सोमवार को डोंगरगढ़ स्थित श्री जटाशंकर मंदिर शिवधाम पर्वत में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी और दिन चढ़ने के साथ भक्तों की संख्या लगातार बढ़ती गई। भोलेनाथ के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में शिवभक्त मंदिर पहुंचे। पूरे परिसर में 'हर-हर महादेव', 'बम-बम भोले' और भगवान शिव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

सावन के अंतिम सोमवार के अवसर पर निकली कांवड़ यात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। लगभग 18 किलोमीटर पैदल चलकर कांवड़िए शिवधाम पर्वत पहुंचे। लंबी पदयात्रा के बाद मंदिर पहुंचने वाले

कांवड़ियों का शिवभक्तों ने उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ स्वागत किया। कांवड़ियों के पहुंचते ही वातावरण में भक्ति का उत्साह और भी बढ़ गया। श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए तथा भोले बाबा के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे।

जटाशंकर मंदिर में सावन के अंतिम सोमवार को पूरे उत्साह, उमंग और श्रद्धाभाव के साथ धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। कांवड़ियों ने कांवड़ में जल भरकर भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर श्रद्धापूर्वक जल अर्पित किया और पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, जयकारों और धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए पहुंचे।

18 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर शिवधाम पर्वत पहुंचे कांवड़ियों के चेहरे पर थकान के साथ-साथ भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक की खुशी साफ दिखाई दे रही थी। श्रद्धालुओं की आस्था और कांवड़ियों की भक्ति ने पूरे आयोजन को विशेष बना दिया। रास्ते भर भी शिवभक्तों में उत्साह नजर आया और मंदिर पहुंचने के बाद सभी ने भगवान शिव का स्मरण करते हुए अपनी श्रद्धा अर्पित की।

सावन के अंतिम सोमवार के कारण जटाशंकर मंदिर शिवधाम पर्वत में दिनभर धार्मिक माहौल बना रहा। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़, कांवड़ियों की पदयात्रा, भजन-कीर्तन और लगातार गूंजते हर-हर महादेव के जयकारों ने माहौल को पूरी तरह शिवमय कर दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हुए पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर कांवड़ यात्रा की विभिन्न झलकियां श्रद्धालुओं की गहरी आस्था, उत्साह और भक्ति को दर्शाती रहीं। सावन के आखिरी सोमवार पर जटाशंकर मंदिर में उमड़ा यह भक्तिसैलाब लंबे समय तक श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय बना रहा।कांवड़ यात्रा की कुछ झलकियां श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और उत्साह को दर्शाती रहीं।

बोल बम कांवड़ समिति द्वारा आयोजित महाआरती में शामिल हुए महापौर रामू रोहरा

धमतरी / नवप्रदेश। चतुर्थ सावन सोमवार के पावन अवसर पर बोल बम कांवड़ समिति द्वारा रुद्री स्थित रूद्रेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित महाआरती में महापौर श्री रामू रोहरा शामिल हुए। उन्होंने भगवान रूद्रेश्वर महादेव का विधिवत पूजन-अर्चन कर महाआरती में सहभागिता की तथा नगरवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने कहा कि ÷सावन का महीना भगवान भोलेनाथ की भक्ति और आस्था का पर्व है। बोल बम कांवड़ समिति द्वारा आयोजित यह महाआरती श्रद्धा और भक्ति का सुंदर संगम है। भगवान महादेव से धमतरी नगर सहित पूरे प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है।उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन हमारी सनातन संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखने के साथ समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सद्भाव की भावना को मजबूत करते हैं। सावन के पावन अवसर पर रूद्रेश्वर महादेव की आराधना कर सभी के जीवन में सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो, यही प्रार्थना है।महाआरती के दौरान हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से रूद्री नगरी भक्तिमय हो उठी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाआरती में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

न कोई तामझाम, न लाव-लश्कर पान की दुकान पर आम लोगों संग बैठे विधायक

धमतरी / नवप्रदेश। धमतरी विधायक ओंकार साहू ने सदर बाजार स्थित गोरे पान सेंटर पहुंचकर कुछ समय आम लोगों के बीच बिताया। इस दौरान उन्होंने पान सेंटर संचालक के साथ बैठकर पान का आनंद लिया और सहजता एवं अपनत्व के साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत की। विधायक श्री ओंकार साहू ने कहा कि जनजीवन की असली खूबसूरती आम लोगों के बीच सहजता से घुलने-मिलने और उनके सुख-दुख को करीब से समझने में है। धमतरी शहर की गलियों और बाजारों में आम नागरिकों के साथ बिताए गए ऐसे आत्मीय पल सामाजिक जीवन को और समृद्ध बनाते हैं।इस दौरान शहर, समाज और रोजमर्रा के जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर अनौपचारिक चर्चा हुई। विधायक श्री साहू ने कहा कि जनता के बीच रहना, उनकी बातें सुनना और उनसे सीधे संवाद करना उनके लिए हमेशा विशेष अनुभव रहा है। जनप्रतिनिधि और जनता के बीच आत्मीयता, संवाद और विश्वास ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है।उन्होंने कहा कि जनसेवा केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि आम लोगों के बीच बैठकर उनकी बातें सुनना, उनके अनुभवों को समझना और उनके साथ खुशियां साझा करना भी जनसेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपनों के साथ बिताए ऐसे छोटे-छोटे पल जीवन में सहजता, अपनापन और नई ऊर्जा का संचार करते हैं।

सावन महोत्सव का आयोजन

डोंगरगढ़ / नवप्रदेश। डीपरापारा वार्ड न 22 के महिलाओं के ÷नारी शक्ति मंच द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन 23अगस्त को हर्षोल्लास से मनाया गया। यह आयोजन ग्राम चौथना के गुरुचरण पैलेस में किया गया। सावन महोत्सव प्रकृति की हरियाली भगवान शिव की भक्ति और संस्कृति को दर्शाता है महिलाओं द्वारा गीत गाया गया,नृत्य करके मनाया गया,हरे रंग का वस्त्र पहनकर श्रृंगार करके,हाथों में मेंहदी लगाकर सावन झूला झूले ,तथा भगवान शिव और कृष्ण की पूजा की।भारत की नारी सिर्फ़ घर तक सीमित नही है अपने वाणी से लोगो को विनम्रता का संदेश देती है घर के अलावा आज पर्यावरण संरक्षण नितांत आवश्यक है जिस तरह घर को वे गुलदस्ता से सजाती है प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन में महत्ती भूमिका निभाती है इस कार्यक्रम के माध्यम से यह समाज को संदेशा देने का प्रयास किया।

अपराध: ऑपरेशन निश्चय के तहत गरियाबंद में गांजा तस्करी पर पुलिस की कार्रवाई

चेकिंग के दौरान 2 करोड़ के अवैध गांजा के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

गरियाबंद / नवप्रदेश। ''ऑपरेशन निश्चय ÷ अभियान के अंतर्गत पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के मार्गदर्शन में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार प्रभावी एवं सख्त कार्यवाही की जा रही है। अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों एवं चेक पोस्टों पर संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग एवं निगरानी की जा रही है।

इसी क्रम में दिनांक 24.08.2026 की रात्रि थाना देवभोग क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खुटगांव के चेक पोस्ट नाका, हृ॥ 130 ष्ट पर थाना देवभोग पुलिस टीम द्वारा डब्च् चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान उडीसा राज्य की ओर से एक नारंगी रंग का आयशर वाहन क्रमांक स्र 06 क्क्ष् 4144 आते दिखाई दिया। पुलिस टीम द्वारा वाहन को रोककर विधिवत जांच की गई। वाहन के ऊपर छत में काले रंग के तिरपाल से ढका हुआ संदिग्ध गांजा जैसे मादक पदार्थ दिखाई देने पर तिरपाल हटाकर जांच करने पर तिरपाल के ऊपर अलग अलग पैकेट्स में बिछी हुई मिलीं, जिनमें गांजा जैसा मादक पदार्थ भरा होना पाया गया। वाहन चालक एवं उसके साथ बैठे व्यक्ति से पूछताछ करने पर दोनों द्वारा अपना नाम 01) संतोष अनंता मोहिते 02) सुमित सुभाष थोड़वे बताया गया। पूछताछ में तिरपाल के ऊपर रखे पैकेटो में मादक पदार्थ गांजा होना बताया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने यह भी बताया कि उनके आगे नीले रंग की ग्लैमर मोटर सायकल क्रमांक ह्ष्ठ 08 ड्ड 5814 में दो व्यक्ति रास्ता बताते हुए चल रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा उक्त मोटर सायकल की तलाश कर उसमें सवार दो व्यक्तियों को पकड़ा गया, जिन्होंने अपना नाम 03) पंकज अनंता मोहिते एवं 04) जलंधर खम्हारी बताया। मौके पर विधिवत तलाशी एवं जप्ती कार्यवाही के दौरान आयशर वाहन के उपर में रखी कुल 400 किलो ग्राम गांजा पाया गया। गांजे के संबंध में आरोपियों द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। मौके पर विधिवत कुल 400 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा, नगदी रकम 1,50,000 रुपये, 03 नग मोबाइल, घटना में प्रयुक्त आईचर वाहन क्रमांक स्र 06 क्क्ष् 4144, मोटर सायकल क्रमांक ह्ष्ठ 08 ड्ड 5814 की जप्ती की कार्यवाही की गई।

पूछताछ के आधार पर आरोपियों द्वारा उक्त गांजा ग्राम डेंगागुड़ा, थाना आमपानी, जिला कालाहांडी, ओडिशा निवासी विनोद दिसारी से प्राप्त करना बताया गया। उक्त तथ्य के आधार पर प्रकरण एण्ड टू एण्ड कार्यवाही करते हुए उड़ीसा निवासी 05) विनोद दिसारी को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपी के उसके कब्जे से गांजा क्रय-विक्रय में प्रयुक्त 05 लाख रूपये को जप्त किया गया। प्रकरण पांचों आरोपियों के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर से अपराध धारा सदर 20 (क्र) (द्धद्ध) (ष्ट) हष्ठक्क-ऋष्ह्ल के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में आरोपियों को समक्ष गवाहन के गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मां बमलेश्वरी में पीओपी फॉल्स सीलिंग गिरने से मचा हड़कंप

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। आज सुबह लगभग 11 बजे ऊपर मंदिर मां बमलेश्वरी के कार्यालय के हाल में लगी पीओपी फॉल्स सीलिंग अचानक भरभराकर नीचे गिर गई। अचानक हुए इस हादसे से पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि घटना के समय कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया और बड़ी दुर्घटना टल गई।

बताया जा रहा है कि हाल में लगी फॉल्स सीलिंग का एक बड़ा हिस्सा अचानक नीचे गिर गया। सीलिंग के साथ पीओपी का मलबा नीचे बिखर गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घटना के बाद क्क्क्फॉल्स सीलिंग के निर्माण कार्य की गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लोगों का कहना है कि यदि सीलिंग गिरने के समय कार्यालय में कर्मचारी, मंदिर से जुड़े लोग या श्रद्धालु मौजूद होते, तो बड़ी जनहानि हो सकती थी।

इस घटना ने ऊपर मंदिर मां बमलेश्वरी परिसर में किए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और संबंधित कार्य में बरती गई कथित लापरवाही की ओर ध्यान आकर्षित किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लगातार आवाजाही रहती है, ऐसे में निर्माण कार्यों की सुरक्षा और गुणवत्ता में किसी भी तरह की कमी गंभीर खतरा बन सकती है। लोगों ने पूरे मामले की जांच कर फॉल्स सीलिंग के निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, कार्य की गुणवत्ता और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की है।

घटना के बाद यह सवाल भी उठने लगा है कि फॉल्स सीलिंग लगाने के बाद उसकी समय-समय पर जांच और रखरखाव किया गया था या नहीं। यदि समय रहते इसकी स्थिति की जांच की जाती तो संभव है कि इस तरह की घटना को रोका जा सकता था। स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर में लगे अन्य फॉल्स सीलिंग, छत और निर्माण कार्यों का भी सुरक्षा निरीक्षण कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न हो। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि कार्यालय के हाल में लगी फॉल्स सीलिंग अचानक गिर सकती है, तो क्या मंदिर परिसर में लगे अन्य निर्माण

जन्माष्टमी से पहले 6 अनावेदकों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

डोंगरगढ़ / नवप्रदेश। आगामी जन्माष्टमी पर्व को देखते हुए शहर में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए डोंगरगढ़ पुलिस ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर विवाद करने तथा संज्ञेय अपराध घटित होने की आशंका के चलते 6 अनावेदकों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। सभी को माननीय एसडीएम न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, दिनांक 23 अगस्त 2026 को अलग-अलग स्थानों पर वाद-विवाद करने वाले व्यक्तियों के कारण क्षेत्र में शांति व्यवस्था प्रभावित होने तथा संज्ञेय अपराध की आशंका को देखते हुए यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 170, 126 एवं 135(3) बीएनएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

जन्माष्टमी को लेकर पुलिस अलर्ट पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के दिशा-निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी डोंगरगढ़ श्री केशरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी डोंगरगढ़ एवं पुलिस स्टाफ द्वारा क्षेत्र में लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है।

इन 6 व्यक्तियों पर हुई कार्रवाई

लक्ष्मण, पिता महेन्द्र, उम्र 21 वर्ष, निवासी दन्तेश्वरी पारा, वार्ड नंबर 02, डोंगरगढ़।
अनिकेत गजभिये, पिता सुनील गजभिये, उम्र 24 वर्ष, निवासी कालका पारा, वार्ड नंबर 10, डोंगरगढ़।
शिवा चन्द्रवंशी, पिता अशोक चन्द्रवंशी, उम्र 19 वर्ष, निवासी बधियाटोला, डोंगरगढ़।
करण डोंगरे, पिता रंजीत डोंगरे, उम्र 19 वर्ष, निवासी इंदिरा नगर, वार्ड नंबर 05, डोंगरगढ़।
आकाश लाउत्रे, पिता स्व. रमेश लाउत्रे, उम्र 26 वर्ष, निवासी इंदिरा नगर, वार्ड नंबर 05, डोंगरगढ़।
अरविन्द उर्फ बिल्लू कुशवाह, पिता नत्थू कुशवाह, उम्र 23 वर्ष, निवासी भुरवाटोला, वार्ड नंबर 20, डोंगरगढ़।

श्रमिक परिवारों के बच्चों के सपनों को मिली नई उड़ान

धमतरी / नवप्रदेश। सरकार द्वारा श्रमिकों के कल्याण के साथ उनके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों के प्रतिभावान बच्चों के लिए शिक्षा के नए अवसरों के द्वार खोल रही है। योजना के माध्यम से श्रमिक परिवारों के बच्चों को प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है।

राजधानी रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्रमिक परिवारों के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ आत्मीयता से समय बिताया और उनके साथ भोजन भी किया। उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निर्माण श्रमिकों के बच्चों को भी देश के बेहतरीन निजी विद्यालयों में पढ़ने का समान अधिकार है। सरकार उनकी शिक्षा का पूरा खर्च वहन कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर उपलब्ध करा रही है। धमतरी के सात बच्चों को मिला निजी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश-विभागीय अधिकारी ने बताया कि सम्मान समारोह में धमतरी जिले के 07 नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में इन बच्चों को कक्षा छठवीं में प्रवेश मिला है। इनमें ग्राम श्यामतराई की याचना साहू, ग्राम सिर्री की भाव्या, ग्राम रीवागहन के नैतिक कुमार, ग्राम चटौद की धारनी साहू, ग्राम गुजरा के नागेन्द्र कुमार, ग्राम देमार की पूजा मीनपाल तथा ग्राम खट्टी की रागिनी साहू शामिल हैं।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत अनुबंधित 09 जिलों के निजी आवासीय विद्यालयों में चयनित बच्चों को कक्षा छठवीं से बारहवीं तक पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी। विद्यालय में अध्ययन, आवास सहित आवश्यक शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ बच्चों को मिलेगा। इससे श्रमिक परिवारों पर बच्चों की उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का आर्थिक बोझ कम होगा और प्रतिभावान बच्चों को अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

पंचमुखी शिवशंकर नागदेव मंदिर में गूंजा 'हर-हर महादेव'

■ **मानस गान एवं रुद्राभिषेक के साथ सावन महोत्सव का भव्य समापन**

कुरूद (धमतरी) / नवप्रदेश। कॉलेज रोड स्थित सिन्हा परिवार द्वारा प्रतिष्ठित पंचमुखी शिवशंकर नागदेव मंदिर में श्रावण मास महोत्सव का गरिमामय एवं भव्य समापन अपार श्रद्धा, उल्लास और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। सम्पूर्ण श्रावण मास पर्यन्त देवालय परिसर देवाधिदेव महादेव के जयघोष एवं भक्तिरस से गुंजायमान रहा।

वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य रुद्राभिषेक एवं महाआरती-समापन के पावन अवसर पर मंदिर प्रांगण में विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। आचार्यगणों के सानिध्य में वैदिक ऋचाओं के सस्वर पाठ के साथ भगवान शिव का विधिवत रुद्राभिषेक, जलाभिषेक एवं महाआरती की गई। भगवान भोलेनाथ का मनोहारी एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया, जिसके दर्शनार्थ प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। उपस्थित जनसमूह ने क्षेत्र के सुख-शांति, समृद्धि एवं जन-कल्याण की मंगल कामना की।

सात अंचलों की मानस मंडलियों की प्रस्तुति, भक्ति रस से सराबोर हुआ वातावरण-श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार की परंपरा का निर्वहन करते हुए समापन दिवस पर विराट मानस गान का आयोजन हुआ। इस पावन अवसर पर विभिन्न अंचलों की उत्कृष्ट मानस मंडलियों ने सहभागिता की:

मड़ेली एवं छुरा
थनौद एवं अभनपुर
पंडरीपानी एवं चारामा
उमरदा (कुरूद)

मानस मर्मज्ञों एवं कलाकारों द्वारा प्रस्तुत श्रीरामचरितमानस के मार्मिक प्रसंगों तथा शिव-महिमा के संगीतमय गायन ने श्रोताओं को भावविभोर एवं मंत्रमुग्ध कर दिया।

कलाकारों का सारस्वत सम्मान एवं आतिथ्य सत्कार

आयोजन के मुख्य सूत्रधार पत्रकार कृपाराम सिन्हा एवं उनके परिवार द्वारा समस्त आमंत्रित मानस मंडलियों का भावभीना अभिनंदन किया गया। सभी कलाकारों को श्री शिव-पार्वती-नागेश्वर महादेव का छायाचित्र, श्रीफल, रुद्राक्ष माला एवं धार्मिक अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। अनुष्ठान के उपरांत महाप्रसाद का वितरण हुआ, जिसमें कुरूद नगर सहित समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों से पधारे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्यार्जन किया।

बैठक में सख्त निर्देश: कलेक्टर रणबीर शर्मा ने ली एनकार्ड, जिला सड़क सुरक्षा समिति और नशामुक्ति की बैठक

15 दिन में हटाओ अतिक्रमण, सड़क के गड्ढों की कराएं मरम्मत

■ **नशामुक्ति के लिए 2 से 7 अक्टूबर तक चलाएं विशेष अभियान**

गरियाबंद/नवप्रदेश। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर रणबीर शर्मा ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एनकार्ड, जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं नशामुक्ति की बैठक लेकर जिले में सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, नशामुक्ति अभियान एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सड़क सुरक्षा के उपायों को प्रभावी बनाने कहा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कुछ कमी आई है, लेकिन दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए लगातार प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने नेशनल हाईवे पर चिन्हित दो अतिक्रमणों को 15 दिवस के भीतर हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर शर्मा ने सड़क पर घुमंतु एवं आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील की। उन्होंने घुमंतु पशुओं से संबंधित शिकायत अथवा सूचना प्रशासन तक पहुंचाने के लिए हेल्पलाइन नंबर 1033 एवं 1100 का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन हेल्पलाइन नंबरों पर प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि सड़कों पर आवारा पशुओं की समस्या का प्रभावी निराकरण किया जा सके और सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके।

कलेक्टर शर्मा ने सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस को आवश्यक कार्रवाई करने तथा समझाइश देने के निर्देश दिए हैं। आवागमन के दौरान दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही स्कूली बच्चों एवं 18 वर्ष से कम आयु के नाबालिगों को बिना वैध लाइसेंस वाहन नहीं चलाने के लिए जागरूक एवं निर्देशित किया गया है। कलेक्टर ने नशामुक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए आबकारी, समाज कल्याण, कृषि एवं राजस्व विभाग सहित संबंधित विभागों को नशामुक्ति के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार करने कहा।

उन्होंने नशामुक्ति के लिए टोल फ्री नंबर 14446 का अधिक से अधिक प्रचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा विनाश की जड़ है। स्कूली बच्चों एवं युवाओं को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। गांधी जयंती 2 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक नशामुक्ति सप्ताह के अंतर्गत स्कूल एवं कॉलेजों में विभिन्न कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं तथा जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए। विद्यार्थियों के माध्यम से नो ड्रग्स विषय पर प्रतियोगिताएं आयोजित करने पर भी जोर दिया गया।

कलेक्टर ने कहा कि नशामुक्त भारत अभियान में रेडक्रॉस, एनसीसी, स्काउट-गाइड, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अन्य सामाजिक संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में स्वच्छता एवं हाइजीन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में कहीं भी अवैध या छिपी हुई नशीली फसलों की खेती होने की सूचना मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने कहा। कलेक्टर ने सभी अस्पतालों में प्रधानमंत्री राहत योजना सहित सड़क दुर्घटना से संबंधित सहायता योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित करने के लिए फ्लेक्स लगाने के निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

तहसील साहू समाज महिला प्रकोष्ठ ने कुरूद थाने में मनाया रक्षाबंधन पर्व

कुरूद/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सामाजिक सरोकार और कृतज्ञता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तहसील साहू समाज की महिला पदाधिकारियों ने कुरूद थाना परिसर में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया। जन-सुरक्षा में सेवारत पुलिस अधिकारियों और जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर बहनों ने उनके सुदीर्घ एवं मंगलमय जीवन की कामना की। थाना परिसर पहुंचने पर पुलिस स्टाफ ने महिला पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत किया। पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार बहनों ने कर्तव्यनिष्ठ जवानों के ललाट पर कुमकुम-अक्षत का तिलक लगाया, आरती उतारी और कलाई पर स्नेह की डोर बांधी। तत्पश्चात मिष्ठान खिलाकर पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। महिला पदाधिकारियों ने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस के जवान पर्व और उत्सवों से परे रहकर 24 घंटे समाज की रक्षा में मुस्तैद रहते हैं। उनकी अटूट निष्ठा के कारण ही नागरिक निर्भय होकर पर्व मना पाते हैं। परिवार से दूर रहकर दायित्व निभाने वाले इन वीरों को भ्रातृ स्नेह का संबल प्रदान करना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। पुलिस प्रशासनः उप निरीक्षक जुगल किशोर ध्रुव, प्रधान आरक्षक हरीश कुमार मेश्राम, प्रधान आरक्षक महेंद्र घिदौड़, आरक्षक मानक साहू, राजेश बंजारे, शैलेन्द्र बंजारे, महिला आरक्षक प्रेमलता यादव, मोतिम ध्रुव एवं सैनिक सुदामा साहू।महिला प्रकोष्ठ साहू समाजः संगठन सचिव श्रीमती नंदिनी साहू, कनिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सरस्वती साहू, श्रीमती पूनम साहू, श्रीमती दूज बाई साहू, श्रीमती प्रीति साहू, श्रीमती मोनिका साहू एवं श्रीमती गुनेश्वरी साहू।

अनुशासनहीनता के मामले में प्रधान पाठक निलंबित

बेमेतरा/नवप्रदेश। शासकीय प्राथमिक शाला साजा, विकासखंड साजा के प्रधान पाठक त्रिभुवन दास वैष्णव के विरुद्ध अनुशासनहीनता

एवं कदाचरण के मामले में जिला शिक्षा विभाग द्वारा निलंबन की कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री वैष्णव बीते कई दिनों से बिना पूर्व सूचना के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित थे। इसी दौरान उनके द्वारा शराब के नशे में उत्पात किए जाने तथा समझाइश देने पहुंचे पुलिस अधिकारी के साथ बदसलूकी किए जाने की जानकारी सामने आई। उनके उक्त आचरण को विभागीय गरिमा एवं छवि के विपरीत मानते हुए गंभीरता से लिया गया। विभाग द्वारा वैष्णव का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के उपनियम (1), (2), (3) एवं नियम 23 के विपरीत पाए जाने पर कदाचरण की श्रेणी में माना गया है। इसी के तहत संबंधित प्रधान पाठक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, नवागढ़ निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। निलंबन आदेश तत्काल प्रभावशील किया गया है।

कबाड़ से जुगाड़ में बनी अनोखी राखी, पर्यावरण और जल संरक्षण का दे रही संदेश

डोंगरगांव/नवप्रदेश। पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पर्यावरण प्रेमी एवं जल प्रहरी भोज साहू ने कबाड़ से जुगाड़ कर एक अनोखी राखी तैयार की है। साइकिल के पुराने पहिए के रिंग, स्कोप एवं अन्य वेस्ट मटेरियल का उपयोग कर उन्होंने तितली के आकार की करीब 4 फीट लंबी और 5 फीट चौड़ी विशाल राखी यदू सायकल स्टोर्स के संचालक खिलावन यदू व सोहन यदू के सहयोग से तैयार किया गया।

राखी को आकर्षक रूप देने के बाद इसके ऊपर फ्लैक्स लगाकर पर्यावरण एवं जल

संरक्षण से जुड़े जागरूकता संदेश लिखे गए हैं। इसमें ÷जल ही जीवन है÷, ÷जल है तो कल है÷, ÷प्रकृति का अनमोल उपहार हूं÷ तथा ÷पेड़-पौधों की सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है÷ जैसे संदेश लिखे गए हैं। इस अनोखी राखी को सड़क किनारे नीम के पेड़ पर अनिकेत साहू अनुविभागीय अधिकारी व एसडीएम कार्यालय के कर्मचारी गण,वृक्षांश साहू खुशबू साहू व भोज साहू के सहयोग के लगाया गया है, जहां से गुजरने वाले राहगीरों का ध्यान यह अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

भोज साहू पिछले करीब 10 वर्षों से राखी के माध्यम से एक है विभिन्न सामाजिक सरोकारों को बचाने कबाड़ से जुगाड़ में बनी अनोखी राखी, पर्यावरण और जल संरक्षण का दे रही संदेश।

पर्यावरण संरक्षण और जल बचाने के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पर्यावरण प्रेमी एवं जल प्रहरी भोज साहू (शुभम्) ने कबाड़ से जुगाड़ कर एक अनोखी राखी तैयार की है। साइकिल के पुराने पहिए के रिंग, स्कोप एवं अन्य वेस्ट मटेरियल का उपयोग कर उन्होंने तितली के आकार की करीब 4 फीट लंबी और 5 फीट चौड़ी विशाल राखी यदू सायकल स्टोर्स के संचालक खिलावन यदू व सोहन यदू के सहयोग से तैयार किया गया।

राखी को आकर्षक रूप देने के बाद इसके ऊपर फ्लैक्स लगाकर पर्यावरण एवं जल संरक्षण से जुड़े जागरूकता संदेश लिखे गए हैं। इसमें ÷जल ही जीवन है÷, ÷जल है तो कल है÷, ÷प्रकृति का अनमोल उपहार हूं÷ तथा ÷पेड़-पौधों की सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है÷ जैसे संदेश लिखे गए हैं। इस अनोखी राखी को सड़क किनारे नीम के पेड़ पर अनिकेत साहू अनुविभागीय अधिकारी व एसडीएम आफिस के कर्मचारियों वृक्षांश साहू व भोज साहू के सहयोग के लगाया गया है, जहां से गुजरने वाले राहगीरों का ध्यान यह अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

अनिकेत साहू अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने इस पहल की प्रशंसा किया : रक्षाबंधन पर्व इस तरह आम जनों को कबाड़ से जुगाड के तहत आकर्षक राखी बनाकर आम जनों को राखी के माध्यम से पर्यावरण व जल संरक्षण का संदेश दे रहे निश्चित रूप से एक सराहनीय प्रयास है।

जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री व स्कूल शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों का प्रदर्शन

- छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने बरोंड़ा चौक से निकाली रैली
- पांच सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने शिक्षक संवर्ग की लंबे समय से लंबित समस्याओं के निराकरण और विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को जिला मुख्यालय में धरना-प्रदर्शन किया। बरोंड़ा चौक स्थित दुर्गा मंदिर के पास आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों ने सेवारत शिक्षक संवर्ग के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को प्रमुखता से उठाते हुए शासन के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद शिक्षकों ने रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री और संबंधित अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौंपा।

मोर्चा के जिला संयोजक नारायण चौधरी एवं विजय कुमार धुलतहरे ने शासन से शिक्षक हित में लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेकर आवश्यक आदेश जारी करने का आग्रह किया। कलेक्ट्रेट पहुंचने से पहले शिक्षकों ने बरोंड़ा चौक पर धरना देकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। इस दौरान टीईटी की अनिवार्यता को लेकर शिक्षकों में खासा आक्रोश नजर आया। रैली के दौरान शिक्षकों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। ज्ञापन में सुप्रीम कोर्ट द्वारा टीईटी संबंधी प्रक्रिया के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि शासन इस मामले में बिना अनावश्यक विलंब के शिक्षक हित में स्पष्ट निर्णय ले।

सुप्रीम कोर्ट के समय-सीमा का हवाला, सेवा सुरक्षा की मांग

मोर्चा ने ज्ञापन में कहा है कि प्रदेश में कार्यरत शिक्षक संवर्ग की कई समस्याएं लंबे समय से शासन स्तर पर लंबित हैं। इनमें सबसे प्रमुख मुद्दा सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता का है। संगठन ने इसे समाप्त करने तथा वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना की मांग

शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने शिक्षक एलबी संवर्ग की सेवा की गणना पंचायत संवर्ग में प्रथम नियुक्ति तिथि से किए जाने की मांग भी उठाई है। संगठन का कहना है कि शिक्षकों की पूर्व सेवा अवधि को जोड़ते हुए उन्हें सेवा संबंधी सभी पात्र लाभ प्रदान किए जाने चाहिए। इसमें पूर्ण पुरानी पेंशन सहित शिक्षा विभाग में लागू अन्य लाभ शामिल हैं।

भर्ती-पदोन्नति नियम में संशोधन की मांग

ज्ञापन में छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षणिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती एवं पदोन्नति नियम से जुड़े राजपत्र का भी उल्लेख किया गया है। मोर्चा ने 13 फरवरी 2026 को प्रकाशित राजपत्र में एलबी संवर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संशोधन करने की मांग की है, ताकि शिक्षकों को पदोन्नति एवं सेवा संबंधी अधिकारों का उचित लाभ मिल सके।

मोर्चा ने शिक्षक संवर्ग में लंबे समय से चली आ रही वेतन विसंगतियों के निराकरण की मांग की है। संगठन ने ज्ञापन में केंद्रीय वेतनमान की संरचना के आधार पर वेतन निर्धारण किए जाने का आग्रह किया है। शिक्षकों का कहना है कि वेतन संबंधी विसंगतियों के कारण लंबे समय से शिक्षक आर्थिक नुकसान का सामना कर रहे हैं, इसलिए इस पर शासन को शीघ्र निर्णय लेना चाहिए।

ब्रिज कोर्स के जरिए बीएड प्रशिक्षण की मांग : शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने शिक्षक संवर्ग के लिए शिक्षा विभाग की ओर से योजना बनाकर ब्रिज कोर्स के माध्यम से बीएड प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की मांग भी रखी है।

शासन से त्वरित आदेश जारी करने की मांग : मोर्चा ने कहा कि शिक्षक संवर्ग की समस्याएं केवल व्यक्तिगत हित से जुड़ी नहीं हैं, बल्कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और हजारों शिक्षकों के भविष्य से संबंधित हैं।

नन्हें बच्चों ने योगेश्वर राजू सिन्हा को बांधी राखी

- स्नेह से भावुक हुए विधायक

महासमुंद/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर स्थानीय बचपन प्ले स्कूल के नन्हें बच्चे मंगलवार को विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा से मिलने पहुंचे। बच्चों ने विधायक की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और विश्वास से जुड़े इस पवित्र पर्व की शुभकामनाएं दीं। नन्हें बच्चों के आत्मीय स्नेह से विधायक भावुक नजर आए और उन्होंने बच्चों का स्नेहपूर्वक स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, बेहतर शिक्षा और सफलता की कामना की।

इस अवसर पर विधायक ने बच्चों के साथ आत्मीय संवाद किया और रक्षाबंधन के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, सम्मान, सुरक्षा, विश्वास और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। यह पर्व भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों से गहराई से जुड़ा हुआ है तथा हमें एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सहयोग और जिम्मेदारी का संदेश देता है।

विधायक सिन्हा ने कहा कि बच्चों द्वारा बांधी गई राखी उनके लिए केवल एक धागा नहीं, बल्कि स्नेह, विश्वास और अपनत्व का प्रतीक है। बच्चों का यह निश्छल प्रेम और अपनापन उनके लिए हमेशा विशेष रहेगा। उन्होंने कहा कि नन्हें बच्चों का स्नेह मन को भावुक करने वाला है और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए वे सदैव शुभकामनाएं देते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता राम आश्रय यादव, दिनेश रूपरेला, अमित साहू और नईम खान सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने पत्रकारों से की परिचयात्मक बैठक

- जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

गरियाबंद/नवप्रदेश। नवपदस्थ कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिले के सभी पत्रकारों, संवाददाताओं एवं मीडिया कर्मियों से परिचयात्मक बैठक की। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय को आवश्यक बताते हुए कहा कि शासन की योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। कलेक्टर ने कहा कि गरियाबंद जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं तथा जिले के प्राकृतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास और प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे, जिला जनसंपर्क अधिकारी हेमनाथ सिदार सहित सभी मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने कहा कि जिले में केंद्रीय विद्यालय खोलने की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिले में आधुनिक सुविधाओं से युक्त पुस्तकालय स्थापित करने की दिशा में भी कार्य किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को अध्ययन की बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय स्थित ईको पार्क का पुनर्विकास कर उसे बेहतर एवं आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा। नागरिकों के साथ पर्यटकों को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय में निर्माणाधीन सड़कों का कार्य जल्द पूरा कराया जाएगा। सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क और पर्यटन सुविधाओं से जिले के विकास को नई गति मिलेगी।

छह जगहों पर दबिश, 34.860 लीटर महुआ-देशी शराब जब्त

- नौ आरोपी गिरफ्तार, बाइक भी कब्जे में

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ पुलिस ने एक साथ कई थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की। पुलिस ने पिथौरा, बसना, पटेवा और सरायपाली थाना क्षेत्रों के छह मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 34.860 लीटर अवैध महुआ व देशी शराब जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत 10,808 रुपये बताई गई है। कार्रवाई के दौरान नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि शराब परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। सभी मामलों में आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

लाखागढ़ में घर-बाड़ी से 15 लीटर महुआ शराब जब्त : पिथौरा थाना क्षेत्र के इंदिरा कॉलोनी लाखागढ़ में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मोहन वासुदेव (52) और उसके पुत्र रवि वासुदेव (25) के घर-बाड़ी में दबिश दी। पुलिस के अनुसार दोनों के कब्जे से बिक्री के लिए रखी 15 लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब, जिसकी कीमत करीब 3,000 रुपये है, बरामद हुई। दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

लहरौद के ढाबे में 3.240 लीटर शराब बरामद : पिथौरा के लहरौद पड़ाव स्थित हमर ढाबा में भी पुलिस ने दबिश दी। यहां शरद तिवारी (20), फेगन प्रजापति और राजेंद्र प्रजापति को 3.240 लीटर देसी प्लेन शराब के साथ पकड़ा गया। जब्त शराब की कीमत करीब 1,440 रुपये बताई गई है। मामले में कमलेश डडसेना फरार बताया गया है।

फार्म हाउस में सजी थी जुए की महफिल पुलिस की दबिश में तीन गिरफ्तार

- साल्हेतराई में काट-पत्ती खेलते पकड़े गए जुआरी, 8,500 रुपए नकद समेत 2.08 लाख की संपत्ति जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश।बसना थाना क्षेत्र के ग्राम साल्हेतराई स्थित एक फार्म हाउस में जुए की महफिल सजी थी। यहां 52 पत्ती ताश से काट-पत्ती का खेल खेलते हुए पुलिस ने तीन जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 8,500 रुपए नकद, चार मोबाइल फोन और चार मोटरसाइकिल समेत कुल 2 लाख 8 हजार 500 रुपए की संपत्ति जब्त की है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान दो आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि साल्हेतराई स्थित सूर्यकांत मिश्रा के फार्म हाउस में कुछ लोग एकत्र होकर रुपए-पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर 52 पत्ती ताश से काट-पत्ती जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही बसना पुलिस ने टीम गठित कर फार्म हाउस की घेराबंदी की और दबिश दी।

8,500 रुपए नकद और चार बाइक जब्त : पुलिस ने जुआ फड़ से 8,500 रुपए नकद, 52 पत्ती ताश, चार मोबाइल फोन कीमत करीब 50 हजार रुपए तथा चार मोटरसाइकिल कीमत करीब 1.50 लाख रुपए जब्त की हैं। इस तरह पुलिस ने जुआरियों की कुल 2,08,500 रुपए की संपत्ति जब्त की।

जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज : पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) एवं बीएनएस की धारा 112(2) के तहत अपराध दर्ज किया है। फरार आरोपियों की पतासाजी और गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही है।

दबिश में तीन आरोपी पकड़े गए

पुलिस की छापेमारी के दौरान जुआ फड़ से मोहम्मद सकील (40), जुनेद खान (32) और जितेन्द्र साहू (39), सभी निवासी बसना को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कार्रवाई की भनक लगते ही सूर्यकांत मिश्रा निवासी खुर्सीपहार और मनीष गुप्ता निवासी बसना मौके से फरार हो गए। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी है।

कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं बल्कि भाईचारे का भी प्रतीक - आशीष

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा अध्यक्ष आशीष छाबड़ा के नेतृत्व में नर्मदा धाम भेड़नी से महाकाल मंदिर देवरबीजा तक आयोजित 9 वीं वर्ष की भव्य कांवड़ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान भोलेनाथ का जयघोष किया। नर्मदा मैया के पवित्र जल को कांवड़ में लेकर श्रद्धालुओं ने पैदल यात्रा करते हुए देवरबीजा पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं के स्वागत एवं सेवा की व्यवस्था की गई, जिससे पूरे मार्ग में भक्तिमय और उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा। कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सेवा और भाईचारे का भी प्रतीक।

इस अवसर पर आशीष छाबड़ा ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सेवा और भाईचारे का भी प्रतीक है। नौ वर्षों से निरंतर आयोजित हो रही यह यात्रा क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को मजबूत करने का कार्य कर रही है। उन्होंने यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी कांवड़ यात्रियों, श्रद्धालुओं, आयोजन समिति, सेवा दल, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस का हल्लाबोल

मोहम्मद इसराईल सोलंकी ने केंद्र व राज्य सरकार पर साधा निशाना

छुईखदान/नवप्रदेश। देश और प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई तथा खाद्य सामग्रियों की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी मोहम्मद इसराईल सोलंकी ने केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा निशाना साधा है। प्रेस को जारी बयान में सोलंकी ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की रसोई का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ÷चाय बेचकर प्रधानमंत्री पद तक पहुंचने वाले ने आज गरीबों की रसोई से चीनी छीन ली है और आम जनता को चाय तक छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया है।

सोलंकी ने हालिया बाजार भावों का हवाला देते हुए दावा किया कि महज चार दिनों के भीतर शक्कर की कीमत में करीब 17 रुपये प्रति किलो का भारी उछाल आया है और शक्कर का भाव 70 रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यदि यह आंकड़े सही हैं, तो इतनी तेज कीमत वृद्धि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के घरेलू बजट पर सीधा असर डालती है।

रसोई के बजट पर बढ़ता बोझ : मोहम्मद इसराईल सोलंकी ने कहा कि शक्कर, खाद्य सामग्री, राशन और ईंधन जैसी रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतों में बढ़ोतरी से आम जनता परेशान है। महंगाई का असर सबसे ज्यादा गरीब, मजदूर और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है।

डबल इंजन सरकार पर निशाना

सोलंकी ने आरोप लगाया कि महंगाई कम करने के वादे के साथ सत्ता में आई भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण करने में विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार को आम जनता को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

जनता देगी जवाब

कांग्रेस नेता ने कहा कि बढ़ती महंगाई से आज हर वर्ग प्रभावित है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और जनता महंगाई तथा सरकार की नीतियों को अच्छी तरह देख-समझ रही है।

साहू समाज की बहनों ने वीर जवानों को बांधी राखी

धमतरी/नवप्रदेश। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जिला साहू समाज महिला प्रकोष्ठ, जिला साहू संघ धमतरी के सदस्यों ने सीतानदी कैंप पहुंचकर वीर जवानों की कलाइयों पर राखी बांधी। बहनों से राखी बंधवाकर जवान भावुक और गदगद नजर आए। महिलाओं ने जवानों को मिठाई खिलाकर उनके स्वस्थ, दीर्घायु और सुखद जीवन की कामना की।

राखी बंधवाते समय जवानों ने कहा कि त्योहार पर घर नहीं जा पाने की कमी बहनों के स्वयं कैंप पहुंचने से पूरी हो गई। उन्होंने कहा कि बहनों का इस तरह स्नेह और सम्मान देने के लिए पहुंचना उनके लिए सौभाग्य की बात है। जवानों ने देशसेवा के प्रति अपना संकल्प दोहराया। महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष जागृति साहू ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले और देशवासियों के साथ मां-बहनों की सुरक्षा में तैनात जवानों को राखी बांधना

उनके लिए गर्व का अवसर है। संगठन सचिव डॉ मंजूषा साहू ने कहा कि वे ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि सभी वीर जवान स्वस्थ और दीर्घायु रहें तथा इसी तरह देश की सेवा करते रहें। अपने जांबाज सिपाहियों पर हम सभी को गर्व है। जिला साहू संघ धमतरी के अध्यक्ष गणेश राम साहू ने कहा कि वीर जवान अपने परिवार से दूर रहकर देश की सुरक्षा में जुटे हैं। ऐसे में रक्षाबंधन पर उनके साथ राखी का पर्व मनाना समाज के लिए सम्मान और गौरव की बात है।

सहकारी केंद्रीय बैंक की 49वीं वार्षिक साधारण सभा में बैंकिंग सुविधा बढ़ाने पर जोर

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के करीब 4 लाख ग्राहकों को मिलेगा तत्काल राशि हस्तांतरण का लाभ

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव की 49वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन उदयाचल प्रांगण, राजनांदगांव में किया गया। सभा में बैंक के कार्यक्षेत्र अंतर्गत आने वाले राजनांदगांव, कबीरधाम, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की सभी 356 समितियों के प्राधिकृत अधिकारी उपस्थित रहे। वार्षिक सभा में बैंक की कार्यप्रणाली, सहकारी समितियों की भूमिका तथा किसानों और ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

सभा के दौरान जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष सचिन बघेल ने बैंक में आईएमपीएस (IMPS) सुविधा का शुभारंभ किया। इस सुविधा के शुरू होने से बैंक से जुड़े लगभग 4 लाख ग्राहकों को तत्काल राशि हस्तांतरण की सुविधा का लाभ मिल सकेगा। बैंकिंग सेवाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आईएमपीएस सुविधा के माध्यम से ग्राहक आवश्यकता के अनुसार

कम समय में राशि का हस्तांतरण कर सकेंगे। इस अवसर पर बैंक अध्यक्ष सचिन बघेल ने धान खरीदी के प्रारंभिक समय में उत्पन्न विषम परिस्थितियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शासन की महत्वपूर्ण योजना धान खरीदी को समितियों के माध्यम से व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से प्रारंभ करने में समितियों के प्राधिकृत अधिकारियों ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया। उन्होंने अधिकारियों और समिति प्रतिनिधियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

सभा में बैंक के कार्यक्षेत्र की सभी समितियों की भूमिका पर भी चर्चा हुई। किसानों से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने, सहकारी व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा बैंक की सेवाओं को अधिक सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने बैंक और समितियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में बैंक उपाध्यक्ष भरत वर्मा ने आभार व्यक्त किया। वार्षिक साधारण सभा में बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुधीर सोनी, अधीक्षक सुरेश द्विवेदी, मनीष श्रीवास्तव, प्रकाश शुक्ला, संजय बाजपेयी, योगेश्वर वर्मा, नोडल अधिकारी रवि मिश्रा, योगेंद्र शर्मा, दिलीप अचला नंदीश्वर, सुनीता, नमिता सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभा का सफल संचालन बैंक के प्रबंधक प्रकाश अखिलेश द्वारा किया गया।

सक्षिप्त खबरें

कलेक्टर तुलिका प्रजापति का बैगा महिला श्रीबाई ने माला पहनाकर किया स्वागत

कवर्धा/नवप्रदेश। नवपदस्थ कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति से आज ग्राम पंचायत बांटीपथरा के आश्रित ग्राम छिंदपुर निवासी श्रीमती श्रीबाई बैगा ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान श्रीमती श्रीबाई बैगा ने अपने हाथों से तैयार की गई दुर्लभ घास से निर्मित पारंपरिक बीरन माला पहनाकर कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति का आत्मीय स्वागत किया। श्रीमती श्रीबाई बैगा द्वारा अपने हाथों से तैयार की गई बीरन माला में छत्तीसगढ़ की ग्रामीण एवं आदिवासी संस्कृति की सादगी, परंपरा और हस्तकला की सुंदर झलक देखने को मिली। उन्होंने पूरे आत्मीय भाव से कलेक्टर का स्वागत करते हुए उन्हें यह माला भेंट की। पारंपारिक परिवेश से आई महिला की सहजता, आत्मीयता और स्नेहपूर्ण स्वागत से कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति भाव-विभोर हो गईं। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने श्रीमती श्रीबाई बैगा के इस आत्मीय स्वागत के लिए उनका आभार व्यक्त किया और उनके द्वारा अपने हाथों से तैयार की गई बीरन माला की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थानीय परंपराओं, लोककला और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़ी ऐसी हस्तकलाएं हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके संरक्षण और प्रोत्साहन से ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों की महिलाओं को अपनी कला और हुनर को आगे बढ़ाने के साथ-साथ आय का बेहतर साधन भी मिल सकता है।

विस अध्यक्ष, सांसद पाण्डे और महापौर ने दी ईद-ए-मिलाद-उल-नबी की मुबारकबाद

राजनांदगांव/नवप्रदेश। विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव के विधायक डॉ. रमन सिंह, सांसद श्री संतोष पाण्ड एवं महापौर श्री मधुसूदन यादव ने ईद-ए-मिलाद-उल-नबी पर्व के उपलक्ष पर मुस्लिम समुदाय को मुबारकबाद देते हुए सुख -समृद्धि-शांति स्नेह की कामना की है।विधायक डॉ. सिंह, सांसद श्री पाण्डे एवं महापौर श्री यादव ने कहा कि ईद-ए-मिलाद-उन-नबी या ईद मिलादुन्नबी हर साल इस्लामिक कैलेंडर के रबी-उल-अव्वल महीने के 12वें दिन मनाया जाता है. मुसलमान इस दिन को अल्लाह के दूत कहे जाने वाले पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब के (यौम-ए-पैदाइश) जन्मदिन के रूप में मनाते हैं। उन्होने कहा कि मोहम्मद साहब का पूरा जीवन मानवता की सेवा में गुजरा और उन्होंने लोगो को इंसानियत का पाठ पढ़ाया। मोहम्मद साहब के इंसानियत वाले व्यवहार के कारण ही उन्हे रहमत उल आलमीन अर्थात पूरे संसार पर कृपा करने वाला कहा जाता है। उन्होंने कहा कि ईद-ए-मिलाद-उन-नबी मुसलमानों का खास त्योहार. इसे ईदों का ईद कहा जाता है. मुस्लिम समुदाय के लोग इस दिन को उत्साह के साथ मनाते हैं। कुरआन की तिलावत की जाती है, घरों को सजाया जाता है, लोग मस्जिद और दरगाह जाते हैं, विशेष पकवान बनाए जाते हैं, गरीबों को जकात दिया जाता है, मस्जिद में दरूद व सलाम पढ़ा जाता है और पैगंबर की शिक्षाओं व आदर्शों का स्मरण किया जाता है।

अपराध: घटना को लेकर गहरा आक्रोश, सोने-चांदी से बने कीमती आभूषणों की चोरी

मावली माता मंदिर में चोरी को लेकर भक्त नाराज, एक सप्ताह का अल्टीमेटम

बेमेतरा/नवप्रदेश। मावली माता मंदिर मारो में आभूषण चोरी के बाद नगरवासियों की आपात बैठक, 5 बड़े निर्णय लिए गए को मावली माता मंदिर परिसर मारो में नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं की अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में हाल ही में माता के आभूषणों की चोरी की घटना को लेकर गहरा आक्रोश देखने को मिला।

बैठक में मुख्य रूप से मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था, मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने, पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपने और आरो पुलिस चौकी में पुलिस बल की कमी के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने सर्वसम्मति से 5 महत्वपूर्ण निर्णय लिए -

- नवरात्रि पर ही होगा सोने-चांदी के आभूषणों से श्रृंगार निर्णय लिया गया कि अब सोने-चांदी के बने कीमती आभूषणों से माता का श्रृंगार केवल नवरात्रि पर्व के दौरान ही किया जाएगा। सामान्य दिनों में आभूषण सुरक्षित स्थान पर रखे जाएंगे।
- मंदिर में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे सुरक्षा को मजबूत करने के लिए मंदिर परिसर में जल्द ही सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इस पर सभी ने अपनी सहमति दी।
- मुख्य द्वार पर लगेगा चैनल गेट सुरक्षा के मद्देनजर मंदिर के मुख्य द्वार एवं निकासी द्वार पर चैनल गेट लगाने का निर्णय लिया गया।
- पुलिस अधीक्षक से मिलेंगे, कार्रवाई न होने पर चक्का जाम चोरी की घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक से मिलकर चर्चा करने का निर्णय लिया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि यदि एक सप्ताह के भीतर इस मामले में उचित कार्यवाही नहीं होती है, तो रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे के नारायणपुर चौक पर चक्का जाम किया जाएगा।
- चोर का सुराग देने वाले को 21000 रुपये का इनाम चोर की जानकारी या कोई ठोस सुराग देने वाले व्यक्ति को मंदिर समिति द्वारा 21000 रुपये का नगद पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कवर्धा/नवप्रदेश। नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ के मामले में महिला थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, कबीरधाम पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव (आईपीएस) ने महिला एवं बालक-बालिकाओं से संबंधित अपराधों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक प्रमिला मंडावी के दिशा-निर्देशन में महिला थाना पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई। मामले में 24 अगस्त 2026 को प्रार्थिया ने महिला थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत के मुताबिक 23 अगस्त की दोपहर करीब 3 बजे उसकी नाबालिग बेटी अपनी सहेलियों को बुलाने घर से निकली थी। इसी दौरान संतोष उर्फ बंटी ने चॉकलेट देने के बहाने उसे अपनी दुकान के अंदर बुलाया और उसके साथ आपत्तिजनक हरकत की। बालिका के शोर मचाने और आरोपी को धक्का देने के बाद वह वहां से भागकर घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। प्रार्थिया की शिकायत पर महिला थाना में अपराध क्रमांक 43/2026 दर्ज कर धारा 74, 75(2), 115(2) बीएनएस एवं धारा 8 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला कायम कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने प्रार्थिया एवं पीड़िता के बयान दर्ज किए और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की।

श्रीरामचरितमानस सांस्कृतिक पुनर्निर्माण और नैतिक जागरण का साहित्य: डॉ. मिश्र

धरसीवां/नवप्रदेश। गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के उपलक्ष्य में मातृभूमि सेवा मिशन की रायपुर इकाई द्वारा पीएम.श्री. आडवाणी ऑरलिकन शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीरगांव में आयोजित रामायण संवाद कार्यक्रम में मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र के संस्थापक बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। गोस्वामी संत तुलसीदास और भगवान श्रीराम का संबंध अनन्य भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। तुलसीदास जी ने श्रीराम के चरित्र को जन जन तक पहुँचाने के लिए रामचरितमानस जैसे महाकाव्य की रचना की और अपना संपूर्ण

जीवन राम-भक्ति को समर्पित कर दिया। तुलसीदास जी के लिए राम केवल इष्ट नहीं, बल्कि उनके सर्वस्व और हृदयपति थे। उन्होंने वाल्मीकि रामायण को लोक भाषा अवधी में रचकर भगवान राम को आम आदमी के अति निकट ला दिया। यह विचार मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के उपलक्ष्य में मातृभूमि सेवा मिशन की रायपुर इकाई द्वारा पीएम.श्री. आडवाणी ऑरलिकन शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीरगांव में आयोजित रामायण संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं पुष्पार्चन से हुआ। पी एम. श्री. आडवाणी ऑरलिकन शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर पहुंचने पर मुख्यातिथि मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र का विद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। रामायण संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा श्रीरामचरित मानस के रचयिता गोस्वामी तुलसी की काव्य रचना का मूल उद्देश्य लोकमंगल की भावना है। लोकमंगल का विधान तभी हो सकता है जब समाज एवं परिवार में नैतिक मूल्यों की स्थापना हो। तुलसी की दृष्टि रामकथा के माध्यम से आदर्श जीवन मूल्यों की स्थापना पर ही केन्द्रित थी। समाज में आदर्शवादी मूल्यों के साथ साथ तुलसी ने पारिवारिक आदर्श के रूप में विभिन्न पात्रों को प्रस्तुत किया है। तुलसी के राम भारतीय जनता के नैतिक गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा गोस्वामी तुलसीदास कृत श्रीरामचरितमानस सांस्कृतिक पुनर्निर्माण और नैतिक जागरण का भी साहित्य है। तुलसीदास ने उस राम को जन जन तक पहुंचाया, जो केवल मंदिरों और शास्त्रों के नहीं, बल्कि लोकजीवन के भी राम हैं। यही कारण है कि रामचरितमानस घर-घर पहुंचा, लोकगीतों में उतरा, रामलीलाओं का आधार बना और भारतीय जनमानस की सांस्कृतिक स्मृति का अभिन्न भाग हो गया।उनकी भाषिक क्षमता भी असाधारण थी।

NAME CHANGE

It is informed to the general public that 1, UPASHANA SAHU W/O ISHWAR SAHU resident of WARD NO. 06 THETHWAR PARA GAYANAGAR DURG (C.G) have changed my old name UPASANA SAHU W/O ISHWAR SAHU so in future I should be recognized by my new name that is UPASANA SAHU W/O ISHWAR SAHU in all Government and other documents.

UPASANA SAHU W/O ISHWAR SAHU WARD NO. 06 THETHWAR PARA GAYANAGAR DURG (C.G)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-04 जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

मा.क्र.202608104100045 /अ-06/ वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक विरेन्द्र कुमार देशमुख पिता स्व. गजानंद देशमुख निवासी वार्ड नं. 18 भेडसर तह. व जिला दुर्ग के द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पेश किया गया है कि गजानंद पिता लक्ष्मीनाथ के नाम पर ग्राम नगपुरा प.ह.न 03 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नं. 1014/1 रकबा 0.7600 हे. भूमि एकल खाता/शामिल खाता में दर्ज है। खातेदार/सहखातेदार गजानंद पिता लक्ष्मीनाथ की मृत्यु होने से उनका नाम विलोपित कर वारिसान हक में मृतक खातेदार के विधिक वारिसानों का नाम दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को इस संबंध में आपत्ति दावा या उजर पेश करना हो तो पेशी दिनांक 31.08.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति/आक्षेप पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त आपत्ति आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19.08.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से यह उद्घोषणा पत्र प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — **नायब तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./25/अ-20(4)/ वर्ष 2025-26

आवेदक बसंती पति एस.बी. ईश्वर राव निवासी क्वा.नं. 11/ए सड़क 10 सेक्टर 7 भिलाई नगर जिला दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई में स्थित भूमि खसरा नं. 1/2, 2/2 का टु, प्लाट नं. एल.आई.जी.-31 रकबा 96 वर्गमीटर धारक बसंती पति एस.बी. ईश्वर राव निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक द्वारा उक्त भूखण्ड को केता नसीम बानो पति मो. यासीन निवासी क्वा.नं. 2/ए स्ट्रीट नं. 72 सेक्टर-6 भिलाई नगर जिला दुर्ग के पास 31,00,000/- रूपये (इकतीस लाख रूपये) में विकय करने का सौदा तय कर बतौर ब्याना राशि 5,00,000/- रूपये (पांच लाख रूपये) प्राप्त किया जा चुका है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड के विकय की अनुमति बायत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 09.09.2026 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिस भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14.08.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पद मुद्रा से प्रकाशन हेतु जारी किया जाता है।

मुहर — **नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)**

नाम/परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मैं उपाशना साहू (UPASHANA SAHU) ध.प. श्री ईश्वर साहू निवासी-वार्ड नं. 06 ठेठवार पारा गयानगर दुर्ग (छ.ग.) यह शपथ करती हूँ कि मैने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम उपासना साहू (UPASANA SAHU) ध.प. श्री ईश्वर साहू रख ली हूँ, अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों मे मेरे नये नाम उपासना साहू (UPASANA SAHU) ध.प. श्री ईश्वर साहू से ही जाना पहचाना जावे।

शपथकर्ती
उपाशना साहू ध.प. श्री ईश्वर साहू निवासी-वार्ड नं. 06 ठेठवार पारा गयानगर दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं हरिंदर सिंह (माता/पिता/ पालक का नाम) सुपुत्र चन्द्रावली सिंह, निवासी एल.आई.जी.- 8/1, नेहरू नगर ईस्ट भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) राज्य ने अपने नाबालिक सुपुत्र ओजसव सिंह (OJASAVA SINGH) (पुराना नाम) से बदल कर ओजस सिंह (OJAS SINGH) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
हरिंदर सिंह सुपुत्र चन्द्रावली सिंह, निवासी- एल.आई.जी. 8/1, नेहरू नगर ईस्ट भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं रोहित कुमार साहू आत्मज पन्ना लाल साहू, उम्र 34 वर्ष, निवासी-ग्राम सेमरिया, लिटिया सेमरिया, तहसील बोरी, जिला-दुर्ग (छ.ग.) ने अपना पुत्र का नाम प्रियांशु साहू (PRIYAN SAHU) से बदलकर हेमांशु साहू (HEMANSHU) रख लिया है।

शपथकर्ता
रोहित कुमार साहू आ. पन्नालाल साहू, निवासी-ग्राम सेमरिया, लिटिया सेमरिया, तहसील बोरी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी-राजस्व

ईश्तहार

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न. 00004 सांकरा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण- आर.डी. 202526430302400041

तहसील पाटन के प.ह.न. 00006 के अंतर्गत ग्राम सांकरा के वर्तमान भूमिस्वामी अनुकुल जोसेफ पिता/पति जान जोसेफ फिरोजा जोसेफ पिता/पति अनुकुल जोसेफ पता सा. भिलाई के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1472/3 (0.0220) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता अनुभव जोसफ पिता/पति अनुकुल जोसफ पता मकान नं. बी हास्पिटल सेक्टर पश्चिम भिलाई नगर तह. व जिला दुर्ग के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 27.08.2026 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार पाटन पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पुर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/ आममुख्तयार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 04.08.2026 को जारी किया जाता है।

मुहर — **तहसीलदार पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती दुलारी पति स्व0 बसंत कुमार निवासी कुरूद भिलाई द्वारा ग्राम कुरूद प0ह0नं0 46 स्थित भूमि ख0नं0 1574/145 रकबा 0.020हे0 भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 02.09.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10.08.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — **अतिरिक्त तहसीलदार भिलाईनगर (छ.ग.)**

न्यायालय नायब तहसीलदार बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202607104400006 /अ-06/वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मुकेश तिवारी पिता स्व. राधेश्याम तिवारी एवं अन्य 15 जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम टेकापार तहसील बोरी जिला दुर्ग ग्राम-टेकापार प.ह.नं.-03 रा.नि.म. बोरीबुजुर्ग तहसील बोरी स्थित शामिलात खाता में दर्ज भूमि खसरा नंबर 913 1091 रकबा 0.18 हे. 1.04 हे. कुल खसरा नंबर 02 कुल रकबा 1.22 हे. वर्तमान राजस्व अभिलेख में श्याममुरारी पिता प्रहलाद एवं अन्य-05 के नाम पर दर्ज हैं। उक्त भूमि में सहखातेदार (1) राधेश्याम पिता प्रहलाद की मृत्यु दिनांक 05.05.2011 (2) कलावती पति प्रहलाद की मृज्य दिनांक 03.10.2001 में (3) मदन लाल पिता अंजोरी लाल की मृत्यु दिनांक 03.03.1994 को हो जाने के कारण मृतक सहखातेदारगण का नाम राजस्व अभिलेख से विलोपित कर उनके विधिक वारिसानों में नेमीचंद तिवारी का नाम दर्ज किये जाने बाबत् आवेदन-पत्र इस न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया हैं। आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं। जिस पर प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः नेमीचंद तिवारी का नाम दर्ज किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति/दावा हो तो वे नियत समय में स्वयं अथवा अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ सुनवाई दिनांक 18.09.2026 को या उसके पूर्व उपस्थित होकर अपना आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — **नायब तहसीलदार बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.)**

नाम/परिवर्तन

मैं श्रीमती कुमारी दलाई (Kumari Dalai) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पति-बाबाजी (Babaji) गांव/शहर क्वार्टर नंबर 15 जी, स्ट्रीट-8, सेक्टर-7, भिलाई पोस्ट सिविक सेंटर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग, पिन नं. 490006, छत्तीसगढ़ ने अपना नाम-कुमारी दलाई (Kumari Dalai) पति बाबाजी (Babaji) (पुराना नाम) से बदलकर-कुमारी (Kumari) पति बाबाजी (Babaji) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ती
श्रीमती कुमारी दलाई पति बाबाजी गांव/शहर क्वार्टर नंबर 15 त्र, स्ट्रीट-8, सेक्टर-7, भिलाई पोस्ट सिविक सेंटर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रताप कुमार साहू पिता बुधारू राम साहू निवासी मकान नं. 95 गाँव बोडेगाँव दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग) 491001 का हूँ जो यह शपथ करता हूँ कि मेने अपना पुराना नाम प्रताप कुमार पिता बुधारू राम से बदलकर नया नाम प्रताप कुमार साहू पिता बुधारू राम साहू रख लिया हूँ। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में मेरे नए नाम प्रताप कुमार साहू पिता बुधारू राम साहू से ही जाना पहचाना एवं पुकारा जावे।

शपथकर्ता
प्रताप कुमार साहू पिता बुधारू राम साहू निवासी म न 95 गाँव बोडेगाँव दुर्ग जिला-दुर्ग (छ.ग)

नाम/परिवर्तन

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अब्दुल नासिर पिता अब्दुल जब्बार निवासी गौरी नगर वार्ड न 14 राजनांदगांव जिला-राजनांदगांव (छ.ग) 491441 का हूँ जो यह शपथ करता हूँ कि मेने अपना पुराना नाम अब्दुल नासिर खान पिता अब्दुल जब्बार से बदलकर नया नाम अब्दुल नासिर पिता अब्दुल जब्बार रख लिया हूँ। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में मेरे नए नाम अब्दुल नासिर पिता अब्दुल जब्बार से ही जाना पहचाना एवं पुकारा जावे।

शपथकर्ता
अब्दुल नासिर पिता अब्दुल जब्बार निवासी गौरी नगर वार्ड 14 राजनांदगांव जिला-राजनांदगांव (छ.ग)

नाम/परिवर्तन

मैं ऐतेशाम खान पिता अब्दुल रहमान, उम्र 27 वर्ष, निवासी-दाऊ चौरा, खैरागढ़, तहसील खैरागढ़ जिला-के.सी.जी. (छ.ग.) ने अपना पुत्री का नाम अदीरा फातिमा (Adira Fatima) (पुराना नाम) से बदल कर अनाया फातिमा (Anaya Fatima) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
ऐतेशाम खान पिता अब्दुल रहमान निवासी-दाऊ चौरा, खैरागढ़, तहसील-खैरागढ़, जिला के.सी.जी. (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मैं रोमन लाल कोसरे (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र शुकदेव कोसरे, निवासी वार्ड नं. 39, डिपरा पारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) राज्य ने अपने नाबालिक सुपुत्री वामनी कौसरे (DAMANI KOSRE) (पुराना नाम) से बदल कर वामिनी कोसरे (DAMINI KOSRE) (नया नाम) रख लिया है।

शपथकर्ता
रोमन लाल कोसरे सुपुत्र शुकदेव कोसरे निवासी वार्ड नं. 39, डिपरा पारा दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै सेवक राम (SEVAK RAM) पिता श्री जुगरू राम निवासी मकान नं. 25, वार्ड नंबर-2, पाऊवारा, उतई जिला दुर्ग (छ.ग.) 491107 यह शपथ करता हूं कि मैने अपना यह पुराना नाम सेवक राम (SEVAK RAM) को त्याग कर अपना नया नाम सेवक राम (SEWAK RAM) रख लिया हूं। अत: आज से मुझे समस्त शासकीय एवं अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नया नाम सेवक राम (SEWAK RAM) से ही जाना जावे।

शपथकर्ता
सेवक राम पिता श्री जुगरू राम निवासी मकान नं. 25, वार्ड नंबर-2, पाऊवारा उतई जिला दुर्ग (छ.ग.)

नाम/परिवर्तन

मै शपथकर्ती भूमि (BHUMI) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पिता डेरहू राम (DERHOO RAM) उम्र 18 वर्ष, पता-साहू पारा, टठिया, मोहलई तहसील धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.) एतद् द्वारा मै पूर्णत: पुष्टि करती हूं तथा निम्नानुसार घोषित करती हूं। यह कि मै उपरोक्त पते की स्थायी निवासी हूं। मेरा पुराना नाम भूमि (BHUMI) और मैं अपना नाम बदलकर भूमिका निषाद (BHUMIKA NISHAD) (नया नाम) करवाना चाहती हूं। मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नही है, और ना ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है। मै अपना नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करती हूं उसके लिए मै पूर्णत: स्वयं जिम्मेदार रहूंगी। मै यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो हवास में रहकर हस्ताक्षर कर रही हूं तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तत कर रही हूं।

शपथकर्ती
भूमि पिता डेरहू राम पता-साहू पारा, टठिया मोहलई तह. धमधा जिला दुर्ग (छ.ग.)

7 सितंबर तक निर्णय नहीं तो क्रमिक भूख हड़ताल की चेतावनी

छत्तीसगढ़ के सुशासन में किसान को भूख हड़ताल की नौबत: टेक सिंह चंदेल

धमधा/नवप्रदेश। किसान बंधु संगठन धमधा ब्लॉक की बैठक रविवार को ग्राम पेंड्री में आयोजित की गई। बैठक में किसानों एवं ग्रामीणों की लंबित समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें ढ्ढष्ठक्चढ्ढ बैंक से जुड़े ऋण माफी प्रकरण को सबसे प्रमुख मुद्दे के रूप में उठाया गया। साथ ही ग्राम परसबोड़ में आबादी एवं मुख्य मार्ग के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग पर भी चर्चा हुई।

54 किसानों के IDBI माफी का मामला लंबित

किसान बंधु संगठन के अनुसार ग्राम परसबोड़, कूटहा, खपरी, पेंड्री, खैरझिटी एवं हिरेतरा के करीब 54 किसान ढ्ढष्ठक्चढ्ढ बैंक की नेहरू नगर भिलाई, दुर्ग एवं चरोदा शाखाओं से संबंधित ऋण माफी के मामले को लेकर लंबे समय से परेशान हैं। किसानों का कहना है कि इस मामले को लेकर पूर्व में दुर्ग कलेक्टर के समक्ष आवेदन दिया जा चुका है। प्रशासन द्वारा प्रभावित किसानों की सूची भी मंगाई गई और कई स्तर पर बैठकें हुईं, लेकिन अब तक किसानों को ठोस समाधान नहीं मिल पाया है।

किसानों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की जांच कर पात्र किसानों को ऋण माफी का लाभ दिलाया जाए तथा मामले का शीघ्र निराकरण किया जाए।

परसबोड़ में ट्रांसफार्मर से सुरक्षा का सवाल : बैठक में ग्राम परसबोड़ में आबादी एवं मुख्य मार्ग के पास स्थापित विद्युत ट्रांसफार्मर को भी प्रमुखता से उठाया गया। ग्रामीणों के अनुसार ट्रांसफार्मर को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए पूर्व में विद्युत विभाग को आवेदन दिया गया था। विभाग की ओर से इसके लिए ?76,444.62 की डिमांड जारी की गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि इतनी बड़ी राशि गरीब ग्रामीणों के लिए जमा करना मुश्किल है। उनका तर्क है कि मामला केवल सुविधा का नहीं, बल्कि जनसुरक्षा से जुड़ा हुआ है।

सितंबर तक फैसला नहीं तो आंदोलन

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पूर्व में दुर्ग कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में शामिल किसानों की मांगों पर 7 सितंबर तक किसानों के हित में ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो 7 सितंबर से क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी।

न्यूज गैलरी

10 जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिली 3-3 हजार रुपये की सहायता

बागबाहरा/नवप्रदेश। कृषि क्षेत्र की अग्रणी बायोस्टैड इंडिया लिमिटेड (मुंबई) द्वारा सामाजिक सरोकार की दिशा में एक सराहनीय पहल की गई है।

कंपनी ने अपने प्रमुख जैव उत्पाद बायोज़ाइम की 40वीं वर्षगांठ के सुअवसर पर ग्राम गांजर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बायोस्टैड प्रगति स्कॉलरशिप' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना है। कंपनी के सामाजिक उत्तरदायित्व और पढ़ाई में सहारा, कर्तव्य हमारा के मूल संदेश के तहत कक्षा 10वीं के 10 होनहार छात्र-छात्राओं का चयन कर उन्हें तीन- तीन हजार की छात्रवृत्ति राशि प्रदान की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री गणेश कृषि केन्द्र बागबाहरा के संचालक दुर्गेश चन्द्राकर उपस्थित रहे। उनके साथ अतिथि हुलाश चन्द्राकर एवं रूपराम धीवर भी शामिल हुए। ग्राम पंचायत गांजर के सरपंच गोयल चन्द्राकर, उपसरपंच श्रीमती तुलेश्वरी साहू, विद्यालय के प्राचार्य देवेन्द्र कुमार साहू, अध्यक्ष हेमंत सिन्हा एवं उपाध्यक्ष श्रीमती जागेश्वरी साहू की गरिमामयी मौजूदगी रही। कार्यक्रम का सफल संचालन बायोस्टैड कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधक लेखचंद खाण्डे, विकास कुम्हार, देवेन्द्र कुमार और धंजन की देखरेख में संपन्न हुआ।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संघ की नई कार्यकारिणी घोषित, सुनील साहू बने जिलाध्यक्ष

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संघ का

चुनाव 15 अगस्त को संपन्न हुआ। जिलाध्यक्ष पद के लिए सुनील साहू, संतोष साहू और कुश अग्रवाल चुनावी मैदान में थे। चुनाव में सुनील साहू ने पुनः जिलाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होकर संगठन की कमान संभाली। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का गठन मंगलवार को जिला सर्किट हाउस में किया गया। इस दौरान संघ की नई कार्यकारिणी में संरक्षक के रूप में प्रवीण ढोमने और कैलाश जायसवाल, अध्यक्ष सुनील साहू, उपाध्यक्ष योगेश यादव अरविंद मिश्रा, सचिव दीपेंद्र शुक्ला, सह सचिव जयप्रकाश साहू तथा मीडिया प्रभारी के रूप में हेमंत बघेल और आनंद वाकडे को जिम्मेदारी दी गई।इसके अलावा संघ के सदस्य अजय यादव, केशव साहू, देवेश साहू, शेखर वर्मा, कुश अग्रवाल, संतोष साहू, भानु प्रताप साहू, आलोक मिश्रा, ओम जायसवाल, सुरेश पुरैना, चतुर्मूर्ति वर्मा, चंदू वर्मा, नरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संघ के सदस्य मौजूद रहे। नव नियुक्त पदाधिकारियों को संघ के जिलाध्यक्ष एवं सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, पत्रकारों की सुरक्षा, पत्रकारों के हितों से जुड़े मुद्दों तथा आने वाले समय में संघ की कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने संगठन को सक्रिय और मजबूत बनाने के साथ पत्रकारों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने पर भी जोर दिया।

मृतक श्रमिक के परिवार की मांग पूरी, इंटक ने जताया संतोष

धरसीवां/नवप्रदेश। ग्राम जरौदा स्थित नूतन इस्पात एंड पावर में कार्य के दौरान करंट लगने से घायल हुए श्रमिक स्वर्गीय अनिल यादव की उपचार के दौरान 1 जुलाई 2026 को मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद मृतक श्रमिक के परिवार को न्याय एवं उचित मुआवजा दिलाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (इंटक) द्वारा लगातार आवाज उठाई गई थी।

सेवा सुरक्षा, पदोन्नति, पेंशन, वेतन विसंगति एवं व्यावसायिक योग्यता से जुड़े विषय

जिले में टेट अनिवार्यता एवं अन्य मांगों को लेकर रैली में उमड़ा शिक्षकों का जनसैलाब

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा जिला गरियाबंद द्वारा जिले के शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं एवं मांगों के निराकरण को लेकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया है। मोर्चा ने मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव, संचालक एवं जिला शिक्षा अधिकारी गरियाबंद के नाम ज्ञापन प्रस्तुत कर शिक्षक संवर्ग से जुड़ी पांच प्रमुख मांगों का शीघ्र निराकरण किए जाने की मांग की है।

मोर्चा का कहना है कि प्रदेश में कार्यरत शिक्षक संवर्ग की सेवा सुरक्षा, पदोन्नति, पेंशन, वेतन विसंगति एवं व्यावसायिक योग्यता से जुड़े विषय लंबे समय से महत्वपूर्ण बने हुए हैं। इन समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए शासन स्तर पर आवश्यक निर्णय लेकर आदेश जारी किया जाना चाहिए।

प्रदेश स्तर पर भी शिक्षक संघर्ष मोर्चा द्वारा टेट की शर्त के बिना वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति सहित पांच सूत्रीय मांगों को प्रमुखता से उठाया जा रहा है।

पूर्व सेवा की गणना कर पेंशन सहित सभी लाभ देने की मांग : ज्ञापन में शिक्षक एलबी संवर्ग की पंचायत एवं नगरीय निकाय में की गई प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करने की मांग की गई है। मोर्चा ने कहा है कि पूर्व सेवा अवधि को गणना में शामिल कर शिक्षकों को पुरानी पेंशन सहित शिक्षा विभाग में लागू सभी पात्र लाभ प्रदान किए जाएं।

केंद्रीय वेतनमान के आधार पर वेतन निर्धारण : शिक्षक संवर्ग में व्याप्त वेतन विसंगति को दूर करने के लिए मोर्चा ने केंद्रीय वेतनमान की संरचना के आधार पर वेतन निर्धारण किए जाने की मांग की है। मोर्चा का मानना है कि वेतन विसंगति के कारण शिक्षकों को लंबे समय से आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए शासन को इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

13 फरवरी 2026 के राजपत्र में आवश्यक संशोधन की मांग : ज्ञापन में छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2026 में शिक्षक एलबी संवर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संशोधन करने की मांग भी रखी गई है। स्कूल शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर 2026 के भर्ती एवं पदोन्नति नियम उपलब्ध हैं।

बीएड के लिए विभागीय ब्रिज कोर्स की मांग : मोर्चा ने प्रशिक्षित सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याताओं के लिए शिक्षा विभाग द्वारा योजना बनाकर बीएड का विभागीय ब्रिज कोर्स कराए जाने की मांग की है।

टेट की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग

मोर्चा की प्रमुख मांग है कि सेवारत शिक्षक संवर्ग के लिए टेट की अनिवार्यता समाप्त कर सेवा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा टेट की पात्रता प्राप्त करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय दिए जाने के संदर्भ में सेवारत शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए पदोन्नति में टेट की अनिवार्यता समाप्त की जाए तथा वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए।

ऑडिट व्यवस्था को लेकर एसडीओ ने जनपद सीईओ को लिखा पत्र

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। महालेखाकार (लेखापरीक्षा) छत्तीसगढ़, रायपुर द्वारा 25 अगस्त 2026 से 1 सितंबर 2026 तक जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के खातों का ऑडिट किया जाना है। इस संबंध में कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, उपसंभाग डोंगरगढ़ द्वारा 24 अगस्त 2026 को जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र भेजकर ऑडिट से जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर स्पष्ट स्थिति सामने रखी गई है।

पत्र में एसडीओ ग्रामीण यांत्रिकी सेवा ने महालेखाकार कार्यालय के ऑडिटर के ग्राम पंचायतों में भ्रमण, निरीक्षण तथा रहने और भोजन, चाय-नाश्ता आदि की आवश्यक व्यवस्था को लेकर अपनी असमर्थता जाहिर की है। उन्होंने पत्र में स्पष्ट किया है कि उनके कार्यालय के पास इस प्रकार की व्यवस्था के लिए किसी भी प्रकार का आवंटन उपलब्ध नहीं है और न ही ऐसी राशि व्यय करने का अधिकार है। एसडीओ ने बताया कि ऑडिट से संबंधित किसी भी नस्ती अथवा दस्तावेज का उनके कार्यालय में उपलब्ध होना भी आवश्यक नहीं है। महालेखाकार कार्यालय रायपुर के पत्र के अनुसार ऑडिटर को आवश्यक शासकीय दस्तावेज उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी संबंधित कार्यालय की है।पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि ऑडिट के लिए संबंधित ऑडिटर अपने खर्च पर दौरा करते हैं और उन्हें शासन से दैनिक दौरा भत्ता प्राप्त होता है। वहीं, शासन के संबंधित निर्देशों में दिए गए स्थापना विवरण के अनुसार अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा ऑडिट के अधीन कार्यरत अधिकारी नहीं हैं। एसडीओ ने स्पष्ट किया कि ऑडिटर के ग्राम पंचायतों के भ्रमण, निरीक्षण तथा रहने और भोजन, चाय-नाश्ते की आवश्यक व्यवस्था जनपद पंचायत स्तर पर अन्य किसी कर्मचारी के माध्यम से कराई जा सकती है। पत्र के अंतिम हिस्से में एसडीओ ने दो टूक कहा है कि ऑडिटर के भ्रमण, निरीक्षण एवं रहने तथा भोजन, चाय-नाश्ता की व्यवस्था के लिए उनके पास न तो किसी प्रकार का आवंटन है।

गर्मी में हर बूंद की होगी बेहतर व्यवस्था, शहर की पेयजल प्रणाली को किया जा रहा सुदृढ़

भाटापारा/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद भाटापारा द्वारा शहर के विकास को नई गति देने तथा नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। बुधवार, 26 अगस्त 2026 को संत रविदास वार्ड स्थित अंबेडकर चौक के पास शाम 5:30 बजे विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रमाणपत्र एवं आवास की चाबी वितरण का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा,भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद यादव एवं नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, नगर पालिका उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया,राकेश तिवारी जी भाजपा विशेष आमंत्रित सदस्य,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश रात्रे,डॉ मोहन बांधे, भाजपा जिलाउपाध्यक्ष सुनील यदु,भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष मनिंदर सिंह गुम्बर,भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष महाबल बघेल,मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत, जल विभाग सभापति श्रीमती सीता अशोक साहू एवं समस्त पार्षदगण की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।कार्यक्रम के दौरान नगर की पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कार्यों का भूमिपूजन किया जाएगा।

कुरूद में स्कूलों की बदहाली पर गरमाई सियासत

भाजपा का कांग्रेस पर तीखा हमला, बोली– 'रीलबाजी और जुमलेबाजी छोड़ अपने कार्यकाल का हिसाब दें कांग्रेसी'

कुरूद/नवप्रदेश। शासकीय विद्यालयों की जर्जर अधोसंरचना को लेकर कांग्रेस द्वारा छेड़े गए 'स्कूल ठीक करो अभियान' के पश्चात कुरूद विधानसभा क्षेत्र का सियासी पारा चरम पर पहुँच गया है। कांग्रेस के निरीक्षण दौरों और तीखे आरोपों का कड़ा प्रत्युत्तर देते हुए भारतीय जनता पार्टी के शहर प्रभारी भोजराज चंद्राकर ने इसे विशुद्ध राजनीतिक प्रहसन, जुमलेबाजी और जनता को दिग्भ्रमित करने वाली 'रीलबाजी' करार दिया है।

सालों सत्ता में रहकर साधी चुप्पी, अब घड़ियाली आंसू: भाजपा : ?भाजपा नगर प्रभारी भोजराज चंद्राकर ने कांग्रेस के शीर्ष स्थानीय नेतृत्व पर सीधा प्रहार करते हुए उनके कार्यकाल की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि नीलम चंद्राकर एवं तारिणी चंद्राकर दीर्घकाल तक जिला पंचायत के नीति-निर्धारक पदों पर आसीन रहीं, वहीं मनीष साहू भी विगत एक दशक से पार्षद पद का दायित्व संभाल रहे हैं।

चंद्राकर ने तीखे स्वर में पूछा: जब ये नेता सत्ता और पदों पर काबिज थे, तब विद्यालयों के जीर्णोद्धार, शुद्ध पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु इन्होंने क्या ठोस पहल की क्या अपने संपूर्ण कार्यकाल में इन्होंने विधायक अजय चंद्राकर को शाला उन्नयन अथवा मरम्मत हेतु कोई लिखित प्रस्ताव प्रेषित किया? यदि हाँ, तो उसे सार्वजनिक पटल पर प्रस्तुत करें।

प्राथमिक शाला आंदू परिसर में शिक्षकों ने बनाया किचन गार्डन

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिलें के शासकीय प्राथमिक शाला आंदू के परिसर में शिक्षक आशीष वर्मा, वीरेंद्र बन्छोर एवं अनीश दास मानिकपुरी ने पहल करके पूर्व में बनाए गए बागवानी स्थल पर किचन गार्डन का निर्माण किया है। शिक्षकों ने 51 नग मिर्ची के पौधे लगाए, साथ ही साथ तीन नग आम के पौधे, धनिया एवं मेथी के पौधों के लिए बीजरोपण किया।

शिक्षकों ने बताया कि पूर्व में बनाए गए बागवानी को ग्राम के असामाजिक तत्वों ने उजाड़ दिया था, इस वर्ष बच्चों को अपने स्कूल के किचन गार्डन से हरी साग सब्जी मिल सके, इसके लिए शिक्षकों की ओर से एक पहल की जा रही है। जिससे किचन सेड स्थल के समीप ही किचन गार्डन का निर्माण किया गया है। शिक्षकों ने बताया कि निकट भविष्य में और भी साग सब्जी के पौधे रोपित किए जाएंगे। बच्चों को निकट भविष्य में पौष्टिक सब्जी मिल सके इसके लिए शिक्षकों ने भाजी के बीज रोपण किए जाने की बात भी की है।

कन्या विद्यालय में छात्राओं की पढ़ाई से खिलवाड़

- **17 से 22 अगस्त तक बिना पूर्व अनुमति रहीं अवकाश पर, पोर्टल में आवेदन भी समय पर नहीं किया दर्ज**

नवापारा राजिम। शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय नवापारा में छात्राओं की शिक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विद्यालय की शिक्षिका पूनम चंद्राकर पर आरोप है कि उन्होंने संस्था प्रमुख को पूर्व सूचना दिए बिना तथा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना 17 अगस्त से 22 अगस्त तक अवकाश लिया। सबसे गंभीर बात यह बताई जा रही है कि अवकाश पर जाने से पहले उन्होंने विभागीय पोर्टल पर अवकाश आवेदन तक दर्ज नहीं किया।बताया जा रहा है कि शिक्षिका द्वारा अवकाश के लिए आवेदन की प्रक्रिया 22 अगस्त को पूरी की गई, जबकि वे इससे पहले ही कई दिनों तक विद्यालय से अनुपस्थित रह चुकी थीं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब अवकाश स्वीकृत ही नहीं था तो संबंधित शिक्षिका किस आधार पर लगातार विद्यालय से अनुपस्थित रहीं?यदि अवकाश आवेदन वास्तव में निर्धारित समय पर नहीं दिया गया था और बाद में उसमें तारीख बदलकर पूर्व की अनुपस्थिति को सही ठहराने का प्रयास किया गया है, तो यह महज लापरवाही नहीं बल्कि विभागीय प्रक्रिया और अभिलेखीय पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।छात्राओं की पढ़ाई पर सीधा असर-शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में बड़ी संख्या में छात्राएं अध्ययनरत हैं। ऐसे में शिक्षकों की बिना अनुमति अनुपस्थिति का सीधा असर छात्राओं की पढ़ाई पर पड़ना स्वाभाविक है। सवाल यह है कि यदि कोई शिक्षक बिना पूर्व स्वीकृति के कई दिनों तक अनुपस्थित रहता है तो उसकी कक्षाओं की वैकल्पिक व्यवस्था कौन करता है और छात्राओं के शैक्षणिक नुकसान की जिम्मेदारी किसकी तय होती है?

अभिभावकों का कहना है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति और समय पर कक्षाएं लगना छात्राओं के भविष्य से जुड़ा विषय है। यदि अवकाश लेने की प्रक्रिया में ही मनमानी होगी तो शिक्षा व्यवस्था की जवाबदेही पर सवाल उठना तय है।

पेज 1 का शेष...

हेमाबंद में पशु क्रूरता पर प्रशासन...

दर्ज कर उसे और उसके पुत्र संजय राय को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस के अनुसार, हेमाबंद निवासी दिलीप राय (55 वर्ष) और संजय राय (35 वर्ष) के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 325, 299, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(क), 11(1)(ज) तथा छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6 एवं 10 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

बिलासपुर एयरपोर्ट का संचालन...

अप्रोच लेकर निर्णय लेने का निर्देश एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को दिया।

राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अतिरिक्त महाधिवक्ता ने खंडपीठ को बताया कि जन सुविधा बिल्डिंग का काम पिछड़ने पर मंत्रालय और कलेक्टर दोनों द्वारा संज्ञान लिया गया है और हाईकोर्ट द्वारा तय की गई नई समय सीमा के आधार पर 20 अक्टूबर तक इसे अवश्य पूरा कर दिया जाएगा। इसके अलावा बाउंड्रीवॉल और पेरीफेरी रोड के डामरीकरण के टेंडर भी स्वीकृत होकर कार्य आदेश जारी कर दिया गया है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष श्रीवास्तव और सुदीप श्रीवास्तव ने हवाई उड़ानों में हुई कमी पर ध्यान आकर्षित किया और विशेष रूप से बिलासपुर जबलपुर दिल्ली रूट पर उड़ान बंद हो जाने का मामला उठाया। राज्य सरकार की ओर से जवाब में बताया गया कि आगामी अक्टूबर माह में जो विंटर शेड्यूल लागू होगा उसमें इस पर सुधार करने के लिए आवश्यक विचार विमर्श जारी है और राज्य सरकार की कोशिश होगी कि बिलासपुर से उड़ानों की संख्या को बढ़ाया जाय। याचिकाकर्ताओं की ओर से केंद्र की उड़ान योजना में भी सभी रूट को शामिल कर प्रस्ताव भेजने की मांग की गई। मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर को रखी गई है।

छत्तीसगढ़ में जेन अल्फा...

में शिक्षकों की कमी दूर की जाएगी और उनकी मांगों पर कार्रवाई होगी, लेकिन 25 अगस्त तक शिक्षकों की कमी पूरी नहीं हुई। ऐसे में मांगें पूरी नहीं होने से नाराज स्टूडेंट्स ने मंगलवार को दोबारा चक्काजाम कर दिया। उनका कहना है कि वे पढ़ाई छोड़कर सड़क पर नहीं बैठना चाहते, लेकिन जब स्कूल में पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षक ही नहीं हैं, तो उनकी पढ़ाई और भविष्य प्रभावित हो रहा है।

ओपन स्कूल बंद करने की भी मांग

स्टूडेंट्स की मांग सिर्फ शिक्षकों की कमी दूर करने तक सीमित नहीं है। वे ओपन स्कूल बंद करने की मांग को लेकर भी प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि स्कूल में जो कुछ शिक्षक हैं, उन्हें भी ओपन स्कूल में भेज दिया जाता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्टूडेंट्स का कहना है कि जब स्कूल में पर्याप्त शिक्षक और पढ़ाई के लिए जरूरी व्यवस्था नहीं है, तो उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वे स्कूल में नियमित पढ़ाई करना चाहते हैं। उनका आंदोलन किसी राजनीतिक मुद्दे को लेकर नहीं, बल्कि अपनी पढ़ाई और भविष्य से जुड़ी समस्याओं को लेकर है।

देवेंद्र यादव की एसएलपी...

आवश्यक सांविधिक जानकारी का समुचित खुलासा नहीं किया गया। इसके अलावा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत भ्रष्ट आचरण से जुड़े आरोप भी याचिका में लगाए गए हैं।

हाईकोर्ट के आदेश को दी थी चुनौती

देवेंद्र यादव ने हाईकोर्ट में सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत आवेदन दाखिल कर निर्वाचन मामले के मुद्दा संख्या 2 और 4 को प्रारंभिक मुद्दों के रूप में तय करने की मांग की थी। ये मुद्दे नामांकन शपथ-पत्र में आवश्यक जानकारी के प्रकटीकरण और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 83 के अनुपालन से जुड़े थे। 30 जून 2026 को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने यादव की मांग खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने माना था कि संबंधित मुद्दे तथ्य और कानून के मिश्रित प्रश्न हैं, इसलिए उनका फैसला साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने के बाद नियमित ट्रायल के दौरान किया जाना उचित होगा। हाईकोर्ट के इसी आदेश के खिलाफ देवेंद्र यादव ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी सीविल नंबर 28778/2026 दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद याचिका खारिज करते हुए हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप का आधार नहीं पाया।

पहले भी खारिज हो चुकी है एक एसएलपी

निर्वाचन विवाद से जुड़ी यह देवेंद्र यादव की दूसरी महत्वपूर्ण एसएलपी है, जिसे सुप्रीम कोर्ट में राहत नहीं मिली। इससे पहले उन्होंने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा आदेश वीआईआई नियम 11 सीपीसी के तहत उनके आवेदन को खारिज किए जाने के आदेश को एसएलपी सीवील नंबर 6306/2025 के जरिए चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह याचिका भी 24 फरवरी 2026 को खारिज कर दी थी।

दोनों पक्षों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने की पैरवी

सुप्रीम कोर्ट में देवेंद्र यादव की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने पैरवी की। वहीं प्रेम प्रकाश पांडेय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने पक्ष रखा।

अब हाईकोर्ट में आगे बढ़ेगा निर्वाचन ट्रायल

सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसएलपी खारिज किए जाने के बाद अब निर्वाचन याचिका क्रमांक 9/2024 में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट, बिलासपुर के समक्ष नियमित ट्रायल आगे बढ़ेगा। दोनों पक्षों को अब निर्धारित मुद्दों पर साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे।

स्कूल में हिजाब पहनने...

ने इसके साथ ही नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज कर दी। इसमें स्कूल के तय ड्रेस कोड के साथ हिजाब पहनकर कक्षा में बैठने की अनुमति मांगी गई थी।

जाति जनगणना के सवालों...

सवालों में पिछड़ा वर्ग शब्द नहीं होने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इससे देश में ओबीसी आबादी का सही आंकड़ा सामने आने में परेशानी हो सकती है। तेलंगाना और बिहार जैसी प्रक्रिया अपनाने की मांग की है। बता दें कि जनगणना में 40 सवाल पूछे जाएंगे।

कम तेल, पूरा दाम का खेल...

बीच अंतर को लेकर भ्रमित हो रहे थे और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा था। कंपनी और कारोबारियों को 31 अगस्त तक पुराना स्टॉक खपाने की मोहलत दी गई है।

बहनों के स्नेह से सजी...का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब वर्ष 2017 में रक्षाबंधन के ठीक एक दिन पूर्व नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद उपनिरीक्षक युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी।

गुरुग्राम में बारिश से सब जलमग्न!

नई दिल्ली/ए.। बारिश का बड़ा असर स्कूल जाने वाले बच्चों पर पड़ा। सोमवार को कई स्कूल बसें पानी में घंटों फंसी रहीं और बच्चों को घर पहुंचने में 5 से 6 घंटे तक लग गए। इसके बाद मंगलवार को स्कूलों को ऑनलाइन क्लास की सलाह दी गई।

इन इलाकों में सबसे ज्यादा असर?

रिपोर्ट्स के मुताबिक नरसिंहपुर, हीरो होंडा चौक, राजीव चौक, इफ्को चौक, रेलवे रोड, सेक्टर-5, ओल्ड दिल्ली रोड, मेहरौली रोड और बसई रोड जैसे कई प्रमुख इलाकों में भारी जलभराव देखने को मिला। नाहरपुर अंडरपास डूब गया, जबकि सोहना रोड पर स्कूल बसें और एंबुलेंस तक पानी में फंस गई। दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर घंटों लंबा जाम लगा रहा।

सबसे ज्यादा मुश्किल बच्चों को हुई। कई स्कूल बसें पानी में घंटों फंसी रहीं और बच्चों को घर पहुंचने में 5 से 6 घंटे तक लग गए। इसके बाद जिला प्रशासन ने मंगलवार के लिए सभी सरकारी और निजी स्कूलों की कक्षाएं ऑनलाइन कर दीं।

स्कूली बच्चे तक परेशान दिखे

हरियाणा के गुरुग्राम को 'जलग्राम' का नाम दे दिया जाए, तो कोई अतिश्योक्ति नहीं कहलाएगी। हर बार कुछ ही मिनटों की बारिश में गुरुग्राम की जो हालत होती है, वह किसी से छिपी नहीं है। क्या सड़कें, क्या गाड़ियां और क्या करोड़ों रुपये के फ्लैट्स, सबकुछ जलमग्न हो जाता है। सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश के बाद एक बार फिर ऐसा ही नजारा दिखा। स्कूली बच्चों से लेकर ऑफिस जाने वाले कर्मचारी परेशान दिखें और उन्हें घंटों जाम में फंसा रहना पड़ा। इसके बाद सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इन सब का जिम्मेदार कौन है? इससे पहले सोमवार को करीब 75 मिमी बारिश ने कुछ ही घंटों में गुरुग्राम की सड़कों को तालाब में बदल दिया। गोल्फकोर्स रोड जैसे देश के सबसे महंगे इलाकों में भी पानी भर गया। सोशल मीडिया पर कई पोस्ट्स में लोग इस आपदा को लेकर तंज कसते नजर आए। कई लोगों का कहना है कि गुरुग्राम की बारिश गरीबी और अमीरी का भेद भी मिटा देती है क्योंकि यहां करोड़ों के फ्लैट भी चुटकियों में पानी-पानी हो जाते हैं।

अभिषेक बनर्जी को राहत: तीन और एफआईआर में गिरफ्तारी पर रोक

■ अब 11 केस में सुरक्षा; हाईकोर्ट ने रखीं शर्तें

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी को तीन और एफआईआर में अंतरिम राहत दी है। अदालत ने इन मामलों में गिरफ्तारी समेत सख्त पुलिस कार्रवाई पर रोक लगाई है। इसके साथ ही अब अभिषेक बनर्जी को उनके खिलाफ दर्ज 16 एफआईआर में से 11 मामलों में अंतरिम सुरक्षा मिल चुकी है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 नवंबर की तारीख तय की गई है। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि अभिषेक बनर्जी के खिलाफ अब तक दर्ज सभी एफआईआर की प्रतियां उनके वकील को उपलब्ध कराई जाएं।

जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की सिंगल बेंच ने जिन तीन मामलों में अंतरिम सुरक्षा दी है, उनमें एक एफआईआर दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर थाने में दर्ज है। बाकी दो मामले दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर पुलिस जिले के कालीतला और विष्णुपुर थानों से जुड़े हैं। अदालत की ओर से दी गई यह अंतरिम सुरक्षा 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगी। हाईकोर्ट ने राहत देते हुए स्पष्ट किया कि अभिषेक बनर्जी को तीनों मामलों की जांच में पुलिस के साथ सहयोग करना होगा। अदालत ने कहा कि इन एफआईआर के संबंध में उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने की फिलहाल आवश्यकता नहीं है। अगर जांच एजेंसी उन्हें पूछताछ के लिए समन भेजती है, तो उन्हें जांच अधिकारी के सामने पेश होना होगा। अदालत ने निर्देश दिया कि पेशी की तारीख से कम से कम 48 घंटे पहले उन्हें इसकी सूचना दी जाए।

निःस्वार्थ और निर्लोभी लोगों से मित्रता करने वाला कभी दुःखी नहीं होता : पीएम

नई दिल्ली/ए.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक सुभाषित साझा किया। उन्होंने संस्कृत श्लोक, ÷उत्तमैः सह साङ्गत्यं पण्डितैः सह सत्कथाम्?। अलुब्धैः सह मित्रत्वं कुर्वाणो नावसीदति॥÷ साझा करते हुए इसका हिंदी अर्थ भी बताया। श्लोक का भाव है कि उत्तम व्यक्तियों की संगति, विद्वानों के साथ सत्संवाद तथा निःस्वार्थ और निर्लोभी व्यक्तियों के साथ मित्रता करने वाला व्यक्ति कभी दुःखी नहीं होता।

इससे एक दिन पहले सोमवार को प्रधानमंत्री ने सुभाषित साझा करते हुए लिखा था, "करुणा से आत्म-सम्मान और संतोष से सच्ची खुशी मिलती है। इसी भाव से समाज में सहयोग और सद्भाव की डोर और सशक्त होती है।"

इससे पहले 21 अगस्त को भी प्रधानमंत्री ने सुभाषित साझा किया था। उन्होंने लिखा था, नदियों का अविरल प्रवाह सिखाता है कि हम किस प्रकार अपने सामर्थ्य का उपयोग मानवता की भलाई के लिए कर सकते हैं। निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और परोपकार की यही भावना राष्ट्र को नई दिशा देती है।

आलस्य और आशंकाओं पर विजय

प्रधानमंत्री ने संस्कृत श्लोक, "कारुण्येनात्मनो मानं तृष्णां च परितोषतः। उत्थानेन जयेत्तन्द्रीं वितर्कं निश्चयाज्जयेत॥" भी साझा किया था। इसका हिंदी अर्थ है कि दूसरों के प्रति करुणा का भाव रखने से आत्म-सम्मान प्राप्त होता है और संतोषी होने से तृष्णा पर विजय मिलती है। पुरुषार्थ के माध्यम से आलस्य और निश्चय के माध्यम से आधारहीन आशंकाओं पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

मानव जीवन की सार्थकता का संदेश

पीएम नरेंद्र मोदी ने संस्कृत श्लोक, "जीवनं स्वं परार्थाय नित्यं यच्छत मानवाः। इति सन्देशमाख्यातुं समुद्रं यान्ति निम्नगाः॥" साझा किया था। इसका भावार्थ है कि मनुष्यों को अपना जीवन सदैव दूसरों की सेवा और कल्याण के लिए समर्पित करना चाहिए। जिस प्रकार नदियां बिना किसी स्वार्थ के निरंतर बहते हुए अपने जल से असंख्य प्राणियों का जीवन पोषित करती हैं और अंततः समुद्र में विलीन हो जाती हैं, उसी प्रकार मनुष्य को भी अपने जीवन और सामर्थ्य का उपयोग दूसरों के हित में करना चाहिए। निःस्वार्थ सेवा, परोपकार और लोककल्याण में ही मानव जीवन की वास्तविक सार्थकता है।

बांके बिहारी मंदिर के चढ़ावे में 'बंदरबांट': सुप्रीम कोर्ट नाराज

■ मंदिर की तिजोरी में पहुंचे एक-एक पैसा : एससी

नई दिल्ली/ए.। वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित हेराफेरी और धनराशि के गलत तरीके से निकाले जाने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की ओर से दिया गया एक-एक पैसा या तो मंदिर की दानपेटियों में पहुंचे या ऑनलाइन माध्यम से सीधे मंदिर की कोषागार में जमा हो। अदालत ने कहा कि चढ़ावे की राशि को किसी भी तरह से इधर-उधर किए जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष मंदिर के कामकाज की निगरानी कर रही उच्चाधिकार प्राप्त समिति की स्थिति रिपोर्ट रखी गई। वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने अदालत को बताया कि मामले में बेहद गंभीर स्थिति सामने आई है और तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने अदालत के समक्ष तस्वीरें और एक वीडियो भी पेश किया। सिंह ने बताया कि वीडियो में तीन लोग 'गोलक' यानी पारंपरिक दानपेटी के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं, जो श्रद्धालुओं से पैसे लेकर उन्हें अपनी पॉलीथिन की थैलियों में डाल रहे हैं। मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए पीठ ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि दान की हर राशि दानपेटी या ऑनलाइन माध्यम से मंदिर की कोषागार तक पहुंचनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि सेवायतों या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से इसमें किसी भी तरह की बाधा पैदा की जाती है तो उसे बेहद गंभीरता से लिया जाएगा।

डंपर और कार की जोरदार भिड़ंत, 4 की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली/ए.। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में मसौली थाना क्षेत्र के बिंदौरा गांव के पास एक रोंगटे खड़े कर देने वाला दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ एक तेज रफ्तार डंपर ने सामने से आ रही ऑल्टो कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑल्टो कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग कार के भीतर ही बुरी तरह फंस गए। इस हादसे में तीन महिलाओं समेत चार लोगों की जान चली गई, जबकि 6 साल की एक मासूम बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर तेज धमाके जैसी आवाज हुई और चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने भारी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और स्थानीय पुलिस को सूचना दी। हालांकि, तब तक कार सवार 60 वर्षीय शरीफ, 34 वर्षीय शाजिया खातून और 50 वर्षीय तबस्सुम बानो की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। ये तीनों मृतक श्रावस्ती जिले के भिनगा थाना क्षेत्र स्थित पुरानी बाजार दक्षिणी के निवासी बताए जा रहे हैं।

हादसे में गंभीर रूप से घायल एक लगभग 34 वर्षीय अज्ञात महिला को तुरंत सीएचसी बड़ागांव मसौली पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

तरुण तेजपाल को बड़ा झटका: रेप मामले में 2 हफ्ते के भीतर करना होगा सरेंडर

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट से तरुण तेजपाल को बड़ा झटका लगा है। तरुण तेजपाल को गोवा रेप केस में दो हफ्तों के अंदर सरेंडर करने का सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है। तरुण तेजपाल को बंबई हाईकोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। जिसके बाद तरुण तेजपाल राहत की उम्मीद में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, जहां उन्हें अब सरेंडर करने का आदेश मिला है। अदालत ने कहा कि अगर तेजपाल 22 सितंबर तक अपना सरेंडर सर्टिफिकेट दाखिल कर देते हैं तो मामले को 22 सितंबर को कोर्ट में सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाएगा। तेजपाल की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि सरेंडर से छूट के लिए आवेदन दाखिल किया गया है। उन्होंने दलील दी कि मामला 2013 का है और

2026 तक तेजपाल शुरुआती करीब छह महीने की अवधि को छोड़कर लगातार जमानत पर रहे हैं। सिब्बल ने कहा कि हाई कोर्ट ने भी अपने आदेश पर रोक दी है और सरेंडर से छूट की मांग के कारणों का जिक्र किया है। उन्होंने अदालत से कहा कि अपील को सीधे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए। सिब्बल ने तर्क दिया कि संबंधित कानून में सरेंडर को लेकर कोई बाध्यता नहीं है और ऐसे में अपील सुनवाई योग्य है। उन्होंने कहा कि अपील की सुनवाई से कुछ दिन पहले तेजपाल को जेल भेजने का कोई औचित्य नहीं है। गोवा सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरेंडर से छूट की मांग का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने अपने आदेश पर रोक तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट में राहत के लिए आवेदन करने का अवसर देने के मकसद से लगाई है। मेहता ने कहा कि यह 10 साल की सजा का मामला है और कोर्ट को सरेंडर से छूट देने के सवाल पर मामले की प्रकृति और फैसले में दर्ज निष्कर्षों पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस के अनुसार मामला गंभीर प्रकृति के अपराध से जुड़ा है। इस पर कपिल सिब्बल ने कहा कि वह फिलहाल मामले की मेरिट पर बहस नहीं कर रहे हैं और दूसरी तरफसे भी इस स्तर पर मेरिट पर दलील नहीं दी जानी चाहिए।

नोएडा में स्वाइन फ्लू का खतरा बढ़ा! एक दिन में 105 नए मामले

नोएडा। जिले में मंगलवार को स्वाइन फ्लू के मामलों में अचानक बड़ा उछाल देखने को मिला है। एक ही दिन में 105 नए मामले सामने आने के बाद मरीजों की संख्या बढ़कर 120 पहुंच गई। सोमवार को जिले में स्वाइन फ्लू के केवल 15 मरीज दर्ज थे। स्वास्थ्य विभाग निजी अस्पतालों से मरीजों की रिपोर्ट और अन्य आवश्यक जानकारी जुटा रहा है। साथ ही, सभी मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति पर भी लगातार नजर रखी जा रही है।

समक्ष नोटरी बलौदाबाजार
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग.

// शपथ पत्र //

मैं प्रभुदास मलाकी पिता नवीन कुमार मलाकी उम्र 51 वर्ष जाति ईसाई निवासी छुईहा रै0 तह0बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ0ग0 निम्न कथन शपथ पूर्वक करता हूँ -01- यह कि मेरी पुत्री पीहु मलाकी ने वर्ष 2024-25 में कक्षा 8वीं की परीक्षा सेकेड हार्ट हाई स्कूल बलौदाबाजार से उत्तीर्ण किया है जिसमें रोल नंबर-33 है। जिसका अंकसूची विद्यालय से प्रदान किया गया था जो कि घर की साफ सफाई में गुम हो गया है। जिससे उक्त अंक सूची की दूसरी प्रति प्राप्त करना आवश्यक है।

02- यह कि यह शपथ पत्र उक्त अंक सूची की दूसरी प्रति प्रदान किए जाने हेतु प्रस्तुत है। उक्त संबंध में नियम व शर्ते मुझे मंजूर है। आवश्यक शुल्क देने हेतु मै सहमत हूं।

शपथकर्ता

// सत्यापन //

मैं प्रभुदास मलाकी पिता नवीन कुमार मलाकी सत्यापित करता हूं कि शपथ पत्र की कंडिका 01 से 02 तक में वर्णित कथन मेरी जानकारी से सही है जिसे समझकर आज दिनांक-25/08/2026 को बलौदाबाजार में में अपना हस्ताक्षर किया।

सत्यापनकर्ता
प्रभुदास मलाकी

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग
बीजापुर वनमंडल, बीजापुर, जिला- बीजापुर (छ.ग.)

नीलाम सूचना

सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि बीजापुर वनमंडल के बीजापुर / काष्ठागार/बांसागार के ईमारती काष्ठ एवं अगरबत्ती काड़ी/औद्योगिक बांस का **नीलाम दिनांक 01/09/2026 को प्रातः 09:00 बजे** से एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल के माध्यम से ई- नीलाम द्वारा निवर्तन किया जावेगा। इच्छूक व्यापारियों से अनुरोध है कि, वे ई-नीलाम में भाग लें। ई-नीलाम की शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवसों में काष्ठागार अधिकारी या वन मण्डल कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। ई-नीलाम के पूर्व लाटों को भली भाँति देख लें।

काष्ठागार का नाम	प्रजाति	नया काष्ठ अनुमानित मात्रा		पुराना काष्ठ अविक्रीत		योग :-	
		ईमारती काष्ठ (घ. मी.)	बल्ली / डेंगरी (नग)	ईमारती काष्ठ (घ. मी.)	बल्ली / डेंगरी (नग)	ईमारती काष्ठ (घ. मी.)	बल्ली / डेंगरी (नग)
1	2	3	4	5	6	7	8
ईमारती काष्ठ							
बीजापुर काष्ठागार	सागौन	44.231	86	239.833	377	284.064	463
	साजा	36.843	71	48.838	116	85.681	187
	हल्दू मुण्डी	4.914	0	15.206	11	20.120	11
	बीजा	63.650	48	101.088	33	164.738	81
	अन्य	37.696	79	20.222	350	57.918	429
	धावड़ा	20.592	6	0.000	30	20.592	36
	शीशम	0.489	0	0.000	0	0.489	0
	योग :-	**208.415**	**290**	**425.187**	**917**	**633.602**	**1207**

जलाऊ चट्टा

	80 नग चट्टा	**03 नग चट्टा**			**83 नग चट्टा**
बीजापुर काष्ठागार	औद्योगिक बांस (पुराना)	02 मीटर	1380 बण्डल	23.000 N.T.	2005 बण्डल 28.000 विक्रय ईकाई
		01 मीटर	625 बण्डल	5.000 N.T.	

अगरबत्ती काड़ी

	अगरबत्ती काड़ी (चौकड़ी)	लम्बाई 8 इंच	20 क्विंटल

टीप :- 01. क्रेताओं को ई-नीलाम से पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
02. क्रेताओं को ई-नीलाम के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
03. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉग-इन करके देख सकते है।
04. ई-नीलाम में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमंडलाधिकारी
बीजापुर वनमंडल, बीजापुर

जी-262702944/4

छत्तीसगढ़ शासन
पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग सामान्य वनमंडल, महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

नीलाम का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि सामान्य वनमंडल महासमुन्द के पिथौरा काष्ठागार में ईमारती काष्ठ का निवर्तन ई-ऑक्शन द्वारा दिनांक 10.09.2026 को किया गया जायेंगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय / पिथौरा काष्ठागार से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम स्थल का नाम - पिथौरा
नीलाम दिनांक - 10.09.2026
नीलाम समय - 9:00 बजे प्रातः से

नीलाम दिनांक 10.09.2026 को रखे जाने वाले वनोपज का अनुमानित मात्रा काष्ठागार पिथौरा

क्र.	प्रजाति	नया वनोपज				अन्सोल्ड (पुराना) वनोपज				कुल वनोपज			
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	फे. पोल	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	फे. पोल	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	फे. पोल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	सागौन	7.237	364	330	0	2067.929	20761	69717	0	2075.166	21125	70047	0
2	साल	0.000	0	0	0	5.676	54	0	0	5.676	54	0	0
3	शीशम	0.000	0	0	0	1.087	0	0	0	1.087	0	0	0
4	बीजा	0.000	0	0	0	9.343	87	0	0	9.343	87	0	0
5	साजा	0.000	0	0	0	6.265	124	0	0	6.265	124	0	0
6	हल्दु मुड़ी	0.000	0	0	0	16.945	0	0	0	16.945	0	0	0
7	धावड़ा	0.000	0	0	0	10.287	0	0	0	10.287	0	0	0
8	तिन्सा	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
9	खम्हार	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
10	पापड़ा	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
11	सलिहा मोदे	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0	0.000	0	0	0
12	अन्य	0.000	0	0	0	33.465	1488	0	1826	33.465	1488	0	1826
	योग :-	**7.237**	**364**	**330**	**0**	**2150.997**	**22514**	**69717**	**1826**	**2158.234**	**22878**	**70047**	**1826**

काष्ठागार पिथौरा (सराईटार)- 1440 नग व्यापारिक बांस (पुराना)	डिपो बागबाहरा - 2249 नग व्यापारिक बांस पुराना
जोगीडीपा डिपो महासमुन्द जलाऊ 53 चट्टा (पुराना)	काष्ठागार डिपो पिथौरा - 9525 नग व्यापारिक बांस (पुराना)
	बागबाहरा डिपो - 39000 नग व्यापारिक बांस (पुराना)

बलौदाबाजार वनमण्डल अंतर्गत निस्तार / उपभोक्ता / अस्थाई पड़ाव डिपो में संग्रहित वनोपज की मात्रा

क्र.	डिपो	जलाऊ पुराना	व्यापारिक बांस पुराना (नग)	औद्योगिक बांस पुराना (बंडल)	क्र.	डिपो	फेसिंग पोल पुराना	जलाऊ पुराना	व्यापारिक बांस पुराना (नग)
1	बरपाली	51	4649	0	5	पलारी	0	0	404
2	थरगांव	0	2690	0	6	बलौदाबाजार	0	29	250
3	अ.प.नवागांव	0	0	22760	7	अ.प. देवपुर	0	0	0
4	सिमगा	28	0	0	-	-	-	-	-
सिमगा डिपो - 6 जलाऊ बट्टा (नया)									

टीप: 1/ क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ईकॉमर्स में रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है।
2/ क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईस मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने ई-वॉलेट में रखना अनिर्वाय है। सफल बोलीवार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशन ईएमडी की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3/ लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आईडी से लॉग-इन करके देख सकते है।
4/ ई-ऑक्शन में लॉट क्रय करने हेतु प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा। उसी लॉट को क्रय करने के लिए अन्य क्रेताओं को 30 सेकण्ड का अतिरिक्त समय प्राप्त होगा। 20 सेकण्ड तक बोली नहीं लगने पर लॉट पर बोली बंद हो जावेगा।

दूरभाष क्रमांक 07723-222084 (कार्यालय)

वनमण्डलाधिकारी
सामान्य वनमण्डल महासमुंद (छ.ग.)

जी-262702954/4

पीपीपी मॉडल से 50 साल की लीज पर दिए जाएंगे देश के 11 एयरपोर्ट, रायपुर भी शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर समेत देश के 11 हवाई अड्डों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत निजी कंपनियों को सौंपने की तैयारी है। सरकार इन एयरपोर्ट्स को पांच समूहों में बांटकर 50 साल की लीज पर देने की योजना बना रही है। इस प्रस्ताव को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति से सैद्धांतिक मंजूरी भी मिल चुकी है। नागर विमानन मंत्रालय के प्रस्ताव के मुताबिक, पांच बड़े हवाई अड्डों को छह छोटे एयरपोर्ट्स के साथ समूह बनाकर निजी भागीदारों को सौंपा जाएगा।

8,622 करोड़ रुपये निवेश का अनुमान

दस्तावेज के अनुसार, इन 11 हवाई अड्डों का संचालन संभालने वाली निजी कंपनियों की ओर से करीब 8,622 करोड़ रुपये का निवेश किए जाने का अनुमान है। बाजार में अत्यधिक केंद्रीकरण और कर्ज से जुड़े जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए एक ही बोलीदाता को दिए जाने वाले एयरपोर्ट समूहों की संख्या पर भी सीमा तय करने का प्रस्ताव है।

- **प्रस्ताव को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मूल्यांकन समिति से सैद्धांतिक मंजूरी भी मिल चुकी**

पांच समूहों में बांटे गए 11 एयरपोर्ट

- अमृतसर और कांगड़ा-गग्गल
- वाराणसी, गया और कुशीनगर
- भुवनेश्वर और हुबली
- रायपुर और औरंगाबाद
- तिरुचिरापल्ली और तिरुपति
- आंकड़ों के आधार पर हुआ एयरपोर्ट का चयन

11 एयरपोर्ट्स का चयन

दस्तावेज के मुताबिक, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफइंडिया (एएआई) ने मौजूदा चरण के लिए 11 एयरपोर्ट्स का चयन चरणबद्ध और आंकड़ा आधारित प्रक्रिया के जरिए किया। पहले 12 बड़े हवाई अड्डों का यात्री यातायात, उपलब्ध भूमि, व्यावसायिक क्षमता और वित्तीय प्रदर्शन जैसे मानकों पर आकलन किया गया। इसके बाद 136 छोटे हवाई अड्डों का मूल्यांकन इस आधार पर किया गया कि उन्हें बड़े एयरपोर्ट्स के साथ किस तरह समूहबद्ध किया जा सकता है।

बिलासपुर एयरपोर्ट का संचालन एएआई को सौंपने का प्रस्ताव

- **हाईकोर्ट ने जल्द निर्णय लेने के दिए निर्देश**

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाईकोर्ट में बिलासपुर में हवाई सुविधा और एयरपोर्ट विस्तार से जुड़ी जनहित याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) द्वारा दिए गए उस जवाब को पढ़ा गया, जिसमें राज्य शासन द्वारा एयरपोर्ट का ऑपरेशनल मेंटेनेंस और विकास कार्य का जिम्मा एएआई को देने का प्रस्ताव दिया गया है। अथॉरिटी की ओर से अपने जवाब में बताया गया कि राज्य सरकार के प्रस्ताव पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और इसे अमली जामा पहनाने के लिए एक मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) भी ड्राफ्ट किया जा रहा है। खंडपीठ ने इस मसले पर अधिक देरी ना लगाते हुए पॉजिटिव अप्रोच लेकर निर्णय लेने का निर्देश एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को दिया। राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अतिरिक्त महाधिवक्ता ने खंडपीठ को बताया कि जन सुविधा बिल्डिंग का काम पिछड़ने पर मंत्रालय और कलेक्टर दोनों द्वारा संज्ञान लिया गया है।

न्यूज गैलरी

महतारी वंदन योजना से मिल रही आर्थिक मजबूती और आत्मविश्वास

रायपुर/नवप्रदेश। शासन की योजनाएं जब जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचती हैं, तो वे केवल आर्थिक सहायता का माध्यम नहीं रहतीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की नई राह भी खोलती हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी कोरबा के ग्राम सोनपुरी की रहने वाली शुकवारो बाई की है, जिनके जीवन में छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल का आधार बनी है। शुकवारो बाई के बैंक खाते में महतारी वंदन योजना के तहत हर माह एक हजार रुपये की राशि नियमित रूप से पहुंच रही है। वे इस राशि को प्रतिमाह निकालने के बजाय सामान्यतः दो से तीन माह में एक साथ निकालती हैं और घर-परिवार की आवश्यकताओं में इसका उपयोग करती हैं। परिवार में उनके पति मजदूरी का कार्य करते हैं। सीमित आमदनी के बीच शासन से मिलने वाली यह नियमित सहायता परिवार के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहारा बन गई है। शुकवारो बाई बताती हैं कि पहले छोटी-छोटी घरेलू जरूरतों के लिए भी परिवार की आय पर निर्भर रहना पड़ता था। अब हर महीने खाते में आने वाली राशि से उन्हें अपने खर्चों को व्यवस्थित करने में सुविधा होती है। घर की जरूरत का सामान खरीदने से लेकर अन्य आवश्यक घरेलू खर्चों में वे इस राशि का उपयोग करती हैं। उनके लिए यह राशि केवल एक हजार रुपये नहीं, बल्कि अपने हाथ में मौजूद आर्थिक सुरक्षा और आत्मविश्वास का माध्यम है। इस बार रक्षाबंधन का पर्व शुकवारो बाई के लिए कुछ खास होने वाला है। उन्होंने तय किया है कि महतारी वंदन योजना से बचाकर रखी गई राशि का उपयोग इस बार अपने लिए करेंगी। उनका कहना है कि आमतौर पर महिलाएं अपनी जरूरतों से पहले परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देती हैं, लेकिन इस बार वे शासन से मिली इस राशि से अपने लिए आवश्यक सामान खरीदेंगी और रक्षाबंधन का त्योहार अपने लिए भी खुशी के साथ मनाएंगी। शुकवारो बाई महतारी वंदन योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि सरकार द्वारा महिलाओं के खाते में हर माह राशि पहुंचाने से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूती मिली है। वे मुख्यमंत्री श्री साय को स्नेहपूर्वक 'भैया' कहते हुए भावुक होकर कहती हैं कि उन्होंने अपनी बहनों का ख्याल रखा है। उनके अनुसार, नियमित रूप से खाते में राशि आने से महिलाओं को यह भरोसा मिला है कि वे अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए किसी पर पूरी तरह निर्भर नहीं हैं। शुकवारो बाई की कहानी यह बताती है कि किसी योजना की सफलता केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि उसके लाभ से जुड़े परिवारों के जीवन में आए बदलाव में दिखाई देती है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता ने उनके जैसे परिवारों की महिलाओं को आर्थिक निर्णय लेने, अपनी जरूरतों को पूरा करने और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर दिया है। रक्षाबंधन के अवसर पर अपने लिए कुछ खरीदने की शुकवारो बाई की छोटी-सी इच्छा दरअसल उस बड़े बदलाव की तस्वीर है, जिसमें शासन की सहायता से महिलाएं अपने जीवन में आर्थिक मजबूती और आत्मविश्वास महसूस कर रही हैं।

थाने में विवेचना के दौरान अवैध वसूली की शिकायत, एसआई निलंबित

रायपुर/नवप्रदेश। राखी थाना क्षेत्र में विवेचना के दौरान अवैध वसूली और पद के दुरुपयोग की शिकायत सामने आने के बाद पुलिस विभाग ने कार्रवाई की है. शिकायत की प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर प्रोविजनल सब इंस्पेक्टर महेश कुमार ओगरे को निलंबित कर दिया गया है. पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने निलंबन आदेश जारी किया है. मामला थाना राखी के अपराध क्रमांक 10/2026 की विवेचना से जुड़ा है. आरोप है कि विवेचना के दौरान प्रोविजनल एसआई ने संबंधित पक्ष पर जबरन दबाव बनाकर पैसे ऐंठने का प्रयास किया. शिकायत मिलने के बाद मामले की प्रारंभिक जांच कराई गई, जिसमें पद के दुरुपयोग की बात सामने आई. दरअसल, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, नवा रायपुर अटल नगर में नियंत्रक के पद पर कार्यरत हिमांशु अग्रवाल को 25 जनवरी 2026 को संयुक्त नियंत्रक केदार पटेल के माध्यम से जानकारी मिली थी कि व्यापम की सहायक शिक्षक, शिक्षक और व्याख्याता भर्ती परीक्षा 2026 से संबंधित एक फर्जी निर्देश पत्र सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा है. इसके बाद हिमांशु अग्रवाल ने थाना राखी में लिखित शिकायत प्रस्तुत की थी. शिकायत में बताया गया था कि सोशल मीडिया और वाट्सऐप पर प्रसारित परीक्षा निर्देश छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा जारी नहीं किया गया है.

छग में पर्यटन को मिलेगी वैश्विक उड़ान संस्कृति और विरासत को भी नई पहचान

- **मंत्री राजेश अग्रवाल ने गिनाई उपलब्धियां, 2028 तक नई पर्यटन पहचान का लक्ष्य**
- **छत्तीसगढ़ को पर्यटन के वैश्विक नक्शे पर लाने की तैयारी**

रायपुर/नवप्रदेश। पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज अपने विभागों की उपलब्धियों, योजनाओं और आगामी प्राथमिकताओं की जानकारी मीडिया के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाई। अग्रवाल आज नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया से रूबरू हुए। प्रेस वार्ता में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे, संस्कृति विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे तथा छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड की डीजीएम श्रीमती पूनम शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

प्रेस वार्ता की शुरुआत पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन द्वारा छत्तीसगढ़ पर्यटन से संबंधित महत्वपूर्ण उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की विस्तृत प्रस्तुति के साथ हुई। मंत्री श्री अग्रवाल ने विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ को प्रकृति ने चित्रकोट और तीरथगढ़ जैसे जलप्रपात, बस्तर और सरगुजा की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सिरपुर जैसी ऐतिहासिक विरासत तथा मां दंतेश्वरी और मां महामाया जैसे प्रमुख आस्था केंद्रों की समृद्ध विरासत प्रदान की है। सरकार का लक्ष्य इन प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संपदाओं को देश और दुनिया के सामने नई पहचान दिलाना है।

पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहन

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पिछले लगभग ढाई वर्षों में पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। फिल्म सिटी निर्माण के लिए 203 करोड़ 53 लाख के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। फिल्म पर्यटन और बड़े आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए फिल्म सिटी एवं कन्वेंशन सेंटर के विकास की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 350 करोड़ है।

होमस्टे और स्थानीय रोजगार पर विशेष जोर

पर्यटन मंत्री ने बताया कि पर्यटन का वास्तविक लाभ स्थानीय परिवारों तक पहुंचाने के उद्देश्य से होमस्टे और स्थानीय पर्यटन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे स्थानीय भोजन, हस्तशिल्प और युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के अवसर बढ़ेंगे। पर्यटन व्यवसाय के औपचारिक पंजीकरण में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान में लगभग 390 से अधिक टूर ऑपरेटर एवं ट्रैवल एजेंट तथा 26 होटल पंजीकृत हैं। पर्यटक गाइड, आतिथ्य, फिल्म निर्माण, पर्यटन संचालन और डिजिटल कंटेंट जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर कम से कम 500 स्थानीय युवाओं को पर्यटन आधारित रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

61 ट्रेनों से 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए अयोध्या-काशी के दर्शन

अग्रवाल ने बताया कि सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के अंतर्गत आईआरसीटीसी के सहयोग से अब तक 61 ट्रेनों का सफल संचालन किया जा चुका है। इनके माध्यम से 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या और काशी के दर्शन कराए जा चुके हैं। सरकार का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के नागरिकों के लिए धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन को अधिक सुगम, व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाना है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष से राज्य महिला आयोग अध्यक्ष ने की सौजन्य भेंट

रायपुर/नवप्रदेश। महिला अधिकारों के संरक्षण, महिलाओं में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यालय में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर विस्तार से महत्वपूर्ण चर्चा हुई। डॉ. ममता साहू ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल एवं प्रभावी आयोजन के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों, उनके संरक्षण से जुड़े प्रावधानों तथा उपलब्ध सहायता तंत्र की जानकारी अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर जोर दिया गया।

राष्ट्रीय महिला आयोग के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में प्रस्तावित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। प्रशिक्षण के माध्यम से महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराने तथा जमीनी स्तर पर जागरूकता को और मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

डॉ. ममता साहू ने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकारों और कानूनों की जानकारी देना सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी है। राष्ट्रीय महिला आयोग के मार्गदर्शन से छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रभावी रूप से आयोजित कर महिलाओं तक अधिकार एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी पहुंचाने के प्रयासों को नई गति मिलेगी। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा महिला अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए जागरूकता एवं प्रशिक्षण गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ समन्वय से प्रस्तावित यह कार्यक्रम प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दुलारी देवांगन को मिला 'विष्णु भैय्या' का दुलार

रायपुर/नवप्रदेश। भाई सिर्फ बहन की रक्षा ही नहीं करता, बल्कि उसके सपनों को उड़ान भी देना चाहता है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री 'विष्णु भैय्या' भी प्रदेश की बहनों के लिए यही सपना देख रहे हैं। हर बहन आत्मनिर्भर बने, अपने हुनर से अपनी पहचान बनाए और सम्मान के साथ अपना जीवन जिए।

'विष्णु भैया' के सुशासन की सरकार प्रदेश की बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से आसान ऋण भी उपलब्ध करा रही है। जिससे बहनें अपना स्व रोजगार शुरू कर अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकें।

ग्राम लुकुपाली कोमाखान की श्रीमती दुलारी देवांगन को भी इसका लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि आजीविका मिशन से आसान प्रक्रिया के तहत उनको लोन मिला। जिससे उन्होंने चाट-गुपचुप का व्यवसाय शुरू किया। गर्मी के सीजन में बर्फ गोला, लस्सी भी बेचते हैं। इसके अलावा विवाह समारोह या अन्य अवसरों पर भी चाट-गुपचुप, लस्सी, बर्फ गोला का ऑर्डर उन्हें मिलता है।

इस व्यवसाय में अब उनके पति भी हाथ बंटाते है। श्रीमती दुलारी देवांगन ने बताया कि इस योजना से जुड़ कर उनकी आर्थिक स्थिति पहले और मजबूत हुई है और वे आत्मनिर्भर बन गई हैं।

जिला कार्यालयों के लिए 100 सहायक ग्रेड-3 पदों पर भर्ती को मंजूरी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने युवाओं को रोजगार देने और जिला स्तरीय प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक बड़ा निर्णय लिया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में सहायक ग्रेड-3 के 100 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की स्वीकृति प्रदान करते हुए सभी संबंधित जिला कलेक्टरों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश जारी कर दिए हैं। इस निर्णय पर खुशी जताते हुए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में सरकार युवाओं को शासकीय सेवाओं से जोड़ने और आम जनता को पारदर्शी व त्वरित सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासनों में इन पदों की भर्ती से जहाँ एक ओर युवाओं के लिए शासकीय सेवा के नए द्वार खुलेंगे, वहीं दूसरी ओर जिला कार्यालयों के कामकाज में और अधिक कसावट व गतिशीलता आएगी।

बीज राखियों से सजेगा रक्षाबंधन, स्नेह के साथ मिलेगा हरियाली का संदेश

रायपुर/नवप्रदेश। रायगढ़ जिले में इस बार रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह के साथ पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का संदेश भी देगा। बिहान से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाएं धान, मक्का, बरबट्टी, लौकी, करेला, सेमी, कुम्हड़ा, भिंडी, उड़द, मसूर और मूंगफली सहित स्थानीय बीजों से आकर्षक बीज राखियां तैयार कर रही हैं। यह नवाचार महिलाओं के लिए अतिरिक्त आय और स्वरोजगार का नया अवसर भी बन रहा है।

बीज राखी निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए जिले के सातों विकासखंडों में प्रतियोगिता आयोजित कर उत्कृष्ट राखियां तैयार करने वाली महिलाओं का चयन किया गया। चयनित महिलाओं ने जिला कलेक्टोरेट पहुंचकर कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी सहित अधिकारियों को अपने हाथों से बनाई बीज राखियां पहनाई। कलेक्टर ने महिलाओं को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया।

कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप स्व-सहायता समूह की महिलाओं को नवाचार, सशक्तिकरण और आजीविका से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय संसाधनों और हुनर से महिलाएं आय के नए साधन विकसित कर रही हैं। बीज राखियों की विशेषता यह है कि उपयोग के बाद इन्हें मिट्टी में दबाने पर इनमें मौजूद बीज अंकुरित होकर पौधे का रूप ले सकते हैं। कम लागत, आकर्षक डिजाइन और पर्यावरण हितैषी स्वरूप के कारण इनकी मांग बढ़ रही है। इस तरह बीज राखी भाई-बहन के अटूट प्रेम के साथ प्रकृति संरक्षण और हरियाली का सुंदर संदेश भी जन-जन तक पहुंचाएगी।

कृषि: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने आवश्यक निर्देश दिए थे

छत्तीसगढ़ में अब तक 97 प्रतिशत बोनी, 48.69 लाख हेक्टेयर खरीफ का लक्ष्य

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में खेती किसानी का कार्य जोरों पर है। राज्य में 25 अगस्त की स्थिति में राज्य के 47.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों में लक्ष्य का 97 प्रतिशत बोनी पूर्ण हो चुकी है। इस खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश किसानों को सुगमता से मिले खाद-बीजः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए गए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने को कहा हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा गया है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। किसानों को 12.07 लाख मीट्रिक टन खाद और 4.58 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित

प्रदेश में अब तक 839.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज

अधिकारियों ने बताया कि 25 अगस्त सुबह तक की स्थिति में प्रदेश में अब तक 839.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि प्रदेश की औसत वार्षिक वर्षा 1246.3 मिमी है। गौरतलब है कि औसत दर्ज वर्षा जिलों की आज तक की औसत वर्षा पिछले 10 वर्षों के आधार पर 810.2 मिमी. से 29.2 मिली मीटर अधिक है। गत वर्ष इसी अवधि में 821.0 मिली मी. वर्षा दर्ज की गई थी। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार किसानों को खेती-किसानी में सहूलियते हो इस उद्देश्य से किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अल्प कालीन कृषि ऋण उपलब्ध करा रहे है। चालू खरीफसीजन 2026 के लिए 24 अगस्त की स्थिति में 7778.76 करोड़ रूपए का ऋण वितरण किया है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 6449.95 करोड़ रूपए का ऋण वितरण किया गया था।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के किसानों को अब तक 12.07 लाख मीट्रिक टन खाद और 4.58 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है। खेती का प्रारंभिक कार्य लगभग अंतिम चरण में है।

राज्य में अब तक 47.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न फसलों जैसे धान, मक्का, कोदो, कुटकी, अरहर, मूंग, मूंगफली, रामतिल आदि की बोनी हो चुकी है, जो लक्ष्य का 97 प्रतिशत है। इस खरीफ सीजन में राज्य सरकार ने 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में इस खरीफ सीजन में 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जीपीएम की 160 पंचायतों में तैयार किए गए 'जीवामृत मॉडल फार्म'

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए निरंतर किसानों को जागरूक कर रही है। कृषि विभाग द्वारा समय-समय पर जैविक खेती के लिए अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गौरेला-पेण्ड्रा-मारवाही जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिले की कुल 171 पंचायतों में से अब तक 160 पंचायतों में जीवामृत के उपयोग से मॉडल किसान फार्म तैयार किए गए हैं, जिनका आसपास एवं अन्य गांवों के किसानों को भ्रमण कराकर जैविक खेती के लाभों से अवगत कराया जा रहा है। गौरेला विकासखंड में

जीवामृत के उपयोग एवं जैविक खेती पर व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कृषि विभाग के अधिकारियों एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने भाग लिया। किसानों को जीवामृत, मृदा परीक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता सुधार, जैविक खेती तथा उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई। किसानों को गौरेला के कृषक श्री बृजलाल राठौर के फार्म का भ्रमण भी कराया गया, जहां म्यूटेंट विष्णुभोग धान की फसल में जीवामृत का उपयोग किया गया है।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों का प्रदर्शन

■ **करीब 1000 शिक्षक सड़क पर उतरे, कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन**

दुर्ग/नवप्रदेश। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता और सेवा संबंधी लंबित मांगों को लेकर दुर्ग में शिक्षकों ने बड़ा प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले एलबी संवर्ग के करीब 1000 शिक्षक 'टीईटी मुक्ति विशाल रैली' में शामिल हुए। शिक्षक रैली के रूप में दुर्ग कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर के प्रतिनिधि तहसीलदार को मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री और शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौंपा।

शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का समयबद्ध निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। मोर्चा के जिला संयोजक शत्रुघन साहू, चंद्रशेखर तिवारी और कमल वैष्णव ने कहा कि लंबे समय से चली आ रही सेवा संबंधी विसंगतियों का असर शिक्षकों की सेवा सुरक्षा, वेतन, पदोन्नति और पेंशन पर पड़ रहा है।

मोर्चा ने सेवारत शिक्षक संवर्ग के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने और सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। शिक्षकों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने टीईटी के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय दिया है।

शिक्षकों ने पंचायत संवर्ग में हुई प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करने की मांग की। पूर्व सेवा अवधि का लाभ देते हुए पुरानी पेंशन सहित शिक्षा विभाग में लागू सभी सेवा संबंधी लाभ देने के लिए आवश्यक आदेश जारी करने की मांग ज्ञापन में की गई है। मोर्चा ने लंबे समय से लंबित वेतन विसंगतियों का स्थायी निराकरण करने की मांग की। शिक्षकों का कहना है कि वेतन निर्धारण में केंद्रीय वेतनमान संरचना को आधार बनाया जाना चाहिए, ताकि समान कार्य और जिम्मेदारी के अनुरूप उन्हें न्यायोचित वेतन मिल सके।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने कहा कि शिक्षकों की सेवा संबंधी समस्याओं का जल्द समाधान होना चाहिए। संगठन ने शासन से सभी मांगों पर समयबद्ध निर्णय लेने और शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों से सार्थक चर्चा करने की मांग की है। पदाधिकारियों के अनुसार, ज्ञापन कार्यक्रम के बाद शासन के रुख की समीक्षा की जाएगी और जरूरत पड़ने पर वृहद आंदोलन की रूपरेखा तय होगी।

छात्रों ने किया दुर्ग-पाटन मुख्य मार्ग पर चक्काजाम

■ **2 साल से शौचालय-बाउंड्रीवॉल नहीं, अफसरों ने 10 दिन में निर्माण का दिया आश्वासन**

भिलाई/नवप्रदेश। जिले के सेलूद के स्वामी आत्मानंद विद्यालय माध्यमिक शाला (हिंदी माध्यम) के विद्यार्थियों ने मंगलवार को मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। शौचालय और बाउंड्रीवॉल नहीं होने से नाराज छात्रों ने दुर्ग-पाटन मुख्य मार्ग पर करीब एक घंटे तक चक्काजाम किया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के मौके पर पहुंचकर आश्वासन देने के बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। विद्यार्थियों ने स्कूल शुरू होने से पहले मुख्य गेट पर तालाबंदी कर दी। इसके बाद सभी सड़क पर पहुंच गए और चक्काजाम कर दिया। छात्रों का कहना है कि पिछले दो साल से स्कूल में पर्याप्त शौचालय और बाउंड्रीवॉल नहीं है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या दूर नहीं हुई, जिसके बाद उन्हें आंदोलन करना पड़ा।

ग्रामीणों के मुताबिक स्कूल में करीब 203 विद्यार्थी पढ़ते हैं। इनमें छात्र और छात्राओं की संख्या लगभग बराबर है। साल 2023 में स्कूल भवन की कमी को देखते हुए करीब 44 लाख रुपए की लागत से 5 अतिरिक्त कमरे बनाए गए थे। इन कमरों में पिछले दो साल से पढ़ाई हो रही है, लेकिन शौचालय और बाउंड्रीवॉल नहीं होने से विद्यार्थियों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

ग्राम समिति अध्यक्ष राजूलाल देवांगन ने छात्रों की मांग को जायज बताया। उन्होंने कहा कि छठवीं से आठवीं तक बालक-बालिकाएं पढ़ते हैं, इसलिए स्कूल में पर्याप्त शौचालय और सुरक्षित परिसर होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले भी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को शिकायत की जा चुकी है।

जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर के निर्देश पर जिला शिक्षा कार्यालय की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने छात्रों से चर्चा कर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। विभाग के अनुसार संबंधित योजना के तहत ऑनलाइन प्रस्ताव पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही वैकल्पिक व्यवस्था के लिए स्कूल प्राचार्य को राशि जारी की गई है। अधिकारियों ने 10 दिनों के भीतर शौचालय निर्माण शुरू कराने का भरोसा दिया है।

न्यूज गैलरी

मैत्री विद्या निकेतन में मनाया गया ओणम और श्री नारायण गुरु जयंती

रिसाली/नवप्रदेश। मैत्री विद्या निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गांधी सदन द्वारा केरल के प्रमुख कृषि पर्व ओणम और महान समाज सुधारक श्री नारायण गुरु जयंती का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने राजा महाबली के शुभागमन की प्रस्तुति के साथ ओणम पर्व का महत्व बताया। इस दौरान प्रहसन, नृत्य एवं मलयालम लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। श्री नारायण गुरु के जीवन एवं उनके संदेश ÷एक जाति, एक धर्म और एक ईश्वर मानव के÷ पर विद्यार्थियों ने प्रकाश डाला। विद्यालय की प्रबंधक एवं प्राचार्या डॉ. सजीता थंबी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए जाति-धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता के साथ जीवन जीने का संदेश दिया तथा सभी को ओणम की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा राजम सुधाकरण, प्रबंधक एस. सजीव, एस. साजन, उपप्राचार्या डॉ. बीना संजीव, प्रधानाध्यापिका निशि साजन सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

9 बेटियों-दामादों ने लिया संकल्प

दुर्ग/नवप्रदेश। जय आनंद मधुकर रतन भवन में राष्ट्रसंत मणिभद्र मुनि महाराज के सानिध्य में मासक्षमण तपस्वी खुशबू बाधमार का अभिनंदन एवं अनुमोदना समारोह आयोजित हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने तपस्वी का सम्मान कर उनकी तपस्या की अनुमोदना की। धर्मसभा में राष्ट्रसंत मणिभद्र मुनि ने कहा कि तपस्या से कर्मों की निर्जरा होती है और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने भोग की अपेक्षा तप, त्याग और धर्म को आत्मिक शांति का मार्ग बताया। तपस्वी खुशबू बाधमार से प्रेरित होकर परिवार की 9 बेटियों एवं दामादों ने एक साथ तेला तप का संकल्प लिया। इनमें आस्था-अमित छाजेड़, अवनी-विक्की गोलछा, अंशु-गौरव पारख, अंकित-अमित लालवानी, राजुल-अर्पण छाजेड़, श्रुति-श्रेयांश सेठिया, सृष्टि-अनुज कोचर, श्रेया-मेहुल पारख एवं ऋषभ-साक्षी झामण शामिल हैं। वहीं अभिज्ञा जैन एवं अभिश्री जैन ने आठ उपवास की तपस्या पूर्ण की।

निधन

श्यामा पांडे

दुर्ग/नवप्रदेश। पद्मनाभपुर एमआईजी-104 निवासी श्यामा पांडे का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे जिला अधिवक्ता संघ पूर्व अध्यक्ष राजीव पांडे और श्री साई मंदिर समिति के सदस्य संजीव पांडे की माताजी थी। इस दौरान अधिवक्ता, जनप्रतिनिधियों व विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि दी।

अशोक यादव

दुर्ग/नवप्रदेश। पद्मनाभपुर मुक्तनगर निवासी अशोक कुमार यादव का आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार हरनाबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे रामलाल यादव के सुपुत्र, प्रीति यादव के पति और श्रुति व कृति यादव के पिताजी थे।

बोरसीभाठा में वन महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन

■ **12 हेक्टेयर में रोपे गए 3,500 पौधे, विद्यार्थियों ने रक्षासूत्र बांधकर संरक्षण का लिया संकल्प**

दुर्ग/नवप्रदेश। हरित आवरण को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से बोरसीभाठा में वन विभाग दुर्ग वनमंडल द्वारा वन महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। महाअभियान के तहत 12 हेक्टेयर क्षेत्र में 3,500 फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री गजेंद्र यादव, दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल तथा दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण व अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जनप्रतिनिधियों ने आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ रोपे गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

वन महोत्सव को लेकर स्कूली विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में जूनियर रेडक्रास, भारत स्काउट एवं गाइड, रोवर रेंजर्स के विद्यार्थियों, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों सहित करीब 500 लोगों ने सहभागिता की।

पौधों को बांधा रक्षासूत्र

कार्यक्रम में भारत स्काउट एवं गाइड दुर्ग की ओर से पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष पहल की गई। विद्यार्थियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने नवरोपित पौधों को रक्षासूत्र बांधकर उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस पहल ने पौधरोपण अभियान को भावनात्मक रूप से भी जोड़ा और उपस्थित लोगों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक दुर्ग वृत्त एम. मर्सिबेला, अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी, एसडीएम दुर्ग शहर प्रफुल्ल गुप्ता, तहसीलदार क्षमा यदु तथा प्रभारी वनमंडलाधिकारी जितेन्द्र कुमार सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

वन महोत्सव के माध्यम से बोरसीभाठा क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने के साथ ही विद्यार्थियों और नागरिकों को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया। पौधों को रक्षासूत्र बांधकर लिया गया संकल्प इस अभियान को दीर्घकालीन पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल बना गया।

जिले में 635.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले में 1 जून 2026 से 25 अगस्त 2026 तक 635.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 804.0 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 464.8 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। दुर्ग में 730.4 मिमी, बोरी में 609.0 मिमी, भिलाई-3 में 689.0 मिमी और अहिवारा में 515.5 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 25 को दुर्ग में 5.1 मिमी, धमधा में 10.6 मिमी, पाटन में 28.0 मिमी, बोरी में 1.0 मिमी, भिलाई 3 में 9.7 मिमी और अहिवारा में 15.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मरोदा के तीन वार्डों में डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का विधायक ललित ने किया भूमिपूजन

रिसाली/नवप्रदेश। पटरी पार क्षेत्र वार्ड 13 टंकी मरोदा, वार्ड 14 मरोदा कैंप और वार्ड 15 मौहारी मरोदा क्षेत्र में एक करोड़ अंठ्ठावन लाख तिरसठ हजार से विकास कार्य कराया जाएगा। मंगलवार को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर व रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने भूमिपूजन किया। वें सबसे पहले मौहारी मरोदा पहंचे। विधायक ललित चंद्राकर ने नागरिकों से कहा कि निगम क्षेत्र के पटरी पार क्षेत्र मरोदा, नेवई में लगातार विकास कार्यो को सूचीबद्ध कर भूमिपूजन किया जा रहा है। एक माह से इसकी शुरूआत की गई है और अंतिम छोर पुरैना से भूमिपूजन करते आ रहे है। क्षेत्रीय पार्षद के प्रयास और नागरिकों के प्राथमिकता को देखते हुए विभिन्न विकास कार्य को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से कहा कि बहुत सारे विकास कार्यों की मंजूरी प्रक्रियाधीन है। कार्यक्रम को महापौर शशि सिन्हा ने भी संबोधित किया। रिसाली निगम क्षेत्र के वार्डे क्र. 13 टंकी मरोदा में 60.28 लाख से नाली निर्माण, सड़क, सौंदर्यीकरण कराने का कार्य किया जाएगा। इसी तरह वार्ड 14 मरोदा कैंप 51.10 लाख से नाली, पुलिया निर्माण, सड़क संधारण, सामुदायिक भवन, वार्ड 15 मौहारी मरोदा में 39.25 लाख से विकास कार्य होंगे। भूमिपूजन में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन, विधि यादव, गजेन्द्री कोठारी, ममता सिन्हा, धर्मेन्द्र भगत, सारिका साहू, राजू जंघेल उपस्थित थे।

क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा का भव्य अनावरण, मंत्री यादव व सांसद बघेल हुए शामिल

दुर्ग/नवप्रदेश। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ की जिला इकाई दुर्ग की पहल पर महान क्रांतिकारी सुखदेव राज की प्रतिमा शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में स्थापित की गई। सोमवार को महान क्रांतिकारी शिवराम राजगुरु की जयंती समारोह में स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने रिमोट कंट्रोल के माध्यम से प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल, विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, महापौर अलका बाघमार, पूर्व विधायक अरुण वोरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, संगठन पदाधिकारी और नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। प्रतिमा अनावरण के बाद अतिथियों ने महान क्रांतिकारी सुखदेव राज को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र नामदेव ने मंत्री गजेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपकर सुखदेव राज की जीवनगाथा और राष्ट्र व समाजसेवा में उनके योगदान को स्कूल पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की। मंत्री ने इस संबंध में सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया। प्रतिमा की सुरक्षा के लिए शेड निर्माण कराने की घोषणा भी उन्होंने की। मंत्री यादव ने पेंशनर्स महासंघ की पहल की सराहना करते हुए कहा कि सुखदेव राज का जीवन त्याग, संघर्ष, राष्ट्रप्रेम और समाजसेवा की प्रेरणादायी मिसाल है।

शून्य विद्युत दुर्घटना के लक्ष्य पर जोन में विशेष सुरक्षा कार्यशाला

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल), दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत जवाहर नगर जोन में निरीक्षण के साथ विशेष विद्युत सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जोन के सभी लाइन कर्मचारी एवं एफओसी कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य मैदानी अमले को विद्युत लाइनों पर कार्य करते समय आवश्यक सुरक्षा सावधानियों की जानकारी देना तथा सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग एवं रखरखाव के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यशाला में दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट ने तकनीकी एवं ठेका कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिकांश विद्युत दुर्घटनाएं छोटी-छोटी लापरवाहियों के कारण होती हैं। ऐसे में बुनियादी सुरक्षा नियमों का पालन और सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग कर ही शून्य विद्युत दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

इस दौरान अधिकारियों ने कर्मचारियों को सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, दस्ताने, टेस्टर एवं डिस्चार्ज रॉड सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों के उपयोग का प्रायोगिक प्रदर्शन कराया और उनके सही इस्तेमाल की बारीकियां समझाईं। कर्मचारियों को कार्य के दौरान स्वयं के साथ सहकर्मियों तथा आम नागरिकों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस. मनोज, कार्यपालन अभियंता अनसुईया ठाकुर एवं आर.के. दानी, सहायक अभियंता एम.के. साहू एवं ए.पी. साहू सहित बड़ी संख्या में तकनीकी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भव्य कांवड़ यात्रा का किया सेवा एवं स्वागत

भिलाई/नवप्रदेश। भव्य कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा के साथ रौशन रिज़वी सेक्टर-1 भिलाई की टीम ने आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर सभी कांवड़ यात्रियों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए जलपान एवं फ्लाहार की व्यवस्था भी की गई। यह पूरा आयोजन हम सभी के सामूहिक सहयोग और सेवा-भाव से संभव हो सका। बम सेवा में उत्साहपूर्वक सहभागिता की और आयोजन को सफ्ल बनाया। आप सभी की उपस्थिति, सहयोग और सेवा-भाव ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।

बम कांवरिया संघ ढीमरपारा : 'बोल बम' और 'श्री शिवाय नमस्तुभ्यं' और गंगा महाआरती से शिवमय हुआ शहर

भव्य जल कांवर यात्रा में उमड़ा शिवभक्तों का जनसैलाब

दुर्ग/नवप्रदेश। बम कांवरिया संघ ढीमरपारा दुर्ग के तत्वावधान में सावन के अंतिम सोमवार को प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भव्य जल कांवर यात्रा एवं शिवनाथ नदी में गंगा महाआरती का आयोजन किया गया। यात्रा में हजारों की संख्या में शिवभक्त कांवरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 'बोल बम' और 'श्री शिवाय नमस्तुभ्यं' के जयघोष से पूरा शहर शिवमय हो उठा। जल कांवर यात्रा की शुरुआत शिवनाथ नदी के महमरा घाट से हुई, जहां से कांवरियों ने पवित्र जल लेकर गंजपारा, शक्ति चौरा, शनिचरी बाजार, ढीमरपारा, चंडी चौक, सरस्वती नगर, नया पारा और बघेरा होते हुए कोटनी स्थित अर्धनारेश्वर शिव धाम पहुंचकर भगवान शिव को जल अर्पित किया। यात्रा में भगवान शिव की चलित झांकी, ढोल-नगाड़ों और आकर्षक वेशभूषा में शामिल कांवरियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। मार्ग में विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों एवं समाजसेवियों द्वारा कांवरियों का स्वागत किया गया। जगह-जगह शरबत एवं फलों की व्यवस्था की गई तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर और पुष्पवर्षा कर शिवभक्तों का अभिनंदन किया गया। भव्य कांवर यात्रा का स्वागत पूर्व विधायक अरुण वोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रभारी शशि द्वारिका साहू, अजय शर्मा, राजकुमार पाली, राहुल अग्रवाल एवं बघेरा पार्षद ललित ढीमर सहित अन्य लोगों ने किया।

संघ द्वारा कांवर सजावट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार यशवंत बम टीम बघेरा, द्वितीय पुरस्कार कृष्णा बम टीम ढीमरपारा को मिला। वहीं वेशभूषा वर्ग में गीता सत्या ढीमर को पुरस्कृत किया गया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।

शिवनाथ नदी तट पर आयोजित गंगा महाआरती में कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जीत हेमचंद यादव, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद के प्रत्याशी मनीष सोनवानी, भाजपा युवा मोर्चा के श्रीराम फूटान, राजकुमार वर्मा, गौरव उमेर शामिल हुए।

कार्यक्रम में में ओमेश्वर राजू यादव सरपंच संघ अध्यक्ष, सरोज रिगरी सरपंच नगपुरा, दासू ढीमर अध्यक्ष धीवर समाज दुर्ग एवं शकुन ढीमर पूर्व पार्षद उपस्थित रहे। इस अवसर पर बम कांवरिया संघ के संरक्षक प्रदीप सपहा, अध्यक्ष विष्णु ढीमर, डुलेश्वर मटियारा, शिवलाल ढीमर, तीरथ ढीमर, किशोर मटियारा, दिलीप ढीमर, कुशल मटियारा, विनय ढीमर, भागवत सपहा मौजूद रहे।

शैक्षणिक उत्थान में योगदान सराहनीय : वासनिक

भिलाई/नवप्रदेश। डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के प्रेरक संदेश 'पे बैक टू द सोसायटी' को चरितार्थ करते हुए डॉ. आंबेडकर शिक्षा मित्र सोसायटी द्वारा जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने का मिशन लगातार जारी है। डॉ. आंबेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर-6 में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत जरूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस दौरान अदिति रामटेके (मेडिकल कॉलेज, उज्जैन) को 25 हजार, प्रवीण मेश्राम (आईआईटी भिलाई) को 25 हजार, नूतन अंबादे (दिल्ली विश्वविद्यालय) को 25 हजार तथा विपुल बागड़े (बी.कॉम.) को 15 हजार का चेक भंतेजी के हाथों प्रदान किए गए। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा भिलाई के अध्यक्ष विनोद वासनिक ने कहा कि डॉ. आंबेडकर शिक्षा मित्र सोसायटी द्वारा जरूरतमंद बच्चों के शैक्षणिक उत्थान के लिए किया जा रहा कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है। सोसायटी के अध्यक्ष अजय गणवीर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाना और बच्चों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना सोसायटी का प्रमुख लक्ष्य है। वहीं कोषाध्यक्ष सुभाष बंसोडकर ने कहा कि डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर के 'पे बैक टू द सोसायटी' के संदेश को धरातल पर उतारना तथा समाज के जरूरतमंद बच्चों को शैक्षणिक रूप से समृद्ध बनाना सोसायटी का मुख्य मिशन है। कार्यक्रम में संजय मेश्राम, रंजू खोब्रागड़े, जालेन्द्र उके, किरण सुखदेवे, सिंधु वैद्य सहित डॉ. आंबेडकर शिक्षा मित्र सोसायटी एवं भारतीय बौद्ध महासभा के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

महंगाई के दौर में महज 10 से 35 रुपए प्रतिदिन के अनुदान पर कैसे चलेंगे 'गोधाम'

■ बड़े उद्देश्यों और सीमित बजट के बीच उलझता गोधाम का संचालन

मुंगेली/नवप्रदेश। सड़कों पर हो रहे पशुओं के नाम से हो रहे दुर्घटना के चलते हाई कोर्ट के निर्देशों के बाद सरकार कडे कदम उठाते हुए सडकों पर घुमने वाले पशुओं के लिए प्रत्येक ब्लाक एवं जिला स्तर पर गोधाम योजना लाई जिसमें जिले में 9 गौधामों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। गोठान बनाए जाने हैं, जिससे सडकों पर जानवरों की कमी आए साथ ही फसलों को भी नुकसान न पहुंचे किंतु सिमित संसाधनों में प्रारंभ किए जाने वाला यह गोधाम कितना कारगर सिध्द होगा।

शासन द्वारा विकासखंड मुंगेली के संबलपुर, धरमपुरा, लिम्हा, छतौना, लोहड़िया, भूसुंडी एवं पंडरभट्ठा, विकासखंड पथरिया के नगर पंचायत सरगांव तथा विकासखंड लोरमी के झझपुरीकला स्थित गौधामों को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी 'गोधाम योजना' एक तरफ जहाँ निराश्रित, घूमंतु और जब्त गोवंशीय पशुओं के वैज्ञानिक संरक्षण, नस्ल सुधार और गो-उत्पादों के जरिए ग्रामीण आर्थिकी को मजबूत करने के बड़े-बड़े सपने दिखा रही है, वहीं दूसरी तरफ धरातल पर इसकी वित्तीय व्यवस्था कई गंभीर सवाल खड़े कर रही है। क्या महज 10 रुपए प्रतिदिन प्रति पशु के शुरुआती अनुदान और सीमित प्रशासनिक बजट के साथ 200 मवेशियों की बेहतर देखभाल, चारा, पानी और

चिकित्सा जैसे भारी-भरकम खर्चों को संभालना वाकई संभव है? यह सवाल आज हर उस पशु प्रेमी और योजना के क्रियान्वयन से जुड़े जानकारों के मन में उठ रहा है जो महंगाई के इस दौर में जमीनी हकीकत से वाकिफ हैं। दो सौ गायों की व्यवस्था के लिए चार चरवाहा चैंकीदार सहीत साफ-सफाई के प्रबंधन के लिए व्यवस्था होना चाहिए, किन्तु कम बजट में यह मुनासिफ नहीं है।

योजना के दिशा-निर्देशों पर नजर डालें तो पहले वर्ष गोधाम में संरक्षित 200 मवेशियों के पोषण आहार के लिए 10 रुपए प्रतिदिन प्रति पशु की दर से कुल 7,30,000 रुपए वार्षिक अनुदान का प्रावधान है। हालांकि शासन ने इसे दूसरे वर्ष बढ़ाकर 20 रुपए, तीसरे वर्ष 30 रुपए और चैथे वर्ष 35 रुपए प्रतिदिन प्रति पशु किया है, लेकिन वर्तमान में भूसे, दाने, हरी घास और पशु चिकित्सकों की बढ़ती फीस के आगे यह राशि ऊंट के मुंह में जीरा साबित होती दिखती है।

एक मवेशी के पेट भरने, उसे बीमारी से बचाने, नियमित टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान और बधियाकरण जैसी अनिवार्य चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने के लिए यह बजट नाकाफी प्रतीत होता है। हालांकि, शासन और योजना के नीति-निर्माताओं ने इस वित्तीय अंतर को पाटने के लिए गोधामों को आत्मनिर्भर बनाने का खाका भी खींचा है। योजना के तहत 5 एकड़ भूमि पर नेपियर घास जैसी उच्च पौष्टिक और तेजी से बढ़ने वाली चारा फसल के विकास के लिए आवर्ती व्यय का प्रावधान है, ताकि बाहर से महंगे चारे पर निर्भरता कम हो सके। इसके अलावा, गोधामों को केवल अनुदान पर आश्रित रखने के बजाय इन्हें एक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है।

यहाँ गोबर और गोमूत्र से जैविक खाद, कीट नियंत्रण उत्पाद, गोकाष्ठ, दीये, अगरबत्ती और अन्य गो-उत्पादों का निर्माण कर उनकी बिक्री से होने वाली आमदनी को गोधाम के संचालन में जोड़ने की परिकल्पना की गई है। बावजूद इसके, शुरुआती वर्षों में जब तक गोधाम पूरी तरह से व्यावसायिक रूप से उत्पादक नहीं बन जाते, तब तक संचालक संस्थाओं के लिए हर महीने का हिसाब बिठाना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा। चरवाहों और गोसेवकों को न्यूनतम वेतन के नियमों के तहत मानदेय देना, बुनियादी ढांचे को सहेजना और पशुओं के स्वास्थ्य से कोई समझौता न करनाकृइन तमाम मोर्चों पर गोधाम संचालन समितियों को कड़ी मशक्कत करनी होगी। यदि मंडी बोर्ड से मिलने वाली वित्तीय सहायता और शासन का यह अनुदान समय पर और बिना प्रशासनिक अड़चनों के नहीं मिला, तो योजना के महान उद्देश्य कागजों तक ही सिमटकर रह सकते हैं। ऐसे में, कागजी प्रावधानों से निकलकर इस योजना को वाकई मूर्त रूप देने के लिए शासन को वित्तीय मदद के दायरे और व्यावहारिक जमीनी कठिनाइयों पर एक बार फिर गहराई से मंथन करने की आवश्यकता है।

न्यूज गैलरी

बैंक मैनेजर से 5 लाख की ठगी, मेडिकल भुगतान के बहाने ट्रांसफर कराए रुपये

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। जालसाज ने भारतीय स्टेट बैंक की आईजीकेवी शाखा की बैंक मैनेजर को ही ठगी का शिकार बना लिया। आरोपी ने खुद को कार कंपनी का संचालक बताकर करीब 2 करोड़ रुपए की एफडी कराने की बात कही और बैंक मैनेजर का भरोसा जीता। इसके बाद मेडिकल भुगतान के नाम पर 4 लाख 99 हजार रुपए दूसरे बैंक खाते में ट्रांसफर करा लिए। बैंक मैनेजर श्वेता शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) के तहत केस दर्ज किया है। वहीं, अब पुलिस मोबाइल नंबर, ई-मेल और बैंक खाते से जुड़े तकनीकी साक्ष्य जुटाकर आरोपी की पहचान और ठगी की रकम के लेनदेन की जांच कर रही है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, 20 अगस्त को श्वेता शर्मा के मोबाइल पर एक व्यक्ति ने फोन किया। कॉल रिसीव नहीं होने पर उसने मैसेज भेजकर संपर्क किया। आरोपी ने अपना नाम प्रशांत मंधान बताया और खुद को इंटारा कार कंपनी का संचालक बताया। 21 अगस्त को उसने करीब 2 करोड़ रुपए की एफडी कराने की इच्छा जताई और ब्याज दर की जानकारी ली। बैंक मैनेजर ने 6.45 प्रतिशत ब्याज दर बताई। आरोपी ने सोमवार को बैंक आने की बात कही।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध अब हाईकोर्ट करेगा मानिटरिंग

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक और पॉलिथीन के इस्तेमाल पर हाईकोर्ट निगरानी रखेगा। मुख्य सचिव ने कोर्ट में शपथ पत्र पेश कर बताया कि मई और जून 2026 के दौरान पूरे प्रदेश में व्यापक स्वच्छता और जागरुकता प्लास्टिक जब्ती अभियान चलाए गए। बिलासपुर में 386 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक जब्त किया गया, जबकि रायपुर में 7.26 लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया। हाईकोर्ट ने इन प्रयासों को संतोषजनक बताया, लेकिन स्पष्ट किया कि मामले की मॉनिटरिंग जारी रहेगी। दरअसल , रायपुर निवासी नितिन सिंघवी ने इस मामले में हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में बताया गया कि राज्य सरकार ने प्लास्टिक कैरी बैग, डिस्पोजेबल कप, प्लेट, गिलास, चम्मच, स्ट्रॉ, थर्माकोल की सजावटी सामग्री, 200 मिलीलीटर से कम क्षमता वाली पीईटी बोतलों और विज्ञापन में इस्तेमाल होने वाले फ्लेक्स-बैनर पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है। हालांकि, दवाइयों की पैकेजिंग और 50 माइक्रोन से अधिक मोटाई वाले दूध के पैकेट जैसी आवश्यक वस्तुओं को नियमों के तहत छूट दी गई है।

पीडीएस हितग्राहियों को सितंबर महीने में एक साथ मिलेगा दो माह का चावल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में सितंबर माह में दो महीने का पीडीएस का चावल एक साथ मिलेगा। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय की ओर से इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया गया है। आदेश के तहत सितंबर और अक्टूबर माह का पीडीएस चावल कार्डधारकों को एक साथ वितरित किया जाएगा। इधर, केंद्र सरकार ने रक्षाबंधन पर्व के पहले पीडीएस दुकानदारों को भी सौगात दी है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत पीडीएस चावल बिक्री पर अब दुकानदारों को प्रति क्विंटल चावल बिक्री पर 100 रुपए तथा ई-पॉस के माध्यम से बिक्री पर अतिरिक्त 11 रुपए मार्जिन राशि का भुगतान किया जाएगा। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अवर सचिव भूपेंद्र सिंह राजपूत द्वारा जारी आदेश के अनुसार, प्रदेश में आगामी महीने में अब एपीएल कार्डधारकों को छोड़कर अन्य वर्ग के सभी कार्डधारकों को एक साथ सितंबर एवं अक्टूबर माह का पीडीएस चावल मिलेगा। इस आदेश के तहत सभी जिलों के कलेक्टर तथा छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक को पत्र भेजकर निर्देश दिए गए हैं कि महीना शुरू होने से पहले सभी जिलों में संचालित उचित मूल्य की दुकानों में दो महीने के अनुसार पीडीएस चावल का भंडारण कराया जाए।

अनुशासनहीनता के मामले में प्रधान पाठक निलंबित

बेमेतरा/नवप्रदेश। शासकीय प्राथमिक शाला साजा, विकासखंड साजा के प्रधान पाठक त्रिभुवन दास वैष्णव के विरुद्ध अनुशासनहीनता एवं कदाचरण के मामले में जिला शिक्षा विभाग द्वारा निलंबन की कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री वैष्णव बीते कई दिनों से बिना पूर्व सूचना के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित थे। इसी दौरान उनके द्वारा शराब के नशे में उत्पात किए जाने तथा समझाइश देने पहुंचे पुलिस अधिकारी के साथ बदसलूकी किए जाने की जानकारी सामने आई। उनके उक्त आचरण को विभागीय गरिमा एवं छवि के विपरीत मानते हुए गंभीरता से लिया गया। विभाग द्वारा वैष्णव का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के उपनियम (1), (2), (3) एवं नियम 23 के विपरीत पाए जाने पर कदाचरण की श्रेणी में माना गया है। इसी के तहत संबंधित प्रधान पाठक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, नवागढ़ निर्धारित किया गया है।

परियोजना: कांगेर घाटी में 6 किलोमीटर सड़क के लिए अंतिम वन मंजूरी का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा

नेशनल हाईवे-30 के चौड़ीकरण का रास्ता साफ

रायपुर/नवप्रदेश। बस्तर में सड़क नेटवर्क को बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-30 के 6.010 किलोमीटर हिस्से के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण की प्रक्रिया अब अंतिम वन स्वीकृति की ओर बढ़ गई है। परियोजना के लिए 8.386 हेक्टेयर वन भूमि के गैर-वानिकी उपयोग को प्रथम चरण की सशर्त सैद्धांतिक मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। अब दूसरे चरण की अंतिम स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है।

यह सड़क परियोजना जगदलपुर-सुकमा-कोंटा मार्ग के अंतर्गत नेशनल हाईवे-30 के किलोमीटर 25.530 से 31.540 तक प्रस्तावित है। सड़क के उन्नयन से बस्तर के दक्षिणी हिस्से में आवागमन को अधिक सुगम और सुरक्षित बनाने की उम्मीद है।

पहले चरण की मंजूरी के बाद आगे बढ़ी प्रक्रिया: भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर ने 13 अक्टूबर 2025 को परियोजना को प्रथम चरण की सशर्त सैद्धांतिक स्वीकृति दी थी। इसके बाद स्वीकृति में निर्धारित वन एवं पर्यावरण संबंधी शर्तों को पूरा करने की प्रक्रिया शुरू हुई। 23 जून 2026 को प्रभारी अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू-प्रबंध) ने शर्तों के अनुपालन से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने 8 जुलाई 2026 को नवा रायपुर स्थित मंत्रालय के उप कार्यालय को पत्र भेजकर द्वितीय चरण की मंजूरी देने का अनुरोध किया। वहीं 10 जुलाई 2026 को प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख के कार्यालय से भी आगे की कार्रवाई की गई।

क्षतिपूरक वनीकरण की राशि जमा

परियोजना के लिए वन भूमि के उपयोग के बदले निर्धारित क्षतिपूरक वनीकरण और अतिरिक्त क्षतिपूरक वनीकरण की राशि जमा की जा चुकी है। यह भुगतान वित्तीय वर्ष 2025-26 की निर्धारित दरों के आधार पर किया गया है। अंतिम मंजूरी तक राशि में कोई अंतर होने पर उसे लागू दर के अनुसार जमा करने का प्रावधान रखा गया है। निर्धारित दिशा-निर्देशों के मुताबिक अंतिम वन स्वीकृति से पहले परियोजना एजेंसी आवश्यक संसाधन जुटाने और अनुमत प्रारंभिक गतिविधियां कर सकती है। हालांकि सड़क की ब्लैक टॉपिंग समेत स्थायी निर्माण कार्य अंतिम वन स्वीकृति मिलने के बाद ही शुरू किए जा सकेंगे।

अंतिम मंजूरी के बाद तेज होगा काम

प्रथम चरण में तय शर्तों का अनुपालन पूरा होने के बाद अब परियोजना की द्वितीय चरण की अंतिम वन स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद नेशनल हाईवे-30 के 6.010 किलोमीटर हिस्से के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का काम पूरी तरह आगे बढ़ सकेगा। इस परियोजना के पूरा होने से बस्तर की सड़क अधोसंरचना को मजबूती मिलने के साथ कांगेर घाटी क्षेत्र में बेहतर और सुरक्षित कनेक्टिविटी विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होने की उम्मीद है।

पर्यटन और कारोबार को मिलेगा फायदा

नेशनल हाईवे-30 जगदलपुर को सुकमा और कोंटा से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। संबंधित हिस्से के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के बाद स्थानीय लोगों के साथ इस मार्ग से आवाजाही करने वाले यात्रियों को भी बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है। बेहतर सड़क संपर्क से दूरस्थ इलाकों में प्रशासनिक पहुंच मजबूत होने के साथ पर्यटन, स्थानीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल सकता है। कांगेर घाटी सहित बस्तर के पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होने से पर्यटन क्षेत्र को भी इसका लाभ मिलने की संभावना है।

विकास के साथ प्रकृति की सुरक्षा जरूरी: मंत्री केदार

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर के समग्र विकास के लिए बेहतर सड़क संपर्क बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांगेर घाटी क्षेत्र में ह॥-30 के इस हिस्से का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण सभी वैधानिक एवं पर्यावरणीय प्रावधानों का पालन करते हुए आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर की विकास परियोजनाओं को गति देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय से आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। श्री कश्यप ने कहा कि सड़क का उन्नयन होने से लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन मिलेगा, लेकिन कांगेर घाटी बस्तर और छत्तीसगढ़ की अमूल्य प्राकृतिक धरोहर है। इसलिए सड़क निर्माण के साथ वन, वन्यजीव और जैव-विविधता का संरक्षण भी सर्वोच्च प्राथमिकता में रहेगा।

विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी फोकस

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान बस्तर की प्रमुख प्राकृतिक धरोहरों में शामिल है और जैव-विविधता की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। ऐसे में सड़क परियोजना को आगे बढ़ाते हुए वन, वन्यजीव और पर्यावरण से जुड़े नियमों के पालन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सरकार का कहना है कि बस्तर में बेहतर सड़क और आधारभूत सुविधाएं जरूरी हैं, लेकिन विकास के साथ क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा और जैव-विविधता को सुरक्षित रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

भाटिया वाइन डिस्टलरी और पर्यावरण संरक्षण मंडल के बीच मिलीभगत!

पर्यावरण संरक्षण बोर्ड अफसरों की भूमिका की जांच जरूरी: हाई कोर्ट

■ कोर्ट कमिश्नरों की जांच में सामने आई गंभीर गड़बड़ी

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में डिस्टलरी से जल प्रदूषण के मामले में छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस रविंद्र अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल (सीईसीबी) की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना, भाटिया वाइन मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड की डिस्टलरी से भूमिगत पाइप के जरिए गंदा पानी आसपास के खेतों में छोड़ा जा रहा था, जबकि पूर्व में पर्यावरणा संरक्षण मंडल की रिपोर्टों में कंपनी के खिलाफ प्रदूषण का कोई मामला सामने नहीं आने की बात कही गई थी। कोर्ट ने कहा कि सीईसीबी और कंपनी के बीच मिलीभगत की संभावना से इस स्तर पर इनकार

नहीं किया जा सकता। जनहित याचिका की अगली सुनवाई के लिए कोर्ट ने 16 सितंबर 2026 की तिथि तय कर दी है।

कोर्ट कमिश्नरों ने डिवीजन बेंच को सौंपी रिपोर्ट में बताया, भाटिया वाइन मर्चेंट्स और वेलकम डिस्टलरीज जल स्रोतों को प्रदूषित कर रही थीं, जबकि छत्तीसगढ़ डिस्टलरीज के मामले में भी निगरानी की आवश्यकता बताई गई। भाटिया वाइन मर्चेंट्स के संबंध में 13 अगस्त को सीईसीबी की टीम ने निरीक्षण किया। इसमें पाया कि डिस्टलरी परिसर से भूमिगत पाइप के जरिए औद्योगिक अपशिष्ट और गंदा पानी बाहर निकालकर पास के कृषि खेत में छोड़ा जा रहा था। खेत में दूषित पानी जमा मिला और आसपास खजुरी नाला तथा अन्य कृषि भूमि भी मौजूद थी। सीईसीबी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि प्रदूषण वाले स्थान के आसपास कोई दूसरी औद्योगिक इकाई नहीं थी और वहां से लिए गए प्रदूषित पानी के नमूने व फोटो भी पेश किए गए।

17 अगस्त को डिस्टलरी बंद करने का आदेश

प्रदूषण की पुष्टि के बाद सीईसीबी ने 17 अगस्त 2026 को जल अधिनियम की धारा 33-ए के तहत डिस्टलरी तत्काल बंद करने का आदेश दिया। बिजली कनेक्शन काटने, भूमिगत पाइप हटाने और भविष्य में परिसर से किसी भी तरह का औद्योगिक अपशिष्ट बाहर नहीं छोड़ने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा कंपनी को हर समय जीरो लिक्विड डिस्चार्ज व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया। प्रदूषण की अवधि के लिए पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति भी लगाए जाने की बात कही गई है।

भोलेनाथ की भव्य पालकी यात्रा में मारपीट दहशत फैलाने वालों पर पुलिस की कार्रवाई

■ 8 नाबालिगों के परिजनों को दी सख्त हिदायत, 2 बालिग युवकों पर कार्रवाई

कवर्धा/नवप्रदेश। भगवान भोलेनाथ की भव्य पालकी यात्रा के दौरान शहर में लड़ाई-झगड़ा एवं मारपीट कर दहशत फैलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कबीरधाम पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर संदिग्धों की पहचान कर उनसे पूछताछ की, जिसमें कुल 10 लोगों की पहचान हुई। इनमें 8 नाबालिग और 2 बालिग युवक शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, 24 अगस्त 2026 को भगवान भोलेनाथ की पालकी यात्रा के दौरान कुछ युवकों द्वारा मारपीट एवं लड़ाई-झगड़े का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया था। वीडियो सामने आते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संदिग्धों की पहचान शुरू की। जांच के दौरान

10 लोगों की पहचान हुई। 8 नाबालिगों के संबंध में उनके परिजनों को थाना बुलाकर समझाइश दी गई तथा भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति नहीं करने के लिए सख्त हिदायत दी गई। नाबालिगों के परिजनों ने भी अपने बच्चों की ओर से घटना के लिए क्षमा मांगी और जिलेवासियों से इस कृत्य के लिए माफी मांगते हुए भविष्य में ऐसी घटना नहीं होने देने का आश्वासन दिया। वहीं, दो बालिग युवकों शिवा दुबे पिता सेठ्ठी दुबे, उम्र 21 वर्ष, निवासी मठपारा, कवर्धा तथा दीपराज पाली पिता संतोष पाली, उम्र 19 वर्ष, निवासी पालीपारा, कवर्धा के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में वैधानिक कार्रवाई की गई है।

धार्मिक आयोजनों में उपद्रव बर्दाश्त नहीं

कबीरधाम पुलिस ने स्पष्ट किया है कि धार्मिक आयोजनों एवं सार्वजनिक स्थानों पर शांति और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने, मारपीट करने अथवा भय एवं दहशत का वातावरण निर्मित करने वाले कृत्यों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया के माध्यम से दहशत फैलाने वाले वीडियो प्रसारित करने वालों पर भी पुलिस की सतत निगरानी है। पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि धार्मिक आयोजनों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें। किसी भी प्रकार के विवाद, अफवाह अथवा आपत्तिजनक वीडियो को सोशल मीडिया पर प्रसारित न करें और ऐसी सामग्री सामने आने पर उसे आगे शेयर करने के बजाय पुलिस को इसकी सूचना दें।

समीक्षा: शहरों की आवश्यकता के अनुरूप रूट प्लान, डिपो-चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीक आधारित मॉनिटरिंग व्यवस्था विकसित करने के निर्देश

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में 240 ई बसें चलाने बनी रणनीति

■ नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा एवं केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक भानु प्रताप सिंह भदौरिया ने की समीक्षा

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने आज केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक भानु प्रताप सिंह भदौरिया के साथ नगरीय प्रशासन एवं सूडा के अधिकारियों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में ई-बस सेवा की संचालन व्यवस्था, विस्तार, रूट प्लानिंग, बस स्टॉप, डिपो, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत छत्तीसगढ़ के चार नगर निगमों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा में कुल 240 इलेक्ट्रिक बसों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इनके संचालन से इन चारों शहरों में स्वच्छ एवं आधुनिक सार्वजनिक परिवहन के साथ नागरिकों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के संचालन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा तथा केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के निदेशक भानु प्रताप सिंह भदौरिया ने कहा कि ई-बस सेवा के रूट का निर्धारण शहरों की वास्तविक परिवहन आवश्यकताओं और नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, प्रमुख बाजारों, महत्वपूर्ण संस्थानों को ई-बस नेटवर्क से जोड़ने वाले रूट तैयार करने पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच बेहतर सार्वजनिक परिवहन कनेक्टिविटी विकसित हो सके। प्रमुख सचिव बोरा ने बैठक में कहा कि योजना के सभी घटकों–रूट प्लानिंग, बस संचालन, डिपो, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, बस स्टॉप एवं कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम को एकीकृत रूप से विकसित किया जाना आवश्यक है।

चरणबद्ध तरीके से रूट अध्ययन के निर्देश

ई-बसों के लिए शॉर्ट-टर्म एवं लॉन्ग-टर्म रूट प्लान तैयार करने तथा चरणबद्ध तरीके से रूट का अध्ययन करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रस्तावित रूटों की फेजवार स्टडी करते हुए यात्री संख्या, संभावित मांग, दूरी और कनेक्टिविटी के आधार पर उनकी व्यवहारिकता का आकलन करने को कहा। अधिक यात्री आवागमन वाले क्षेत्रों में मांग के अनुरूप रूट विकसित करने तथा विस्तृत अध्ययन के आधार पर रूट को अंतिम रूप देने पर जोर दिया गया। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने ई-बस सेवा से संबंधित जानकारियों को नागरिकों के लिए स्पष्ट और सहज बनाने की आवश्यकता बताई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि.शेड नं.74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806 फोन: 0771-3526755, 6262188999